{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
शुक्रवार 10 अप्रैल 2026
वैशाख कृष्ण 08 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 195
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

PMG पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	76,631.65
निफ्टी	-	23,775.10
सोना	-	1,51,480
चांदी	-	2,55,000
डॉलर	-	92.53

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

सिक्किम में बर्फबारी-लैंडस्लाइड,135 को सेना ने बचाया

शिमला/देहरादून। सिक्किम में भारी बर्फबारी के बीच कई जगह लैंडस्लाइड के कारण सड़क संपर्क टूट गया। लाचेन में करीब 1,000 पर्यटक फंसे हुए हैं और उन्हें जल्द से जल्द बचाने के लिए निरंतर प्रयास जारी हैं। सेना ने कुल 135 फंसे पर्यटकों को बचाया है। उत्तर भारत में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से अप्रैल में भी सर्दी का अहसास हो रहा है। राजस्थान में 20 दिनों से बदले मौसम के कारण तापमान 7 डिग्री तक कम हुआ है। मौसम विभाग ने छत्तीसगढ़ और बिहार समेत 17 राज्यों में आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, बिहार, झारखंड, छत्तीसगढ़, ओडिशा, सिक्किम, बंगाल, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बारिश का ऑरेंज अलर्ट है। बिहार में काल बैसाखी सिस्टम एक्टिव हो गया है। काल बैसाखी अचानक आने वाला तेज आंधी-तूफान होता है।

गद्दे-बाथरूम में 17 करोड़ छिपाने वाले अफसर पर एफआईआर

कानपुर । कानपुर में भ्रष्टाचार के बड़े मामले का खुलासा हुआ है। सेल टैक्स विभाग के रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर केशव लाल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति रखने का केस दर्ज किया गया है। एफआईआर 9 साल बाद 8 अप्रैल को कानपुर विजलेंस टीम ने दर्ज कराई। 9 साल पहले साल-2017 में केशव कानपुर में तैनात थे। उस दौरान उनके नोएडा स्थित घर में आयकर विभाग की टीम ने छापा मारा था। इस दौरान उनके नोएडा और कानपुर के घरों में गद्दों, बाथरूम के फ्लश और गत्तों में नोटों की गड्डियां भरी मिली थीं। नोएडा से कुल 10 करोड़ कैश और 3 करोड़ के जेवर मिले थे। वहीं, कानपुर से 4 करोड़ कैश मिला था। इसके अलावा करोड़ों की अचल संपत्ति भी मिली थी। इसके बाद केशव के खिलाफ विजिलेंस जांच कर रही थी। अब जांच पूरी होने के बाद एफआईआर दर्ज हुई है।

इंदौर में वंदे मातरम गाने से इंकार पर बवाल, कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख सदन से सस्पेंड

इंदौर। इंदौर नगर निगम के बजट पर चर्चा के दौरान कांग्रेस पार्टी की महिला पार्षद ने वंदे मातरम गाने इंकार किया, इसके बाद विवाद खड़ा हो गया। यह घटना तब हुई, जब कांग्रेस पार्षद फौजिया शेख अलीम बैठक में देर से पहुंचीं। बताया जाता है कि भाजपा पार्षदों ने फौजिया से वंदे मातरम गाने का अनुरोध किया, इस अनुरोध को उन्होंने अस्वीकार किया। इसके बाद भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर नारे लगाए।

मिडिल ईस्ट में जंग- लेबनान पर इजराइली हमले ने ईरान और अमेरिका के सीजफायर को संकट में डाला,

ईरान बोला- अमेरिका ने सीजफायर की 3 शर्तें तोड़ीं...अब बातचीत बेकार, ट्रम्प बोले- समझौते तक ईरान के आसपास आर्मी तैनात रहेगी

धोखे वाली मध्यस्थता...सीजफायर पर संशय

-अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस का दावा...ईरान के 10 सूत्रीय एजेंडे के पहले ड्राफ्ट को चैटजीपीटी से लिखा गया

- ईरान ने पाक में अमेरिका के साथ बातचीत से पहले यूरेनियम एनरिचमेंट पर खींची रेड लाइन

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन। मिडिल ईस्ट में अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच चल रही जंग में 40 दिन बाद जैस-तैसे सीजफायर हुआ है, लेकिनलेबनान पर इजराइली हमले ने ईरान और अमेरिका के सीजफायर को 24 घंटे में ही संकट में डाल दिया है। ईरान ने सरेआम धमकी दी है कि अगर लेबनान पर हमला जारी रहता है, तो हम युद्ध विराम समझौते पर कोई बात नहीं करेंगे। ईरान ने अमेरिका पर सीजफायर की तीन अहम शर्तें तोड़ने का आरोप लगाया है। ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाकेर गालिबाफ ने कहा कि अमेरिका ने 10-पॉइंट प्रस्ताव की बुनियादी शर्तों का उल्लंघन किया है। ईरान ने साफ कहा है कि जिस आधार पर बातचीत होनी थी, वही पहले ही टूट चुका है। ऐसे में अब बातचीत या सीजफायर तर्कसंगत नहीं रह गया है। वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि जब तक ईरान के साथ हुआ समझौता पूरी तरह लागू नहीं होता, तब तक अमेरिकी सेना ईरान के आसपास तैनात रहेगी। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर पोस्ट कर चेतावनी दी कि अगर समझौते का पालन नहीं हुआ, तो फिर से गोलीबारी शुरू होगी, जो पहले से ज्यादा बड़ी, ताकतवर और विनाशकारी होगी। हालांकि उन्होंने कहा कि इसकी संभावना बेहद कम है, लेकिन अमेरिका पूरी तरह तैयार है।

ईरान का कहना है कि सीजफायर की शर्तों में लेबनान पर भी हमला रोकना शामिल है। ईरान के विदेश मंत्री ने इसके लिए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री के उस ड्राफ्ट को क्वोट किया, जो अमेरिका से बनकर आया था। सीजफायर की शर्तों में लेबनान पर हमला न करना भी शामिल था। इसके बावजूद इजराइल ने उस पर हमला किया। इसके पीछे 2 कारण बताए जा रहे हैं। पहला, इजराइल ने लेबनान पर हमले के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप को आश्वस्त कर लिया। अमेरिकी आउटलेट एक्सियोस के मुताबिक ट्रंप ने जब समझौते की जानकारी देने के लिए इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को फोन लगाया तो नेतन्याहू ने लेबनान पर हमला जारी रखने की बात कही। इस पर ट्रंप ने कहा कि इसे रख सकते हैं। दूसरी बड़ी वजह हिजबुल्लाह को पूरी तरह खत्म करने का प्रयास है। अल-जजीरा के मुताबिक 2024 में इजराइली हमले से कमजोर हिजबुल्लाह फिर से तनकर मैदान में खड़ा हो रहा था, जिसे इजराइल के लिए बड़ा माना जाता है। इजराइल किसी भी सूरत में हिजबुल्लाह को खत्म करना चाहता है।

अमेरिका ने किए तीन शर्तों का उल्लंघन

अमेरिका-इजरायल और ईरान के बीच जंग में सीजफायर के बाद ईरानी परमाणु एजेंसी के प्रमुख मोहम्मद इस्लामी ने बड़ा बयान दिया है। इस्लामी ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के साथ किसी भी युद्धविराम की बातचीत के लिए ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार की रक्षा करना जरुरी है। इस्लामी ने ईरान की 10 सूत्रीय स्थायी युद्धविराम योजना का जिक्र करते हुए कहा कि अमेरिका इस प्रस्ताव के तीन मुख्य बिंदुओं का पहले ही उल्लंघन कर चुका है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिका का ईरान के यूरेनियम संवर्धन के अधिकार को स्वीकार करने से इनकार करना 10-सूत्रीय प्रस्ताव के छठे बिंदु का सीधा उल्लंघन है। उन्होंने तीन प्रमुख उल्लंघनों का हवाला देते हुए कहा कि लेबनान में संघर्ष-विराम से संबंधित पहले बिंदु का पालन न करना, जबकि पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी इसे तत्काल लागू होने वाला बताया था। ईरान के हवाई क्षेत्र में घुसपैठिए ड्रोन का प्रवेश, जिसे फार्स प्रांत के लार शहर के पास नष्ट किया गया। ईरान के संवर्धन अधिकार से इनकार। इस्लामी ने चेतावनी दी कि इन उल्लंघनों के बावजूद बातचीत के लिए व्यावहारिक आधार को नजरअंदाज किया जा रहा है। ऐसे में द्विपक्षीय संघर्ष-विराम या वार्ता करना तर्कसंगत नहीं है। बता दें अमेरिका और ईरान इस हफ्ते के अंत में पाकिस्तान की राजधानी इस्लामाबाद में महत्वपूर्ण वार्ता के लिए मिलने वाले हैं।

सीजफायर और जंग साथ नहीं चल सकते

इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। हमले बेरूत, बेक्का वैली, माउंट लेबनान, सैदोन और दक्षिण लेबनान के कई गांवों में किए गए। यह हमला उसी दिन हुआ, जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया गया था। इजराइली सेना ने कहा कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था। सेना के मुताबिक, इसमें हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा नहीं है।

लेबनान में एक दिन में 254 मौतें

इजराइली सेना ने बुधवार को लेबनान में सैकड़ों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें 254 लोगों की मौत हो गई। लेबनान की सिविल डिफेंस एजेंसी के मुताबिक, इस एयर स्ट्राइक में कम से कम 1,165 लोग घायल हुए। इसके बाद देश में राष्ट्रीय शोक घोषित किया गया है। हमले बेरूत, बेक्का वैली, माउंट लेबनान, सैदोन और दक्षिण लेबनान के कई गांवों में किए गए। यह हमला उसी दिन हुआ, जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच दो हफ्ते के सीजफायर का ऐलान किया गया था। इजराइली सेना ने कहा कि यह हमला 2 मार्च से शुरू किए गए उनके नए सैन्य ऑपरेशन के बाद लेबनान पर अब तक का सबसे बड़ा हमला था। सेना के मुताबिक, इसमें हिजबुल्लाह के 100 से ज्यादा कमांड सेंटर और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा कि लेबनान अमेरिका-ईरान सीजफायर का हिस्सा नहीं है। वहीं, मध्यस्थ पाकिस्तान का कहना है कि इस सीजफायर में लेबनान भी शामिल है। दूसरी तरफ, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा कि लेबनान इस समझौते से अलग है और इसका हिस्सा

आज होगी ईरान-अमेरिका के बीच वार्ता

पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अमेरिका और ईरान, दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों को 10 अप्रैल को इस्लामाबाद आमंत्रित किया है ताकि विवादों के समाधान के लिए आगे की बातचीत की जा सके। पाकिस्तान में ईरान के राजदूत रजा अमीरी मोघदम ने 'एक्स' पर कहा कि इजरायल की सरकार द्वारा बार-बार युद्ध-विराम उल्लंघन और प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की ओर से आमंत्रित कूटनीतिक पहल को विफल करने के प्रयासों के बावजूद, ईरानी प्रतिनिधिमंडल आज रात इस्लामाबाद पहुंच रहा है और ईरान के 10 बिंदुओं के प्रस्ताव के आधार पर गंभीर वार्ता करेगा। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के भी इस्लामाबाद पहुंचने की संभावना है, हालांकि उनके आगमन का समय घोषित नहीं किया गया है। वार्ता के लिए केवल शुक्रवार का दिन निर्धारित किया गया है। उप राष्ट्रपति जेडी वेंस अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

कार्यकर्ताओं के बीच झड़प, पुलिस की लाठीचार्ज के बीच असम, केरलम और पुडुचेरी में बंपर वोटिंग

ईवीएम में कैद हुआ 1906 प्रत्याशियों का भाग्य

नई दिल्ली । देश के तीन महत्वपूर्ण राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों में गुरूवार को विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त हो गया है। असम, केरलम और पुडुचेरी में एक ही चरण में वोटिंग हुई। मतदान सुबह 7 बजे शुरू होकर शाम 6 बजे तक चला। सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं, हजारों पुलिसकर्मी और केंद्रीय बल तैनात रहे। इसके साथ ही तीनों राज्यों के 1906 प्रत्याशियों का भाग्य ईवीएम में कैद हो गया। चुनाव आयोग के अनुसार असम में 85.38 प्रतिशत, केरलम में 78.01 प्रतिशत और पुडुचेरी में 89.81 प्रतिशत वोटिंग हुई। पुडुचेरी में मन्नादिपेट में पोलिंग बूथ पर कांग्रेस और भाजपा समर्थकों में झड़प हो गई। पुलिस ने भीड़ पर लाठीचार्ज किया। पुडुचेरी के सीएम ष्टरू रंगास्वामी वोट डालने के लिए पोलिंग बूथ तक बाइक से पहुंचे।

केरलम में पूर्व रक्षा मंत्री और कांग्रेस लीडर एके एंटनी ने तिरुवनंतपुरम में वोट डाला। उन्होंने मीडिया से कहा कि केरलम के लोग भाजपा को पसंद नहीं करते। राज्य में 10 साल के कुशासन की सरकार है। इसलिए इस बार सरकार बदलेगी। वहीं, असम के सीएम हिमंता बिस्व सरमा ने गुवाहाटी में मां कामा या मंदिर में पूजा की। इसके बाद पत्नी के साथ जालुकबाड़ी में वोट डाला। असम में 126 सीटों पर 41 पार्टियों के 722 उ मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं।

वहीं, केरलम में 2.71 करोड़ वोटर 890 उ मीदवारों में से अपना नेता चुनेंगे। पुडुचेरी में 20 पार्टियां के 294 कैंडिडेट अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। दोनों राज्यों और एक केंद्रशासित प्रदेश में करीब 10 लाख से ज्यादा वोटर्स ने पहली बार मतदान किया। केरलम में 70 साल में पहली बार कोई सीएम हैट्रिक के लिए चुनाव लड़ रहा है। असम में बीजेपी हिमंता बिस्व सरमा के सहारे लगातार तीसरी बार सरकार बनाने का दांव खेल रही है। पुडुचेरी में कांग्रेस से निकले एन. रंगास्वामी पांचवी बार सत्ता में काबिज होने की कोशिश कर रहे हैं।

सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट बोला

मंदिरों में एंट्री रोकने से समाज बंटेगा

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट में गुरुवार को सबरीमाला केस की सुनवाई के दौरान मंदिरों के रीति-रिवाजों का जिक्र हुआ। जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि मंदिरों में सिर्फ खास समुदाय की एंट्री और बाहरी लोगों की मनाही से समाज बंटेगा। यह हिंदु धर्म के लिए ठीक नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि मान लीजिए (सबरीमाला केस को छोडक़र), अगर यह कहा जाए कि सिर्फ गौड़ सारस्वत लोग ही एक मंदिर में आएं या कांची मठ के लोग सिर्फ कांची ही जाएं, दूसरे मठ (जैसे शृंगेरी) न जाएं तो यह ठीक नहीं होगा। बल्कि जितने ज्यादा लोग अलग-अलग मंदिरों और मठों में जाएंगे, उतना ही धर्म मजबूत बनेगा।

उधर केंद्र सरकार की तरफ से पेश हुए सीनियर एडवोकेट वैद्यनाथन ने कहा कि इतिहास में ऐसे कई उदाहरण हमारे सामने हैं, जब धर्म से जुड़े विवाद संवेदनशील होते हैं। वहां अदालतें हस्तक्षेप नहीं करतीं हैं। सुप्रीम कोर्ट की 9 जजों की बेंच ने गुरुवार को धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ भेदभाव से जुड़े मामलों में लगातार तीसरे दिन सुनवाई की। इसमें विभिन्न धर्मों में प्रचलित धार्मिक स्वतंत्रता की सीमा और दायरे पर भी विचार किया जा रहा है।

आधार को लेकर सुप्रीम कोर्ट में याचिका

सिर्फ 6 साल तक के बच्चों का आधार बनाने की मांग

नई दिल्ली। आधार पंजीकरण प्रक्रिया को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की गई है, जिसमें मांग की गई है कि देश में आधार बनवाने की प्रक्रिया केवल छह वर्ष तक के बच्चों तक सीमित कर दी जाए। यह याचिका अधिवक्ता अश्विनी उपाध्याय ने दायर की है।

याचिका में तर्क दिया गया है कि भारत की लगभग 99 प्रतिशत आबादी, यानी करीब 144 करोड़ लोगों का आधार पहले ही बन चुका है। ऐसे में अब वयस्कों के लिए आधार बनाने की आवश्यकता नहीं रह गई है। याचिकाकर्ता का दावा है कि वर्तमान व्यवस्था का दुरुपयोग करते हुए कुछ विदेशी नागरिक फर्जी दस्तावेजों के जरिए आधार बनवा रहे हैं, जिससे देश की आंतरिक सुरक्षा पर खतरा बढ़ रहा है।

याचिका में विशेष रूप से कॉमन सर्विस सेंटर के माध्यम से आधार पंजीकरण प्रक्रिया पर सवाल उठाए गए हैं। इसमें कहा गया है कि इन केंद्रों पर कथित रूप से पैसे लेकर फर्जी आधार बनाए जा रहे हैं, जिनका फायदा पाकिस्तान, अफगानिस्तान, बांग्लादेश और रोहिंग्या जैसे बाहरी तत्व उठा सकते हैं।

अश्विनी उपाध्याय ने सुझाव दिया है कि छह वर्ष से अधिक आयु के लोगों के आधार पंजीकरण की प्रक्रिया केवल तहसीलदार या एसडीएम कार्यालयों तक सीमित की जाए, ताकि सत्यापन कड़ा हो और फर्जीवाड़े पर रोक लगे। साथ ही, आधार केंद्रों पर स्पष्ट चेतावनी बोर्ड लगाने की भी मांग की गई है, जिसमें फर्जी दस्तावेज बनाना एक गंभीर अपराध बताया जाए और इसके लिए कड़ी सजा का उल्लेख हो।

याचिका में यह भी प्रस्ताव रखा गया है कि आधार, राशन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस और जन्म प्रमाण पत्र जैसे दस्तावेजों के लिए आवेदन करते समय आवेदक से एक लिखित अंडरटेकिंग ली जाए। इसमें व्यक्ति को यह घोषित करना होगा कि दी गई जानकारी सही है और गलत पाए जाने पर वह कानूनी कार्रवाई के लिए जिम्मेदार होगा। इसके अलावा, फर्जी दस्तावेज बनाने के मामलों में सजा के प्रावधान को और सख्त करने की भी मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि वर्तमान में 卐कनकरेंट सजा卐 (एक साथ सजा चलना) के बजाय 卐क्रमिक सजा卐 लागू होनी चाहिए, ताकि अपराधियों में कानून का भय बढ़े। याचिकाकर्ता का कहना है कि फर्जी आधार और अन्य दस्तावेज न केवल सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे देश के सामाजिक संतुलन और प्रशासनिक व्यवस्था पर भी असर पड़ सकता है।

कुछ ना कहना

बाल तस्करी पर सुप्रीम कोर्ट के सख्त, राज्यों को चेतावनी...इच्छाशक्ति दिखाएं

अनुपालन रिपोर्ट पर नाराजगी, कहा- केवल निगरानी नहीं, ठोस कार्रवाई जरूरी

नई दिल्ली। देश में बढ़ते बाल तस्करी के मामलों पर सुप्रीम कोर्ट ने कड़ा रुख अपनाया है। एक याचिका पर सुनवाई के दौरान अदालत ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को फटकार लगाते हुए कहा- वे आंखों में धूल झोंकना बंद करें और इस गंभीर समस्या से निपटने के लिए वास्तविक इच्छाशक्ति दिखाएं।

जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस केवी विश्वनाथन की पीठ ने टिप्पणी की कि देशभर में संगठित बाल तस्करी गिरोह सक्रिय हैं और यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो स्थिति नियंत्रण से बाहर हो सकती है। अदालत ने स्पष्ट किया कि न्यायालय केवल निगरानी कर सकता है, लेकिन जमीनी स्तर पर कार्रवाई की जिम्मेदारी राज्य सरकारों, पुलिस और संबंधित एजेंसियों की है।

पीठ ने वर्ष 2025 में दिए गए उस महत्वपूर्ण फैसले के क्रियान्वयन में ढिलाई पर भी नाराजगी जताई, जिसमें संगठित तस्करी गिरोहों को ध्वस्त करने के लिए कई निर्देश दिए गए थे। इन निर्देशों में तस्करी से जुड़े मामलों की सुनवाई रोजाना आधार पर करते हुए छह महीने के भीतर निपटाने, मानव

तस्करी निरोधक इकाइयों (एएचटीयू) को मजबूत करने और जांच प्रक्रिया में सुधार शामिल था। सुनवाई के दौरान अदालत ने कुछ राज्यों द्वारा प्रस्तुत अनुपालन रिपोर्ट को 'सिर्फ दिखावा' करार दिया। कोर्ट ने विशेष रूप से मध्य प्रदेश, गोवा, हरियाणा, लक्षद्वीप, मिजोरम, ओडिशा और पंजाब का जिक्र करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक निर्धारित प्रारूप में रिपोर्ट दाखिल नहीं की है। मध्य प्रदेश के गृह सचिव द्वारा माफी मांगने पर अदालत ने अंतिम अवसर देते हुए सख्त चेतावनी दी कि यदि बार-बार लापरवाही हुई तो संबंधित राज्यों को आधिकारिक रूप से 'आदेश का पालन न करने वाला' घोषित किया जा सकता है। अदालत ने यह भी बताया कि कम से कम 15 राज्यों ने अभी तक मानव तस्करी संभावित क्षेत्रों की पहचान और निगरानी के लिए आवश्यक समीक्षा समितियों का गठन नहीं किया है। पीठ ने कहा कि कुछ मामलों में बच्चों की सफल बरामदगी यह दर्शाती है कि समस्या का समाधान संभव है, लेकिन इसके लिए मजबूत राजनीतिक और प्रशासनिक इच्छाशक्ति जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 29 अप्रैल को निर्धारित की गई है, जहां कोर्ट राज्यों की प्रगति की समीक्षा करेगा।

किताबें नहीं, फिर भी पढ़ानी होगी तीसरी भाषा

-सीबीएसई ने स्कूलों को निर्देश दिए; छठी क्लास में इसी सेशन से 3 भाषाएं पढ़ाने का नियम लागू

नई दिल्ली। सीबीएसई ने क्लास 6 में तीसरी भाषा लागू करने को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बोर्ड ने गुरूवार को जारी सर्कुलर में सभी स्कूलों को 7 दिन के अंदर इसे लागू करने का निर्देश दिया है। इसे जरूरी बताते हुए तुरंत पढ़ाई शुरू करने को कहा गया है। नोटिस के अनुसार, यह नियम 2026-27 सेशन यानी इसी साल से लागू होगा। स्कूलों को अभी से तैयारी और पढ़ाई शुरू करनी होगी। खास बात ये है कि थर्ड लैंग्वेज को बतौर सब्जेक्ट पढ़ाने के लिए अभी किताबें उपलब्ध नहीं हैं।

किताबें जल्द जारी होंगी

सीबीएसई ने नोटिस में कहा कि स्कूल तीसरी भाषा की पढ़ाई के लिए फिलहाल स्थानीय स्तर पर उपलब्ध किताबों और सामग्री का इस्तेमाल करें। आधिकारिक टेक्स्ट बुक्स जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी। लेकिन स्कूलों को इंतजार नहीं करना है और तुरंत पढ़ाई शुरू करनी होगी। महाराष्ट्र पिछले साल थ्री लैंग्वेज पॉलिसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना था। राज्य में 1 से 5वीं क्लास तक के बच्चों के लिए हिंदी पढऩा जरूरी कर दिया गया है।

राघव चड्ढा बनाएंगे नई पार्टी

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा इन दिनों सुर्खियों में हैं। पार्टी नेतृत्व के साथ उनके रिश्तों में खटास की खबरों के बीच अब एक नया सवाल खड़ा हो गया है कि क्या वह अपनी अलग राजनीतिक पार्टी बना सकते हैं। यह अटकलें तब और तेज हो गईं जब उन्होंने एक इंस्टाग्राम रील साझा की, जिसमें उन्हें एक नई जेन-जी पार्टी बनाने का सुझाव दिया गया था। राघव चड्ढा ने एक कंटेंट क्रिएटर की रील शेयर की। इस रील में क्रिएटर रिहान ने कहा कि देश के युवा और आम लोग चाहते हैं कि राघव चड्ढा अपनी खुद की राजनीतिक पार्टी बनाएं।

भटेरा ओवर ब्रिज निर्माण में आया नया अड़ंगा

अधिकारियों ने एक ही नगर के 2 वार्डो में से, एक शहरी तो दूसरे को बना दिया ग्रामीण? मुआवजे के निर्धारण को लेकर भटेरा रोड़ वासियों ने जताई आपति, भू अर्जन में आने वाली दुकान एवं मकानों की राशि पर पक्षपात का लगाया आरोप

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

भटेरा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर नए नए अड़ंगे सामने आ रहे हैं।जहां पहले तो स्थानीय लोगो में ओवरब्रिज निर्माण को लेकर किए गए नापजोख में काफी नाराजगी देखी गई। तो अब भू अर्जन को लेकर दिए जा रहे मुआवजे को लेकर भी लोग नाराज हैं। स्थानीयजनों का आरोप है कि नगर के वार्ड नंबर 10 को शहरी क्षेत्र बात कर शहरी क्षेत्र के हिसाब से मुआवजे का निर्धारण किया गया है, तो वही वार्ड नंबर 11 को ग्रामीण क्षेत्र बताकर ग्रामीण क्षेत्र के हिसाब से मुआवजे का निर्धारण किया जा रहा है वहीं दोनों वार्डवासियों को नियम के हिसाब से मुआवजा ना देकर काफी कम राशि का मुआवजा दिया जा रहा है। जबकि दोनों ही वार्ड नगरपालिका के अंतर्गत शहरी क्षेत्र के वार्ड हैं।बावजूद इसके भी मुआवजा वितरण प्रणाली में इन्हें शहरी और ग्रामीण वार्ड बताकर अलग-अलग मुआवजे कि दर तय की जा रही है जिसका विरोध स्थानीय लोगो द्वारा गुरुवार को किया गया। जिन्होंने एक बैठक का आयोजन कर दरों का निर्धारण, व कम मुआवजा राशि पर अपनी नाराजगी जताते हुए इसका विरोध करने की योजना बनाई है। जिन्होंने इसके विरोध में जल्द ही ज्ञापन सौपकर चक्काजाम आंदोलन करने और वक्त पड़ने पर हाई कोर्ट का सहारा लिए जाने की भी चेतावनी दी है। आयोजित इस बैठक में डॉ. अरोड़ा, कन्हैया राउत, पिंकू गुरबेले, श्री दीयावार, सलीम खान, सकुन यादव, नईम कुरैशी, मोबिन कुरैशी, सरस्वती बाई, बेलाबाई सहित अन्य स्थानीय नागरिक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

सभी को कर्मशियल हिसाब से मिले मुआवजा

स्थानीय लोगो ने मुआवजा दरों में भारी भिन्नता होने का आरोप लगाते हुए रेवेन्यू रिकॉर्ड के आधार पर दिए जा रहे मुआवजे को लेने से इंकार किया है।जिन्होंने उन्हें कमर्शियल के आधार पर मुआवजा देने और मुआवजा दरों के निर्धारण में एकरूप रवैया अपमाने की मांग की है। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर गुरुवार को बैठक कर भूअर्जन अधिकारी पर निशाना साधते हुए, उन्हें तत्काल इस कार्य से मुक्त कर, नया भूअर्जन अधिकारी की नियुक्ति किए जाने की मांग की है। उन्होंने उन्हें हो रहे नुकसान से बचाने और कमर्शियल के आधार पर उनके निर्माण कार्यों का बढाकर मुआवजा दिए जाने की भी गुहार लगाई है।

एक ही शहर के 2 वार्ड, एक शहरी तो दूसरा ग्रामीण कैसे ?

रहवासियों ने बताया कि भटेरा ओवरब्रिज निर्माण में आने वाली दुकान एवं मकानों को एक जैसी मुआवजा राशि वितरण नहीं की जा रही है इन राशियों में काफी पक्षपात किया जा रहा है एक वार्ड नंबर 11 को ग्रामिण बता कर राशि लगभग 1100 रुपए तो वहीं दूसरे वार्ड 10 को शहरी बताकर 2200रु स्केवेयर फीट राशि निर्धारित की गई है यह कहां का न्याय है जबकि दोनों वार्ड लगे हुए हैं और दोनों ही नगर पालिका क्षेत्र में आते हैं और टैक्स भी नगर पालिका को ही देते हैं तो फिर एक वार्ड के वार्ड वासी कैसे ग्रामीण के हो गए।

अक्टूबर 2026 तक बनकर पूर्ण करना है रेलवे ओवरब्रिज

ज्ञात हो कि नगर में भटेरा मार्ग पर बनने वाले 38 करोड़ के रेलवे ओवरब्रिज का काम अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है।1313 मीटर लंबे और लगभग 8.4 मीटर चौड़े, इस रेलवे ओवरब्रिज पर रेलवे लाईन पर बनाए जाने वाले ब्रिज को छोड़कर, राज्य सरकार की सेतु एजेंसी को 38 करोड़ रूपए की लागत से 42 पिल्लर बनाना है, जिसमें अब तक केवल 8-10 पिल्लर ही बन पाए है। वहीं अन्य कार्य के लिए भी आए दिनों नए-नए अड़ंगे देखे जा रहे हैं।अब ओवरब्रिज के लंबाई क्षेत्र में आने वाले रेसिडेंटल और कमर्शियल भूमि वालो ने भू-अर्जन के तय किए गए मुआवजे को अपर्याप्त बताते हुए इसका विरोध शुरू कर दिया है।आपको बताए कि भू-अर्जन के बाद कुल 206 लोगों को 24.34 करोड़ रूपए की राशि वितरित होना है, लेकिन मुआवजे पर उठते सवाल से समयावधि में भटेरा रेलवे ओवरब्रिज का काम पूरा हो पाएगा, यह संभव नजर नहीं आ रहा है।

मार्ग कमर्शिलय घोषित है तो फिर रेवेन्यु के आधार पर मुआवजा क्यो

चर्चा के दौरान स्थानीय रहवासियो ने बताया कि भटेरा रेलवे ओवरब्रिज के मार्ग पर रहवासी मकानों के अलावा व्यवसायिक प्रतिष्ठान है। बालाघाट विकास योजना में इस मार्ग को कमर्शिलय घोषित किया है तो फिर रेवेन्यु आधार पर मुआवजा क्यो?, कमर्शियल आधार पर मुआवजा प्रदान करना चाहिए।उन्होंने बताया कि रेसिडेंटल आधार पर रिक्त भूमि का 11, 400 रूपए वर्गफीट राशि तय की गई है। जबकि कमर्शियल में, रेट इससे ज्यादा है, जिसके कारण, हमें लगता है कि भू-अर्जन के बाद दिया जाने वाला मुआवजा काफी कम है।

मुआवजे में किया जा रहा भाई भतीजावाद

पहले तो ओवरब्रिज बनाने में देरी और अब ओवरब्रिज के मार्ग में आ रहे भवन और दुकानों के भू-अर्जन मुआवजा को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। रहवासियों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों ने मुआवजा राशि वितरण में भाई-भतीजावाद का आरोप लगाया है।स्थानियजनो ने मुआवजा वितरण में प्रशासन पर मनमर्जी का आरोप लगाते हुए कहा कि सभी चिन्हित रहवासी और दुकान मालिकों को भूमि अधिग्रहण अधिनियम के तहत न्यायालय के आदेशानुसार, मुआवजा बढ़ाकर मिलना चाहिए।

किसे किस हिसाब से कितना मुआवजा, का नोटिस ने नही किया गया उल्लेख

स्थानीय जनों ने बताया कि भूअर्जन अधिकारी द्वारा मुआवजे से सम्बधित जो ,नोटिस रह वासियों को दिया गया है उसमें यहां भी नहीं दर्शाया गया है कि किस चीज का कितना पैसा दिया जा रहा है कमर्शियल वाली जमीन की भी मुआवजा राशि,आवासीय के रूप में दि जा रही है,वही नजूल की जमीन वाले को अधिक तो मालिका हक वाले भूस्वामी को कम राशि का भुगतान किया जा रहा ह। जिसमें पूर्ण रूप से नियमों की अनदेखी की जा रही है।

भूअर्जन अधिकारी (एसडीएम) को हटाने की करी मांग

स्थानीय लोगो ने मुआवजे के निर्धारण में अनिमियता बरतने, नियमो के तहत मुआवजा राशि ना देने, किसी को कम किसी को ज्यादा राशि देने सहित एक ही नगर एक ही क्षेत्र को शहर व गांव में बांटकर अलग अलग दर से मुआवजे का निर्धारण करने का आरोप लगाते हुए, भूअर्जन अधिकारी (एसडीएम) को हटाकर किसी औऱ को भूअर्जन अधिकारी बनाने, दोबारा सर्वे कराकर, सभी को समान दर, व्यवसायिक क्षेत्र के हिसाब से भूमि और निर्माण कार्य का अलग से मुआवजा प्रकरण बनाकर, मुआवजा राशि दिए जाने की मांग की है।

आंदोलन कर हाईकोर्ट जाने की दी चेतावनी

स्थानीय लोगो ने भूअर्जन अधिकारी एसडीएम गोपाल सोनी को तुरंत हटाकर या नियमानुसार मुआवजा राशि वितरण किए जाने की मांग की है। जिन्होंने सुप्रीम कोर्ट की गाइड लाइन के हिसाब से मुवअजा राशि वितरण करने और लगभग 262 दुकानदरों को वहां से हटाने से पहले उनके व्यवस्थापन की व्यवस्था इतवारी बाजार स्थित कॉम्प्लेक्स में करने की भी गुहार लगाई है। उन्होंने स्पष्ठ किया कि यदि जल्द ही निष्पक्ष रूप से राशियों का वितरण नहीं किया गया तो हम आंदोलन करेंगे और इसी मामले को लेकर हाई कोर्ट जाएगे।

नए भूअर्जन अधिकारी की नियुक्ति कर पुन:कराया जाए सर्वे- राशीद

वार्ड नंबर 11 निवासी अधिवक्ता राशीद अहमद ने बताया कि भू-अर्जन अधिकारी द्वारा सभी भूमि मालिकों को एक पत्र दिया गया है, उस पत्र में कहीं पर भी इस बात का उल्लेख नहीं है कि उन्हें किस दर से कितनी मुआवजे की राशि दी जा रही है जमीन का कितना और निर्माण का कितना मुआवजा दे रहे हैं। भटेरा रो? से रेलवे क्रॉसिंग और उससे आगे तक का हिस्सा पूरा कमर्शियल में है लेकिन अधिकारियों ने बंद कमरे में इसकी निम्न दर तय कर ली है, वार्ड नंबर 10 के लोगों को शहरी क्षेत्र बताते हुए 2200रु स्क्वायर फीट के हिसाब से, तो वहीं वार्ड नंबर 11 के लोगों को ग्रामीण क्षेत्र बताते हुए 11.500 रु स्क्वायर फीट के हिसाब से मुआवजा दिया जा रहा है। उसमें भी केवल भूमि का मुआवजा मिल रहा है लेकिन उसे भूमि पर किए गए कमर्शियल निर्माण का मुआवजा नहीं जोड़ा गया है।ओवर ब्रिज के लिए जहां भू अर्जन होना है। वह दोनों ही वार्ड कमर्शियल क्षेत्र में आते हैं यहां के लोग कमर्शियल का टैक्स पटाते हैं बिजली मीटर भी कमर्शियल है लेकिन इसे आवासीय बताकर मुआवजा का पत्र दिया गया है, भू अर्जन अधिकारी या अन्य किसी अधिकारी ने आज तक वार्ड में जाकर लोगों से चर्चा नहीं की, कोई समन्वय नहीं बनाया।हमसे हमारी ही जमीन ली जा रही है और हमें ही अंधेरे में रखा जा रहा है। यह नहीं चलेगा,हमारी मांग है कि नए भूअर्जन अधिकारी की नियुक्ति कर दोबारा मुआवजे का सर्वे करना चाहिए और सभी को समान दर से कमर्शियल के हिसाब से मुआवजा मिलना चाहिए।

भूअर्जन अधिनियम के तहत दिया जाए मुआवजा-प्रभु एस बुड्ढेकर

अधिवक्ता प्रभु एस एस बुड्ढेकर ने बताया कि भू अर्जन अधिनियम 2013 के तहत प्रावधान है कि जब भी जनहित के कार्य सरकार करती है और उसमें लोगों की जमीन अधिग्रहण की जाती है तो उसे भू अर्जन अधिनियम के तहत वर्तमान रेट से 4 गुना बढाकर मुआवजा मिलाना चाहिए। लेकिन यह लोग तो अलग ही दर का निर्धारण कर रहे हैं, नगर पालिका में जब सभी वार्ड हैं तो इसे ग्रामीण अंचल में कैसे माना जा रहा है, यहां पूरे अधिकारियों की मिली भगत है जिसकी नजूल की जमीन है उसे 35 लाख दे रहे हैं उसी के बाजू वाली उतनी ही मालिकाना हक की भूमि वाले को महज 2 लाख दे रहे हैं। यह सरकार दोगली नीति अपना रही है, भूमि अधिग्रहण के लिए 38 करोड रुपए का मुआवजा आया है।लेकिन यहां पर सभी को मिलाकर महज 23 करोड रुपए का मुआवजा वितरित किया जा रहा है। व्यावसायिक एरिया को ग्रामीण क्षेत्र बताकर कम दरों से मुआवजा का निर्धारण किया गया है जो कि गलत है। हम इसका विरोध करते हैं हमारी मांग है कि नया भूअर्जन अधिकारी नियुक्त कर,पुन: सर्वे कराकर नियमों के तहत कमर्शियल क्षेत्र के हिसाब से बढ़कर मुआवजा दिया जाए।

रामपायली में हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा हजरत बाबा चांदशाह वली का उर्स

परचम कुसाई के बाद निकाला गया संदल,कव्वाली आज

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। जनपद पंचायत वारासिवनी की ग्राम पंचायत रामपायली में चंदन नदी किनारे स्थित हजरत बाबा चांदशाह वली रहमत तुल्लाह अलैह दरबार शरीफ में प्रतिवर्ष के अनुसार इस वर्ष भी सालाना

उर्स का आगाज किया गया है ।जहां दरबार में कौमी एकता के तहत 69वे सालाना उर्स मुबारक पर गुरुवार को 9 अप्रैल को सुबह 10 बजे परचम कुशाई कर उर्स मुबारक की शुरुवात की गई वही शाम 4 बजे से शाही शदल शरीफ दरगाह से निकाला गया।यह शाही संदल गांव का गश्त करता हुआ,व तमाम दरगाह में चादर पेश करता हुआ वापस दरगाह पहुँचा।जहा दरगाह शरीफ में शदल चादर व अकीदतो के फूल पेश कर सामूहिक रुप से देश के लिए अमनो अमान की दुवाए मांगी गई। जिसके बाद लंगर का आयोजन किया गया। बताया गया कि शुक्रवार 10 अप्रैल को कुल शरीफ और फातिया ख्वानी होगा। इस अवसर पर खिदमतगार रोशन बाबा दीवाना चिस्ती ने हजरत बाबा चांदशाह वली के सभी अकीदतमंदों से उर्स में हाजरी लगाने की अपील की है।साथ ही रात्रि 9 बजे से कव्वाली कार्यक्रम होगा। जिसमें जुबेर सुल्तानी बधायु उत्तर प्रदेश कव्वाली की पेशकश करेंगे।

आवश्यकता है
बालाघाट ऑफिस हेतु कम्प्यूटर में मेल, चैटजीपीटी आदि की जानकारी वाले ही जिनकी उम्र 28 से 35 वर्ष तक हो ।
मो. 9479309233

कार्यालय ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा
जनपद पंचायत लांजी,जिला बालाघाट
क्रमांक / क्यू / ग्रा. प. घोटी घुसमारा दिनांक 09/04/2026
निविदा

विषयाकिंत लेख है कि ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा में वित्तीय वर्ष 2026-27 में मनरेगा योजना, वी.बी.जी.रामजी योजना, प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण योजना, पंच परमेश्वर , 15 वां वित्त,16 वां वित्त आयोग, 5 वां 6 वां राज्य वित्त आयोग, मुख्यमंत्री विशिष्ट निधि, स्वकराधान मद, स्वच्छ भारत अभियान, विधायक - सांसद निधि, जिला पंचायत व जनपद पंचायत निधि, परफार्मेस ग्रांट फंड, स्टेशनरी क्रय एवं अन्य मरम्मत व पंचायत में अन्य योजनाओं के तहत् विभिन्न निर्माण कार्य हेतु सामग्री क्रय की जानी हैं । इन कार्यों के लिए दिनांक 21/04/2026 तक नीचे लिखित वर्णित सामग्री हेतु मुहरबंद निविदाएं कार्यालयीन समय में आमंत्रित हैं ।

निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी ग्राम पंचायत कार्यालय में आकर प्राप्त कर सकते है, निविदा के संबंध में अंतिम निर्णय ग्राम पंचायत का होगा । निविदा का लिफाफा कार्यालयीन समय पर ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा में जमा किया जावें एवं डाक द्वारा भेजे गये लिफाफे अंतिम तारीख के शाम 5 बजे तक ही मान्य किये जायेगें ।

सामग्री- सीमेंट , लोहा , गिट्टी , सीमेंट पाइप , लोहा पाइप , टीन , मिट्टी , मुरम , रेत , ईट , मिक्कर मशीन , वाइब्रेटर मशीन , पॉलीथीन , थर्माकॉल , रोलर , वॉशबेसिन नल सहित , पेंटिंग कार्य , गट्ठू (पेवर ब्लॉक) , नल जल योजना हेतु पाइप, हेंडपम्प संधारण हेतु सामग्री, आधा एचपी, एक एचपी, दो एचपी, तीन एचपी विद्युत मोटर, कुर्सी , टेबल , स्ट्रीट लाईट संबंधी सामग्री , वाटर हारवेस्टिंग से संबंधित सामग्री , एसीसी एस्बेस्टस चादर (छत) , पी.वी.सी पाइप 10 फीट , एंगल नट बोल्ट सहित , सेटिंग , तार , खीला , आईल , पेंट , दरी , आलमारी , कूलर , लैपटाप , कम्प्युटर सामग्री , टंकी , स्टेशनरी क्रय , नल - जल संधारण की सामग्री , पौधा क्रय , पंडाल व्यवस्था , मिष्ठान , जेसीबी मशीन , ट्रेक्टर ट्राली , परिवहन सहित अन्य आवश्यक सामग्री शामिल हैं ।

श्रीमती कमला घोरमारे **सरपंच** | **श्रीमती बेनुला धारणे** **उपसरपंच** | **धर्मेन्द्र घोंगड़े** **सचिव**
गणेश अगासे - रोजगार सहायक
एवं समस्त पंचगण ग्राम पंचायत घोटी घुसमारा तह. लांजी जिला बालाघाट

14 अप्रैल को मनायी जाएगी डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 136वीं जयंती

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 14 अप्रैल डॉ. भीवराम अम्बेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर जिले के सभी विद्यालयों एवं छात्रावास-आश्रमों में 08 अप्रैल से 14 अप्रैल 2026 तक सप्ताहभर विविध कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस संबंध में आयुक्त, अनुसूचित जाति विकास मध्यप्रदेश, भोपाल द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती शकुंतला डामोर ने जानकारी देते हुए बताया कि कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देशन में डॉ. भीवराम अम्बेडकर की 136वीं जयंती के अवसर पर जिले के सभी शैक्षणिक एवं आवासीय संस्थाओं में साफ-सफाई, रंगाई-पुताई, सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा डॉ. अम्बेडकर के जीवन एवं कृतित्व पर आधारित गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। विद्यार्थियों के लिए निबंध, भाषण, चित्रकला, रंगोली/मेहंदी, खेलकूद और क्विज प्रतियोगिताएं आयोजित कर उनके जीवन संदेशों से परिचित कराया जाएगा। श्रीमती डामोर ने बताया कि जिला स्तर के साथ ही सभी विकासखंडो, विद्यालयों एवं आवासीय संस्थाओं में भी डॉ. अम्बेडकर के जीवन और कृतित्व पर आधारित कार्यक्रम आयोजित होंगे।

14 अप्रैल को आयोजित मुख्य कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों को भी आमंत्रित किया जाएगा। साथ ही एसएमसी, एसएमडीसी एवं पालक समिति की अनिवार्य भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी। आवासीय छात्रावासों में रहने वाले विद्यार्थियों को 14 अप्रैल को विशेष भोजन (फीस्ट) प्रदान किया जाएगा। कार्यक्रम स्थलों पर बैकड्रॉप बैनर भी अनिवार्य रूप से लगाए जाएंगे। सभी संस्थाओं को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यक्रमों का प्रतिवेदन फोटोग्राफी सहित कार्यालय सहायक आयुक्त, जनजातीय कार्य, बालाघाट को अनिवार्य रूप से प्रेषित करें।

चांगोटोला में क्षत्रिय पवार संगठन की बैठक सम्पन्न

नई कार्यकारिणी का हुआ गठन

पद्मेश न्यूज। चांगोटोला। अध्यक्ष जिला पवार संगठन बालाघाट के निर्देशानुसार क्षत्रिय पवार संगठन ब्लॉक लामता की एक महत्वपूर्ण बैठक गत दिवस आयोजित की गई। बैठक में संगठन के विस्तार एवं मजबूती को लेकर विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई।इस दौरान क्षत्रिय पवार संगठन ब्लॉक लामता (परिक्षेत्र मगरदर्राङ्कपादरीगंज) के लिए नई कार्यकारिणी का सर्वसम्मति से गठन किया गया। जिसमें ग्राम तिखाखारी निवासी दीपचंद ठाकरे को अध्यक्ष, ग्राम खैरगांव निवासी ओमकार चौहान को सचिव तथा ग्राम बटुआ निवासी योगेश पारधी को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके साथ ही संगठन में उपाध्यक्ष, महामंत्री, सह सचिव, सह कोषाध्यक्ष एवं कार्यकारिणी सदस्यों की भी नियुक्ति की गई। बैठक में संरक्षक मंडल का भी गठन किया गया जो संगठन को मार्गदर्शन प्रदान करेगा। विशेष बात यह रही कि संगठन की कार्यकारिणी में महिलाओं को भी शामिल किया गया है।जिससे संगठन में समावेशिता और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नवगठित टीम को बधाई देते हुए संगठन को आगे बढ़ाने के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प लिया।

कोरोना के बाद फिर सजेगा सहमत साहित्य कुंभ

कल 11 अप्रैल को बालाघाट में भव्य आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में साहित्यिक गतिविधियों को नई ऊर्जा देने के उद्देश्य से लंबे अंतराल के बाद सहमत साहित्य कुंभ का आयोजन कल 11 अप्रैल शनिवार को किया जा रहा है। सहमत संस्था के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में जिले सहित प्रदेश के साहित्यकार, कवि और बुद्धिजीवी शामिल होंगे।जिसकी तमाम जानकारी गुरुवार को नगर के सर्किट हाउस में आयोजित एक पत्रकारवार्ता के दौरान सहमत संस्था से जुड़ें पदाधिकारियो द्वारा दी गई।बताया गया कि इस एकदिवसीय कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न सत्रों का आयोजन किया गया है।सुबह 10 बजे, सत्र उद्घाटन, 11 बजे से साहित्यिक कृतियों का लोकार्पण दोपहर 1 बजे भोजन सत्र, 2 से 3 बजे तक संवाद सत्र जिसके उपरांत साहित्यिक विषयों पर चर्चा, काव्यांजलि सत्र कर कवियों की काव्य प्रस्तुतियां होंगी वही समापन सत्र सायंकाल 6 बजे आयोजित किया जाएगा। आयोजकों ने जिले के सभी साहित्य प्रेमियों, विद्यार्थियों और बुद्धिजीवियों से कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

साहित्य प्रेमियों के लिए होगा खास आयोजन

आयोजको द्वारा बताया गया कि कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10 बजे होगा। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में विकास दवे निदेशक, म.प्र. साहित्य अकादमी उपस्थित रहेंगे। विशेष अतिथि के रूप में भारती सुरजीत सिंह ठाकुर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद बालाघाट,रमेश रंगलानी पूर्व अध्यक्ष नपा परिषद, राजेश पाठक एवं रामकुमार रामरिया संरक्षक सहमत संस्था शामिल होंगे।साहित्य प्रेमियों के लिए खास पुस्तकों का विमोचन प्रात: 11 बजे आयोजित किया जाएगा। विमोचन सत्र में साहित्यिक कृतियों का लोकार्पण किया जाएगा। इसमें साहित्य संग्रह त्रिवेणी तथा सरिता सिंघई कोहिनूर की गीत संग्रह कृति शब्द सारंग का विमोचन प्रमुख आकर्षण रहेगा।इस सत्र में सोहन वैद्य राष्ट्रीय महासचिव महावीर इंटरनेशनल, डॉ. नीरज अरोरा विभाग संयोजक, आरोग्य भारती सिवनी, तरुण सुराना नेशनल डायरेक्टर महावीर इंटरनेशनल एवं छगन हनवत अध्यक्ष भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे।

कोरोना काल के बाद हो रहा आयोजन- शुक्ल

स्थानीय सर्किट हाउस में आयोजित पत्रकार वार्ता के दौरान सहमत संस्था से जुड़े राजेंद्र शुक्ल ने कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि कोरोना काल से पहले यह आयोजन निरंतर होता था, लेकिन महामारी के कारण इसे रोकना पड़ा था। अब एक बार फिर इसे नए स्वरूप और व्यापक सहभागिता के साथ प्रारंभ किया जा रहा है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

पीजी कॉलेज में सम्राट विक्रमादित्य ज्ञान प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बालाघाट में 09 अप्रैल को सम्राट विक्रमादित्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय

के प्राचार्य डॉ. अशोक कुमार मराठे के मार्गदर्शन एवं संरक्षण में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं ज्ञान परंपरा से जुड़े विषयों पर अपनी जानकारी का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की छात्रा कु. कृष्णा कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। द्वितीय स्थान कु. रोशनी पटले तथा तृतीय स्थान कु. ममता भलावी ने हासिल किया। महाविद्यालय प्रबंधन ने बताया कि इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा, धर्म, संस्कृति और विरासत से जोड़ना है। साथ ही युवा पीढ़ी को महान शासक सम्राट विक्रमादित्य के न्यायप्रिय, वीर, कला-प्रेमी और दूरदर्शी व्यक्तित्व से परिचित कराना है। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों को सम्राट विक्रमादित्य के सुशासन, खगोल एवं ज्योतिष ज्ञान, शौर्य और सांस्कृतिक योगदान की जानकारी दी गई। यह आयोजन भारतीय ज्ञान परंपरा को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक सार्थक पहल माना जा रहा है। कार्यक्रम में आईक्यूएसी प्रभारी एवं समाजशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सीमा श्रीवास्तव, कार्यक्रम संयोजक डॉ. कंचन मसराम, डॉ. रचना कोरी तथा प्रो. चित्रमाला भीमटे सहित महाविद्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

खाते में संदिग्ध लेन-देन और मारपीट का मामला, युवक ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

दस्तावेज लेकर खाता खोलने का आरोप, लाखों के ट्रांजैक्शन का खुलासा होने पर हुआ विवाद

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

आदिवासी गोवारी समाज संगठन के पदाधिकारियों के साथ कटंगी निवासी आयुष नेवारे ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर एसपी के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में उन्होंने गांव के कुछ युवकों पर धोखाधड़ी और मारपीट का आरोप लगाते हुए न्यायोचित कार्रवाई की मांग की है। आयुष ने बताया कि गांव के कुछ युवकों ने एक संघ के नाम पर खाता खुलवाने का झांसा देकर उनसे आवश्यक दस्तावेज लिए और उनके नाम से बैंक खाता खुलवा लिया। इसके बाद पासबुक और अन्य जरूरी दस्तावेज अपने पास रख लिए। कुछ समय बाद आयुष को जानकारी मिली कि उनके नाम के खाते में संदिग्ध रूप से लाखों रुपये का लेन-देन हो रहा है। इस पर उन्होंने तत्काल पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और संबंधित खाते को बंद करवा दिया। आरोप है कि इस बात से नाराज होकर संबंधित युवकों ने आयुष के साथ मारपीट की। मामले को लेकर आयुष ने समाज के पदाधिकारियों के साथ पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

9 अप्रैल को आदिवासी समाज के पदाधिकारीयों के साथ आयुष पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचा यहां कटंगी निवासी आयुष नेवारे ने बताया कि कुछ समय पूर्व गांव के ही कुछ लोगों द्वारा एक संघ के नाम पर अखाड़ा संचालित करने की बात कहकर उनसे दस्तावेज लेकर बैंक खाता खुलवाया गया। आरोप है कि खाते की पासबुक, एटीएम और संबंधित दस्तावेज कटंगी निवासी सागर पंजवानी के पास रखे गए। पीड़ति आयुष नेवारे ने आरोप लगाया कि सागर पंजवानी द्वारा श्रीराम सेना के नाम पर ऑनलाइन चंदा एकत्र करने के बहाने कई युवकों के बैंक खाते खुलवाए गए थे और उन खातों से जुड़े मोबाइल नंबर एवं दस्तावेज भी अपने पास रखे गए थे। इस दौरान आयुष के एचडीएफसी बैंक खाते में लाखों रुपए के लेनदेन हुए, जिसकी जानकारी उसे नहीं थी। आयुष के अनुसार, जब एक ट्रांजेक्शन की सूचना उसे ईमेल के माध्यम से मिली, तब वह बैंक पहुंचा और खाते की जानकारी ली। खाते में अत्यधिक लेनदेन सामने आने पर उसने अपना बैंक खाता बंद करा दिया। आरोप है कि इस बात की जानकारी सागर पंजवानी को लगने पर वह आक्रोशित हो गया और 29 मार्च की रात करीब 11:30 बजे अपने साथियों के साथ आयुष के घर में जबरन घुसकर उस से मारपीट किया। इस घटना में आयुष और उसके परिवार के सदस्यों को चोटें आई हैं। पीड़ित पक्ष ने आरोप लगाया है कि इस मामले में केवल कुछ आरोपियों पर ही कार्रवाई की गई है, जबकि अन्य संलिप्त लोगों पर भी गंभीर धाराओं में प्रकरण दर्ज किया जाना चाहिए। साथ ही ज्ञापन में यह भी मांग की गई है कि संबंधित खातों में हुए सभी लेनदेन की गहन जांच की जाए, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि यह राशि कहां से आई और किन उद्देश्यों के लिए उपयोग की गई। समाज के पदाधिकारी महेश सहारे ने आशंका जताई है कि इस प्रकार खातों का उपयोग कर अवैध गतिविधियां या धन के दुरुपयोग की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए पूरे मामले की गंभीरता से जांच आवश्यक है। पीड़ति और समाज के प्रतिनिधियों ने चेतावनी दी है कि यदि इस मामले में जल्द कार्रवाई नहीं की गई, तो वे कटंगी में उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे, जिसकी जिम्मेदारी प्रशासन की होगी।

भटेरा के आमा तालाब में बेमौत मर रही मछलियां

मछलियों की मौत का सिलसिला बा-दस्तूर जारी होने से मछुवारों को उठाना पड़ रहा नुकसान
आक्सीजन की कमी और नपा की नालियों से आ रहा गंदा पानी, बताई जा रही वजह

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। नगर से सटे ग्राम भटेरा स्थित आमा तालाब में पिछले 2- 3 दिनों से, मछलियों की मौत का सिलसिला बा-दस्तूर जारी है ।जो थमने का नाम ही नहीं ले रहा है ।जहा पिछले 2-3 दिनों से मछलियों की लगातार मौत होने से स्थानीय मछुवारों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है ।हालांकि यहां भारी मात्रा में मछलियों की मौत क्यो हो रही है ।फिलहाल इसकी स्पष्ठ वजह सामने नही आ पाई है ।लेकिन नगरपालिका की नालियों से आने वाले गंदे पानी की वजह से मछलियों की मौत होने की आंशका स्थानीय मछवारो द्वारा जताई गई है ।प्राप्त जानकारी के अनुसार आए दिनों की तरह गुरुवार को आमा तालाब के पास से गुजर रहे लोगों को अचानक तालाब से दुर्गंध आने लगी। जब उन्होंने तालाब के भीतर देखा तो सैकड़ों मछलियां किनारे में आकर मरी हुई थी ।स्थानीय जनों ने बताया कि तालाब का पानी बहुत अधिक गंदा हो चुका है प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है जिस कारण लगातार मछलियों की मौत हो रही है,जिससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैली हुई है ।वही दुर्गंध के चलते तालाब के पास तक आना भी मुश्किल हो रहा है।

तालाब के पानी मे उथलती मिली सैकड़ो मछलिया

बताया जा रहा है कि तालाबों की व्यापक साफ सफाई ना होने, नालियों का गंदा पानी लाताब मे छोड़े जाने, बढ़े हुए तापमान से पानी गर्म होने और पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन ना मिलने के चलते वहां पल रही मछलियों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है ।जिससे तालाब में मछलियों के मरने का दौर जारी है। जिसका एक नजारा गुरुवार को भी भटेरा के आमा तालाब में देखने को मिला ।जहां तालाब के इर्द-गिर्द चारों तरफ छोटी बड़ी मछलियां पानी में उथली मरी पड़ी दिखाई दी। हालांकि मछलियों की मौत किस कारण से हुई है फिलहाल इसका खुलासा नहीं हो पाया है लेकिन नालियों का गंदा पानी तालाब में लगातार छोड़ने और पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन ना मिलने की वजह से ही मछलियों की मौत हुई होगी ऐसी आशंकाएं जताई जा रही है।

मरी मछलियों को देख लोगो भौचक्के रह गए

बताया जा रहा है आमा तालाब से लोगो को एकाएक बदबू आने लगी,जब स्थानीय लोगो का ध्यान तालाब की ओर गया, तो लोग भौचक्के रह गए। जहा तालाब के एक छोर से दूसरे छोर

तक तालाब के पानी के किनारे-किनारे कई स्थानों पर मछलियां मरी पड़ी थी, वही कई तड़प, तड़प कर मर रही थी। यह दृश्य लोगों के लिए चौंका देने वाला था। तालाब में भरपूर पानी के बावजूद मछलियों का इस तरह से तड़प, तड़प कर मरना, किसी के गले नही उतर रहा है।

बदबू से सराबोर हुआ परिसर

आमा तालाब में मछलियों के मरने का सिलसिला बदस्तूर जारी है जिसके चलते तालाब के पास पहुंचते ही बदबू आने लगती है। बताया जा रहा है कि तालाब की व्यापक साफ सफाई नहीं की गई है, कीचड़ भी नजर आ रहा है जो सम्भवत: नालियों का बताया जा रहा है,जहां आक्सीजन की कमी के चलते लगातार मछलियां मर रही है, जिससे तालाब परिसर बदबू से सराबोर हो चुका है ।जिसकी साफ-सफाई के इंतजाम भी जिम्मेदारों द्वारा अब तक नहीं किए गए हैं जिसके चलते यहां आने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

पिछले 2 वर्षों से मछलियों की मौत की आ रही शिकायते

आपको बताए कि यह कोई पहला मौका नही है ।जब ग्राम भटेरा स्थित आमा तालाब में मछलियों की मौत हो रही हो, बल्कि इसके पूर्व भी तालाब में सैकड़ों मछलियों की मौत हुई थी,मछलियों की मौत का सिलसिला करीब 2 वर्षो से देखा जा रहा है ।उस समय की गई शिकायत व आवेदन निवेदन का संज्ञान लेते हुए स्थानीय प्रशासन द्वारा कि पानी की सफाई और ऑक्सीजन लेवल बढ़ाए जाने के इंतेजाम किए जाने का भरोसा दिलाया गया था ,जिससे कि मछलियों की मौत नही होगी ।लेकिन अब एक बार फिर से इस तालाब में मछलियों की मौत का सिलसिला शुरू हो चुका है। जानकर बताते हैं कि पानी में गंदगी का लेवल बढ़ने की वजह से पानी में ऑक्सीजन लेवल कम हो रहा है ।जिससे मछलियों की मौत हुई है।

हरे रंग का नजर आ रहा तालाब का पानी

जानकारों ने बताया कि यहां तालाब की साफ सफाई करना बहुत जरूरी हो गया है बीच में भी तलाब में बहुत अधिक मात्रा में मछलियां मरी थी और अब भी मर रही है यहां का पानी हरा हो गया है और पूरे वातावरण में दुर्गंध फैल रही है,यदि साफ सफाई हो जाए,और नपा की नालियों से आने वाले गंदे पानी को तालाब में आने से रोक दिया जाए तो शायद मछलियों की मौत नहीं होगी

ऑक्सीजन की कमी और नालियों का दूषित पानी भी हो सकती है मौत की वजह

अप्रैल माह में लगातार बढ़ती जा रही भीषण गर्मी से ऑक्सीजन की कमी और नगरी क्षेत्र से नालियों के माध्यम से तालाब में आ रहा गंदा पानी भी तालाब में मछलियों की मौत की वहज माना जा रहा है ।लेकिन यहां स्थानीय मछुवारों द्वारा नालियों के दूषित पानी से मछलियों की मौत होने की बात कही जा रही है ।क्यो की मौसम में गर्माहट के कारण तालाबों का पानी गर्म होने से यदि मछलिया बे-मौत मरती, तो केवल आमा तालाब ही नही, बल्कि इसका असर जिला मुख्यालय के मोती तालाब व जिले भर के तालाबों में भी देखा जाता ।लेकिन यहां केवल आमा तालाब की मछलिया ही मर रही है ।जिनके मरने का सिलसिला बदस्तूर जारी है ।जिससे नगरपालिका की नालियों से तालाब में आ रहा गंदा पानी मछलियों की मौत की वजह माना जा रहा है।

मछवारो को दिया जाए आर्थिक सहयोग

स्थानीय मछवारो ने बताया कि आमा तालाब में पल रही मछलियां लगातार मर रही है। ऑक्सीजन ना मिलने और तालाब के भीतर नगरपालिका की नालियों का गंदा पानी आने से बहुत सारी जलकुंभी व अन्य पौधे उग आए है ।जिसके चलते मछलियों की मौत हो रही है ।इससे मछली पालने वालों को काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। वहीं विभाग भी इसके लिए आर्थिक सहयोग प्रदान नहीं कर रहा है। हमारी मांग है कि समय-समय पर तालाबों की साफ-सफाई के लिए आर्थिक मदद दी जानी चाहिए ,वही मछलियों को पालने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जाना चाहिए ताकि मछुआरों को नुकसान न उठाना पड़े ।जहा उन्होंने सबसे पहले नगरपालिका की नालियों से तालाब में आने वाले गंदे पानी पर रोक लगाए जाने की मांग की है।

नालियों के पानी से बर्बाद हो रहा तालाब, मार रही मछलिया-छगन नारबोदे

भटेरा समिति पदाधिकारी छगन नारबोदे सहित अन्य मछुवारों ने बताया कि तालाब की रोजाना ही मछलियां मर रही हैं, शहर का गंदा पानी नालियों के माध्यम से तालाब में आ रहा है। जिससे तालाब बर्बाद हो रहा है यहां पर शहर से आने वाली गंदी नालियों का पानी तालाब में छोड़ा जा रहा है, हमारी मांग है कि पानी निकासी की कही और व्यवस्था बनाई जाए, तालाब का पानी स्वच्छ रहे और मछलियां भी ना मारे, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है। पहले तालाब में सिर्फ एक ही नाली का पानी आता था लेकिन अब नगर पालिका वालों ने जहा तहां से पार फोड़कर नालियों का पानी तालाब में डालना शुरू कर दिया है ।जिससे तालाब का पानी गंदा हो रहा है और मछलियां मर रही हैं ।इससे हमें लाखों रु का नुकसान उठाना पड़ रहा है ।हमने स्थानीय प्रशासन से कई बार इस समस्या का समाधान करने कहा है लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। हमारी मांग है कि तालाब में आने वाली नालियों का रूख तालाब से हटकर कहीं और किया जाए, ताकि तालाब और यहां की मछलियां सुरक्षित रह सके।

मोती नगर में शराब दुकान के खिलाफ तीसरे दिन भी प्रदर्शन जारी

कांग्रेस विधायक और पदाधिकारियों का समर्थन, रहवासी क्षेत्र में दुकान खोलने पर उठे सवाल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। वार्ड क्रमांक 25 मोती नगर चौक में प्रस्तावित शराब दुकान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन तीसरे दिन भी जारी रहा। बड़ी संख्या में महिलाएं और स्थानीय नागरिक मौके पर डटे रहे और दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग पर अड़े रहे। इधर विरोध प्रदर्शन को कांग्रेस विधायक और पार्टी पदाधिकारियों का भी समर्थन मिल गया है। वे भी मौके पर

पहुंचकर महिलाओं के विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए और सरकार पर जमकर निशाना साधा। कांग्रेस जिला अध्यक्ष और विधायक ने कहा कि रहवासी क्षेत्र में शराब दुकान खोलना पूरी तरह गलत है और इससे क्षेत्र का सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा। उन्होंने नगर पालिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि जब नगर पालिका अध्यक्ष स्वयं अपने ही वार्ड में दुकान खोलने का विरोध कर रही हैं, तो यह स्थिति प्रशासनिक समन्वय पर प्रश्नचिन्ह खड़ा करती है। साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि जब जिले में उनके जनप्रतिनिधि मौजूद हैं, तो शहर की शराब दुकानों को शहर से बाहर स्थानांतरित क्यों नहीं किया जा रहा है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि जब तक शराब दुकान को इस स्थान से हटाया नहीं जाता, तब तक उनका विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा। शहर के वार्ड क्रमांक 25 स्थित मोती नगर चौक पर प्रस्तावित शराब दुकान को लेकर विरोध प्रदर्शन लगातार तेज होता जा रहा है। बीते दो दिनों से वार्ड सहित आसपास के क्षेत्रों की महिलाएं दुकान खोले जाने का विरोध कर रही हैं, जो तीसरे दिन भी जारी रहा। महिलाओं ने एक स्वर में दुकान हटाने की मांग करते हुए कहा कि आवासीय क्षेत्र के बीच शराब दुकान खोले जाने से सामाजिक वातावरण प्रभावित होगा। इधर, कांग्रेस द्वारा काली पुतली चौक में चल रहे धरना-प्रदर्शन के पश्चात कांग्रेस विधायक और संगठन के पदाधिकारी सीधे वार्ड क्रमांक 25 पहुंचे। यहां उन्होंने विरोध कर रही महिलाओं से मुलाकात कर उन्हें समर्थन दिया और आश्वासन दिया कि जब तक दुकान हटाई नहीं जाती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी पूरी तरह से महिलाओं के साथ खड़ी है। बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष एवं बैहर विधायक संजय उईके ने इस दौरान शासन और प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि शासन के स्पष्ट नियम हैं कि किसी भी शैक्षणिक संस्था और शासकीय कार्यालय से कम से कम 100 मीटर की दूरी पर ही शराब दुकान संचालित की जानी चाहिए, जबकि मोती नगर चौक में यह दुकान महज 25 से 30 मीटर की दूरी पर खोली जा रही है, जो पूरी तरह नियमों का उल्लंघन है। नेताओं ने कहा कि सरकार एक ओर नियम बनाती है, लेकिन दूसरी ओर उनके पालन में लापरवाही बरती जा रही है। उन्होंने नगर पालिका अध्यक्ष पर भी निशाना साधते हुए कहा कि उनके ही वार्ड में महिलाओं को सड़क पर उतरकर धरना देना पड़ रहा है, जो बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। विधायक अनुभा मुंजारे ने जिला प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रशासन नियमों का सही तरीके से पालन नहीं कर रहा है। उन्होंने बताया कि पूर्व में भी उन्होंने शराब दुकान खोले जाने के विरोध में संघर्ष किया है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि प्रशासन द्वारा यह कहा जा रहा है कि जनप्रतिनिधियों के समन्वय से दुकान खोली जा रही है, जबकि उन्हें इस संबंध में किसी भी प्रकार की जानकारी नहीं दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि जिला प्रशासन जनहित के मुद्दों पर स्थानीय जनप्रतिनिधियों को विश्वास में नहीं लेता, जो उचित नहीं है। कांग्रेस नेताओं ने नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि सत्ता पक्ष में होने के बावजूद यदि उन्हें धरना-प्रदर्शन करना पड़ रहा है, तो यह दर्शाता है कि शासन-प्रशासन के बीच समन्वय की कमी है। उन्होंने कहा कि जब उनकी ही सरकार और जनप्रतिनिधि मौजूद हैं, तो फिर विरोध और ज्ञापन देने की नौबत क्यों आ रही है। फिलहाल, मोती नगर चौक पर महिलाओं का विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है और उन्होंने स्पष्ट कर दिया है कि जब तक शराब दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा।

2 हजार लोगों ने किया नवकार महामंत्र का जाप उत्कृष्ट विद्यालय मैदान और जेल में आयोजन, गृहमंत्री ने वर्चुअली किया संबोधित

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गुरुवार 09 अप्रैल को सुबह 8 से 10 बजे तक नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान, उपजेल बालाघाट सहित जिले के 8 केन्द्रो में एक साथ दो हजार से ज्यादा जैन समाज और अन्य लोगों ने नवकार मंत्र का जाप किया ।दरअसल, 09 अप्रैल को नवकार दिवस पर विश्व शांति की कामना के साथ एक साथ नवकार मंत्र के जाप का आयोजन किया गया था। जिसमें दिल्ली केन्द्र से गृहमंत्री अमित शाह, वर्चुअली जुड़े थे। जिसका लाईव प्रसारण भी, आयोजन स्थल में किया गया ।नगर के उत्कृष्ट विद्यालय मैदान में आयोजित नवकार दिवस पर विश्व नवकार जाप के किए गए आयोजन में सामाजिक लोगों ने एक साथ नवकार मंत्र का जाप किया। इस दौरान, छत्तीसगढ़ के भिलाई से पहुंची दूरदर्शन की कलाकार नैनिका कासलीवाल ने भगवान महावीर, नवकार और 24 तीर्थंकरों पर भरत नाट्यम की मनमोहक प्रस्तुति दी। बालाघाट में जीतो विंग ने इसका आयोजन किया था।

उपजेल में कैदियो ने सुना नवकार महामंत्र

विश्व नवकार दिवस पर किए गए नवकार महामंत्र जाप का आयोजन, जिले में पहली बार बालाघाट उपजेल में भी किया गया। जहां तकरीबन 236 कैदियो ने नवकार महामंत्र का जाप सुना। इस दौरान डीआईजी विनित जैन, जेलर सलामे, जीतो सचिव निशांत लोढा, राहुल कांकरिया, वर्धमान सेठिया, हीरा लालवानी

सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद रहे ।इसके अलावा नवकार मंत्र का जाप, बालाघाट के उत्कृष्ट विद्यालय, परसवाड़ा, लांजी, कटंगी, वारासिवनी, बैहर सहित 8 केन्द्रो में किया गया।

146 देशों में एक साथ हुआ आयोजन- श्रेयांश

युवा श्रेयांस वैद्य ने बताया कि आज एक ऐसा दिन, जब हम सार्वभौमिक मंत्र से विश्व शांति की कामना करने जा रहे है। आज 146 देशो और 800 से ज्यादा केन्द्रो में नवकार मंत्र का जाप किया जा रहा है। दिल्ली केन्द्र से गृहमंत्री अमित शाह, व मोदी स्वयं इस कार्यक्रम में शामिल हुए है और जिनका लाईव प्रसारण, यहां किया गया है। आज का दिन बड़े ही गर्व का दिन है, जब एक साथ लाखो लोग जमा हुए है। बालाघाट में जीतो ने इसका आयोजन किया है ।इस दौरान जीतो (जैन इंटरनेशनल ट्रेड आर्गेनाईजेशन) के अध्यक्ष अध्यक्ष अतुल वैद्य, सचिव निशांत लोढा, लेडिस विंग अध्यक्ष रश्मि वैद्य और युवा अध्यक्ष कुशल कांकरिया के नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस दौरान नगरपालिका अध्यक्ष भारती ठाकुर, समाज के अध्यक्ष भागचंद नाहर, अजय लुनिया, वीरेन्द्र जैन, समाजसेवी अभय सेठिया, संतोष जैन सहित अन्य सामाजिक लोग मौजूद थे।

लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्वयं बीमार, स्वीकृत पदों के लाले, स्वास्थ्य व्यवस्थाएं प्रभावित

क्षेत्रीयजनों में आक्रोश व्याप्त, रिक्त पदों को भरकर बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए प्रशासन से लगाई गुहार

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएससी) इन दिनों स्वयं बदहाली के दौर से गुजर रहा है। स्वास्थ्य केंद्र में कर्मचारियों की भारी कमी के कारण समूचे क्षेत्र की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं। आलम यह है कि स्वीकृत पदों की तुलना में आधे कर्मचारी भी कार्यरत नहीं हैं। जिससे मरीजों को समुचित इलाज मिलना तो दूर, सामान्य परामर्श के लिए भी घंटों इंतजार करना पड़ रहा है। इस तरह से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र 30 बिस्तर के अस्पताल में 77 ग्राम पंचायत क्षेत्र के 104 गांव के ग्रामीणजनों के स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए 75 पद स्वीकृत है। जिसमें 8 एमबीबीएस के पद है जिसमें से महज एक एमबीबीएस चिकित्सक डॉ. रितु धुर्वे पदस्थ है जिनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा रही है। इस तरह से लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों की भारी कमी है जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही है।

सुविधाओं का अभाव

आपकों बता दे कि स्वास्थ्य विभाग के मानकों के अनुसार एक 30 बिस्तर वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में 24 घंटे आपातकालीन सेवा, प्रसव सुविधा (लेबर रूम) और माइनर ओटी का होना अनिवार्य है। यहां कम से कम 4 विशेषज्ञ डॉक्टर (फिजिशियन, सर्जन, स्त्री रोग विशेषज्ञ और बाल रोग विशेषज्ञ) की नियुक्ति होनी चाहिए। इसके अलावा मरीजों के लिए आधुनिक एक्स-रे मशीन, पैथोलॉजी लैब और एक सुसज्जित फार्मेसी की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध होनी चाहिए। ताकि गरीब मरीजों को बाहर से दवा न खरीदनी पड़े। साथ ही गंभीर मरीजों को रेफर करने के लिए अस्पताल परिसर में एंबुलेंस की उपलब्धता और स्वच्छता के लिए पर्याप्त सफाई कर्मियों का होना भी आवश्यक है। दुर्भाग्यवश लालबर्रा में इन बुनियादी मानकों की धज्जियां उड़ती दिखाई दे रही हैं। इस तरह से लालबर्रा का 30 बिस्तर का सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में चिकित्सकों की भारी कमी के साथ ही सुविधाओं का अभाव है।

विशेषज्ञों का टोटा, सहायक स्टाफ की भी कमी

प्राप्त आधिकारिक जानकारी और वर्तमान स्थिति के विश्लेषण से पता चलता है कि स्वास्थ्य केंद्र लालबर्रा में विभिन्न श्रेणियों के कुल 75 पद स्वीकृत हैं। विडंबना यह है कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में केवल 46 कर्मचारी ही वर्तमान में पदस्थ हैं, जबकि 29 महत्वपूर्ण पद लंबे समय से रिक्त पड़े हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति विशेषज्ञ डॉक्टरों और तकनीकी सहायकों की है। क्षेत्रीय जनता का कहना है कि एक आदर्श सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में एमबीबीएस डॉक्टर, प्रशिक्षित नर्सें, डेंटिस्ट और स्त्री रोग विशेषज्ञ जैसे विशेषज्ञों की पदस्थापना अनिवार्य है। लेकिन लालबर्रा में विशेषज्ञों की कमी तो है ही, साथ ही सहायक कर्मचारियों के रिक्त पदों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है। जिसमें नियमित एम.ओ. (पुरूष) व विशेषज्ञ 6 पदों में से केवल 1 पद भरा है, 5 पद रिक्त हैं। इसी तरह नर्सिंग ऑफिसर में नियमित 10 पदों में से 4 पद खाली पड़े हैं। सहायक ग्रेड (1,2,3), नेत्र सहायक, ड्रेसर, वार्डबॉय और सुरक्षा कर्मियों के पद भी बड़ी संख्या में खाली हैं।

मरीजों की बढ़ती मुसीबतें और जन-आक्रोश

स्वास्थ्य सेवाओं के इस अभाव के कारण स्थानीय लोगों में प्रशासन के प्रति गहरा आक्रोश व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि छोटी-बड़ी बीमारियों के लिए उन्हें जिला अस्पताल या निजी क्लीनिकों की ओर रूख करना पड़ता है। जो आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए संभव नहीं है। हमें उम्मीद थी कि मुख्यालय का अस्पताल होने के नाते यहां बेहतर सुविधाएं मिलेंगी, लेकिन यहां तो स्टाफ ही पूरा नहीं है। स्पेशलिस्ट डॉक्टरों के बिना यह अस्पताल महज एक रेफरल सेंटर बनकर रह गया है। क्षेत्र के जागरूक नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग से मांग की है कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में रिक्त पड़े पदों पर तत्काल नियुक्तियां की जाये।

रिक्त पदों पर भर्ती करवाये प्रशासन - भाऊराम

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के अंतर्गत 77 ग्राम पंचायते आती है और पूरे क्षेत्र के लोग स्वास्थ्य लाभ लेने पहुंचते है। लेकिन स्वास्थ्य सुविधा प्रदान करने के लिए अस्पताल में एक मात्र एमबीबीएस डॉक्टर है और उनके पास सहयोगी स्टाफ की भी कमी है। जिससे लोगों को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिलने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि चिकित्सकों की कमी एवं सुविधाओं के अभाव में जिला चिकित्सालय रेफर करना पड़ता है। एमबीबीएस चिकित्सक के साथ ही अन्य स्वास्थ्य कर्मचारी जिनके पद रिक्त है उन पदों पर शासन-प्रशासन जल्द नियुक्ति करें।

जनप्रतिनिधियों को सड़क से लेकर सदन तक जनहित के मुद्दे को उठाना चाहिए - रवि

समाजसेवी रवि अग्रवाल ने बताया कि लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बहुत सी कमियां है परंतु उन कमियों को दूर करने का प्रयास शासन-प्रशासन के द्वारा नहीं किया जा रहा है। जबकि यह 30 बिस्तर का अस्पताल है जहां विशेषज्ञ, एमबीबीएस चिकित्सकों के लंबे समय से पद खाली है उन्हे नही भरा गया है और बेहतर स्वास्थ्य सुविधा नही मिलने पर मजबूरी में उपचार हेतु लोग गोंदिया-नागपुर जाते है, यह एक चिंता विषय है। जबकि शासन बड़े-बड़े वादे करती है परंतु जमीनी स्तर पर हकीकत कुछ और होती है, इन मुद्दों पर जनप्रतिनिधियों को आगे आकर समस्या का समाधान करना चाहिए। श्री अग्रवाल ने बताया कि भवन के भूमिपूजन-लोकार्पण में नेताओं का ताता लग जाता है परंतु बेहतर सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए कोई जनप्रतिनिधि आगे आकर मुद्दों को नहीं उठाता है। बालाघाट में शराब दुकान खुलने के विरोध में पक्ष-विपक्ष के नेता पहुंचकर जनता को अपना समर्थन दे रहे है, लेकिन लालबर्रा अस्पताल में चिकित्सकों की कमी को दुर करने कोई धरना प्रदर्शन नही कर रहे है जो गलत है। साथ ही यह भी बताया कि गांव में जो प्रैक्टिशनर डॉक्टर है उनके भरोसे जनता चल रही है, उनकी सेवाओं की वजह से ही लोग स्वस्थ हैं। जनप्रतिनिधियों को सड़क से लेकर सदन तक जनहित के मुद्दो को उठाना चाहिए और इन मुद्दों को सरकार के सामने लाकर पूरा करवाना चाहिए।

इनका कहना है-

क्षेत्रीयजनों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही है किन्तु चिकित्सकों एवं सहायक स्टाप की समस्या से शासन-प्रशासन को अवगत करवा दिया गया है और अपने उ'चाधिकारियों को सूचना दे दी गई है। साथ ही हमारे द्वारा आमजन मानस को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने का पुरा प्रयास किया जा रहा है।

डॉ. रितु धुर्वे
बीएमओं
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लालबर्रा।

विधायक अनुभा मुंजारे ने किया लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग का औचक निरीक्षण

बिजली पोल शिफ्टिंग और जल निकासी की बाधाएं हुई दुर, गुणवत्ता से समझौता न करने के दिये निर्देश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। क्षेत्र की जनता की वर्षों पुरानी और बहुप्रतीक्षित मांग अब धरातल पर साकार होती दिख रही है। लालबर्रा से अमोली-समनापुर मार्ग जो लंबे समय से अधूरा पड़ा था। अब विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के विशेष प्रयासों से पूर्णता की ओर है। निर्माण कार्य के दौरान आ रही तकनीकी समस्याओं को दूर करने और कार्य की प्रगति का जायजा लेने के लिए गुरूवार को बालाघाट विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने लालबर्रा से अमोली-समनापुर पहुंच मार्ग के निर्माण स्थल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विधायक श्रीमती मुंजारे ने न केवल सड़क की गुणवत्ता को देखा, बल्कि वहां उपस्थित स्थानीय नागरिकों से सीधा संवाद भी किया। ग्रामीणों ने निर्माण के दौरान आ रही समस्या-जैसे जल निकासी की कमी और बिजली के खंभों के कारण बाधित हो रहे मार्ग के विषय में अवगत करवाया। जिस पर विधायक ने तत्काल संबंधित विभाग के अधिकारियों से चर्चा कर इन समस्याओं के त्वरित निराकरण के निर्देश दिये हैं। वहीं पोल शिफ्टिंग के लिए राशि स्वीकृत हो चुकी है जिसका कार्य भी जल्द किया जायेगा। साथ ही पानी निकासी के लिए नाली एवं पुलिया का भी निर्माण किया जायेगा। वहीं लालबर्रा से अमोली समनापुर मार्ग का अधुरा निर्माण क्षेत्र की जनता की एक बडी प्राथमिकता थी। चुनाव के समय किया गया वादा आज विधायक श्रीमती मुंजारे के प्रयासों से पूरा हो रहा है, निर्माण में जो भी छोटी-बड़ी अचड़ने थी, उन्हे दूर किया जा रहा है ताकि जनहित के काम अ'छे से हो सके। चर्चा में विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे ने बताया कि 600 मीटर की अधुरी सड़क का निर्माण कार्य जारी है और इस जनहित के कार्य में सभी जनमानस का पूरा सहयोग मिल रहा है जिसके लिए उनका धन्यवाद करती हूं। साथ ही सड़क विभाग के द्वारा विद्युत विभाग को 4 लाख 26 हजार रूपये की राशि पोल शिफ्टिंग के लिए दे दी है, जल्द ही पोल शिफ्टिंग का कार्य शुरू हो जायेगा। श्रीमती मुंजारे ने बताया कि पानी निकासी के लिए गुणवत्तायुक्त नाली निर्माण की जायेगी और निर्माण कार्य को लेकर कुछ भ्रांतियां फैलाई जा रही है ऐसा कुछ नही है और नाली व्यवस्थित बनाई जायेगी एवं सभी से अपील है कि जिस तरह से अभी सहयोग कर रहे है। इसी तरह सहयोग करें, आगे भी विकास कार्य करना है और लालबर्रा को उत्कृष्ट क्षेत्र बनाना है। इस अवसर पर विधायक श्रीमती अनुभा मुंजारे के साथ वरिष्ठ कांग्रेसी शिवकुमार गोलछा, पांढरवानी सरपंच अनीस खान, श्री सुराना, विद्युत विभाग व सड़क विभाग के अधिकारी सहित अन्य वार्डवासी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

तालाब में डूबने से दो मासूम बच्चियों की दर्दनाक मौत, गांव में पसरा मातम

लालबर्रा के बहेगांव की घटना, मजदूरी करने गये हैं एक मृतिका के माता-पिता

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। लालबर्रा थानांतर्गत ग्राम पंचायत बहेगांव में गुरूवार दोपहर एक बेहद दर्दनाक और झकझोर देने वाली घटना सामने आई है। यहां मोक्षधाम के समीप स्थित बगदेही तालाब के गहरे पानी में डूबने से दो मासूम बच्चियों की अकाल मृत्यु हो गई। इस हादसे के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं पुलिस ने घटना स्थल से शव बरामद कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

5 वर्षीय बच्ची ने दी सूचना

प्राप्त जानकारी के अनुसार बहेगांव निवासी इंदल यादव अपनी पत्नि के साथ नागपुर कमाने गया हुआ है जिनकी 12 वर्षीय बेटी प्रिंसी यादव अपनी दादी के साथ गांव में रहती है। साथ ही 10 वर्षीय प्रतिभा यादव के माता-पिता भी मजदूरी कार्य करते है। गुरूवार को 10 वर्षीय प्रतिभा यादव और 12 वर्षीय प्रिंसी यादव, एक अन्य 5 वर्षीय बच्ची के साथ तीन दोपहर में गांव के पास स्थित मोक्षधाम के पीछे बगदेही तालाब की ओर गई थी और खेलते-खेलते वे तालाब के किनारे पहुंच गई। जहां बने एक गहरे गड्ढे में अचानक उनका संतुलन बिगड़ गया और दोनों गहरे पानी में समा गई। वहीं घटना की चश्मदीद 5 वर्षीय बच्ची घबराकर गांव की ओर दौड़ लगाई और ग्रामीणों को घटना की जानकारी दी एवं तालाब में दो बच्चियों के डुबने की जानकारी लगते ही गांव में हड़कप मच गया और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन पहुंचे। जिसके बाद मछुआरों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद दोनों बच्चियों को तालाब से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी सांस थम चुकी थी। जिसके बाद उसके परिजनों एवं पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं पुलिस को बहेगांव के बगदेही तालाब में डूबने से दो मासूम बिॅचयों की मौत हो जाने की जानकारी लगने के बाद थाना प्रभारी के निर्देश पर सहायक उपनिरीक्षक विजय बिसेन पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर शव बरामद किया एवं पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा अस्पताल लाया गया। जहां चिकित्सक के द्वारा दो बिॅचयों का पोस्टमार्टम कर उनके परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

दादी के पास रहकर पढ़ाई कर रही थी प्रिंसी

बताया जा रहा है कि दोनों ही बच्चियां गरीब परिवार से ताल्लुक रखती हैं। प्रतिभा के माता-पिता मजदूरी कर अपना जीवन यापन करते हैं। जबकि प्रिंसी यादव के माता-पिता नागपुर में मजदूरी के लिए गये हुए हैं। प्रिंसी अपनी दादी के साथ गांव में रह रही थी। गुरूवार को दोपहर में तीनों बच्चियां गांव के समीप मोक्षधाम स्थित तालाब की ओर घुमने गये होगें, तभी तालाब की ओर जाते समय अनियंत्रित होने से दो बचिचयां गहरे गड्ढे में गिर जाने एवं पानी में डुबे रहने से उनकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। इस हृदयविदारक हादसे ने पूरे गांव को गहरे सदमे में डाल दिया है। हर आंख नम है और हर दिल में बस एक ही सवाल है-आखिर ये मासूम जिंदगियां इतनी जल्दी क्यों छिन गईं।

यह दुःखद घटना है - बलेश

बहेगांव पूर्व सरपंच बलेश राहंगडाले ने बताया कि ग्राम की दो बच्चियों की मोक्षधाम के समीप स्थित बगदेही तालाब में डुबने से मौत हो गई। यह बहुत दुःख घटना है, जिससे पूरे ग्राम में शोक की लहर व्याप्त है। वहीं दोनों बच्चियों के माता-पिता मजदूरी कार्य करते है जिसमें प्रिंसी के माता-पिता नागपुर गये हुए थे, जो अपनी दादी के पास रहती थी। श्री राहंगडाले ने बताया कि गुरूवार को दोपहर में दो बच्चियां तालाब के पास कैसे पहुंची पता नही, घटना घटित होने के बाद उनके साथ में आई 5 वर्षीय बच्चीं ने गांव में पहुंचकर घटना की जानकारी दी है। जिसके बाद ग्रामीणजन पहुंचे और दोनों बच्चियों को बाहर निकाले लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी, पुलिस मामले की जांच कर रही है।

औल्याकन्हार में डॉ. अंबेडकर जयंती का भव्य आयोजन 15 को

बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर कार्यक्रम की बनाई गई रूपरेखा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत औल्याकन्हार में गुरूवार को सर्वसमाज की एक सामूहिक बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में आगामी 15 अप्रैल को संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती भव्य रूप से मनाने सहित अन्य बिन्दुओं पर चर्चा की गई और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की गई है। बैठक में बौध्द समाज के सक्रिय सदस्य मुकेश चौहान ने बैठक में उपस्थित लोगों को आयोजन की रूपरेखा से अवगत करवाया। वहीं बैठक के दौरान प्रमोद चौहान ने अपना सुझाव रखते हुए कहा कि 14 अप्रैल को ही लालबर्रा में भी ब्लॉक स्तर पर महात्मा फुले एवं डॉ. भीमराव अंबेडकर की संयुक्त जयंती का वृहद आयोजन प्रस्तावित है। जिसमें क्षेत्र के विभिन्न गांवों से सामाजिक जनों की उपस्थिति रहेगी। ऐसे में ग्राम औल्याकंन्हार का मुख्य कार्यक्रम 15 अप्रैल को आयोजित किया जाना अधिक उपयुक्त रहेगा। इस प्रस्ताव का बैठक में उपस्थित सभी लोगों ने समर्थन किया और निर्णय के अनुसार 15 अप्रैल दिन बुधवार को ग्राम औल्याकन्हार में डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती का मुख्य कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा। बैठक में प्रमुख रूप से ओ.पी. बिसेन (सरपंच प्रतिनिधि), शीतल प्रसाद हरिद्वाज (सेवानिवृत्त वन विभाग), भोजराज कटरे, प्रमोद चौहान, मुकेश चौहान, राजेश बनवाले, धनेन्द्र पटले, शीतल प्रसाद ब्रम्हें (पूर्व उपसरपंच), सुशील ब्रम्हें, भुमेश्वर कटरे, धनेश यादव, सुरेश नागेश्वर, अतिश यादव, ओमकार सहारे, मुकेश यादव, पिंटू अंकल एवं मनोहर यादव सहित अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में बुझा घर का चिराग, ट्रैक्टर ट्रॉली के नीचे आने से अश्विन की मौके पर मौत

21 वर्षीय युवक की दर्दनाक मौत परिजनों ने लगाया लापरवाही का आरोप

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी।

खैरलांजी थाना अंतर्गत ग्राम नवेगांव ख में उस वक्त मातम पसर गया जब २१ वर्षीय ऊर्जावान युवक अश्विन लिल्हारे की एक सड़क हादसे में असमय मौत हो गई। घटना ८ अप्रैल की शाम की है जब अश्विन ट्रैक्टर पर डेकोरेशन का सामान लादकर खैरलांजी से किन्ही की ओर जा रहा था। जहाँ पुराने पोस्टमार्टम हाउस के पास पुल पर संतुलन बिगड़ने से अश्विन सीधे ट्रैक्टर की ट्रॉली के पहिए के नीचे आ गया। मामले में पुलिस के द्वारा आवश्यक कार्यवाही कर शव परिजनों को सपोर्ट कर दिया है । इसमें परिजनों के द्वारा ट्रैक्टर ड्राइवर पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं।

यह हैं मामला

प्राप्त जानकारी के अनुसार अश्विन पिता जितेंद्र लिल्हारे उम्र २१ वर्ष ग्राम नवेगांव ख निवासी डेकोरेशन का काम करता था। जो डेकोरेशन के मालिक रवि राहगंडाले के पास मजदूरी में कार्य करने के लिए जाता था। वह प्रतिदिन की तरह ८ अप्रैल की सुबह काम करने के लिए गया हुआ था जहां रवि राहगंडाले के द्वारा अश्विन लिल्हारे के साथ मिलकर ट्रैक्टर में डेकोरेशन का सामान भरा गया। इसमें रवि राहगंडाले ट्रैक्टर चला रहा था और अश्विन ट्रैक्टर ट्राली में बैठा हुआ था जो खैरलांजी से किन्ही की ओर मुख्य मार्ग पर जा रहे थे। तभी पुराने पोस्टमार्टम हाउस के पास में अचानक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया जिसमें सवार अश्विन लिल्हारे ट्रैक्टर से नीचे गिरा और ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। घटना की जानकारी ट्रैक्टर चालक के द्वारा अश्विन लिल्हारे के परिजनों को दी गई। जिन्होंने उसे अस्पताल ले जाने कहां परंतु रवि राहगंडाले के द्वारा अश्विन को अस्पताल या अन्य स्थान पर ले जाने की जगह नवेगांव ख ले जा लिया गया। जिसे काफी देर तक परिजन ढूंढते रहे और अंत में गांव में शव मिलने पर उसे तत्काल खैरलाँजी अस्पताल लेकर गए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इलाज के बजाय घर ले जाने का मृतक के परिजनो ने लगाया आरोप

इस मामले में सबसे चौंकाने वाला मोड़ तब आया जब परिजनों ने ट्रैक्टर चालक और डेकोरेशन मालिक रवि राहगंडाले पर गंभीर आरोप लगाए। परिजनों का कहना है कि हादसे के बाद अश्विन को अस्पताल ले जाने के बजाय सीधे उसके घर घुड़ा में ले जाकर लिटा दिया गया। ग्रामीणों में भारी आक्रोश है कि यदि उसे समय रहते स्वास्थ्य केंद्र में प्राथमिक उपचार मिल जाता तो शायद आज वह जीवित होता। घटना के बाद से ही नवेगांव में तनाव और दुख का माहौल है। परिजनों ने स्पष्ट तौर पर इसे केवल हादसा ना मानकर लापरवाही से हुई हत्या करार दिया है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि दोषी पक्ष पर कड़ी कार्रवाई की जाए। फिलहाल पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराया है और मामले की सूक्ष्मता से जांच शुरू कर दी है।

मृतक मेरा भाई है रवि राहगंडाले के यहां डेकोरेशन के काम में जाता था-आनंद लिल्हारे

आनंद लिल्हारे ने बताया कि मैं घर पर था काका भाई का मुझे फोन आया की अश्विन रोड़ पर गिर गया है। मैं मौके पर एवं अस्पताल दोनों स्थान पहुंचा कहीं नहीं मिला फिर जानकारी लगी कि नवेगांव डॉक्टर के घर ले गए हैं तो वहां भी जाकर देखा परंतु नहीं मिला। तभी रास्ते में रवि दिखा तो उसने बताया कि पास ही घुडे में सुलाकर रखा है रवि राहगंडाले नवेगांव का निवासी है। जब मैंने देखा तब तक भाई की मौत हो गई थी रवि ने ट्रैक्टर की ट्राली पर से गिरना बताया किराये का ट्रैक्टर है मेरा भाई रवि राहगंडाले के यहां डेकोरेशन के काम में जाता था।

रवि राहगंडाले की गलती से अश्विन की हुई मौत-तामेंद्र लिल्हारे

तामेंद्र लिल्हारे ने बताया कि मैं सोंझरा में था पिकअप चला रहा था तभी रवि राहगंडाले का फोन आया है कि अश्विन ट्रैक्टर से गिर गया। मैंने उसे अस्पताल जाने का कहा था परंतु वह मेरे भाई को अस्पताल लेकर नहीं गया १७ जगह घुमाया। घटना पुराने पोस्टमार्टम हाउस के पास की है वह अस्पताल को छोड़कर बॉडी नवेगांव लेकर गया। घुडे के पास रख दिया पूरा परिवार इधर.उधर ढूंढ रहा था नवेगांव में जब अश्विन का शव मिला तो उसे तत्काल अस्पताल ले गए डॉक्टर ने मृत बता दिया। इस व्यक्ति को पहले अस्पताल लेकर जाना था तो वह इधर.उधर घूम रहा था रवि राहगंडाले पर पुलिस ने कठोर कार्यवाही करना चाहिए।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि अस्पताल से एक्सीडेंट में किसी युवक की मौत होने की जानकारी थाने में मिली थी। जिस पर अस्पताल पहुंच कर जांच की गई थी अश्विन पिता जितेंद्र लिल्हारे उम्र २२ वर्ष ग्राम नवेगांव ख निवासी की ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से मौत हो गई थी। मामले में आवश्यक कार्यवाही कर ली गई है मर्ग जांच में अपराध दर्ज कर विवेचना की जायेगी।

विवेक ठाकरे
प्रधान आरक्षक थाना खैरलाँजी

हमारे सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की रीढ़ है-सरिता दांदरे

नगर पालिका में सफाई मित्रों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं सुरक्षा प्रशिक्षण शिविर सम्पन्न

पद्मेश न्यूज ।वारासिवनी। प्रदेश व्यापी स्वच्छता स्वाभिमान अभियान के अंतर्गत नगर पालिका परिषद वारासिवनी द्वारा सफाई मित्रों के सम्मान, स्वास्थ्य और सुरक्षा को समर्पित विशेष गतिविधियों का शुभारंभ किया गया। जिसमें गुरुवार को स्थानीय निकाय स्तर पर स्वास्थ्य सुरक्षा सह प्रशिक्षण शिविर का गरिमामय आयोजन संपन्न हुआ। अभियान के प्रथम चरण में सफाई मित्रों के स्वास्थ्य संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए शिविर में उनका गहन स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। सिविल हॉस्पिटल वारासिवनी से आए विशेषज्ञ मेडिकल स्टाफ श्रीमती सविता लोधी एवं श्रीमती सुषमा गौतम के द्वारा सफाई मित्रों की सामान्य जांच के साथ साथ बीपी, शुगर एवं अन्य आवश्यक परीक्षण किए गए। परीक्षण के उपरांत चिकित्सकों के द्वारा सफाई मित्रों को बेहतर जीवनशैली और मौसमी बीमारियों से बचाव हेतु आवश्यक परामर्श भी प्रदान किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के साथ साथ सफाई मित्रों की कार्यक्षमता बढ़ाने और उन्हें जोखिमों से सुरक्षित रखने हेतु एक विशेष प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस दौरान फील्ड में कार्य के दौरान दस्ताने, मास्क और अन्य सुरक्षा उपकरणों का अनिवार्य उपयोग। सफाई कार्य के दौरान होने वाली संभावित दुर्घटनाओं और संक्रमण से बचाव के उपाय। कार्य के बाद स्वयं की स्वच्छता बनाए रखने के तरीके ताकि परिवार को संक्रमण से बचाया जा सके। इस संबंध में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती सरिता दांदरे ने कहा कि हमारे सफाई मित्र शहर की स्वच्छता व्यवस्था की असली रीढ़ हैं। उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा ना केवल उनकी व्यक्तिगत आवश्यकता है बल्कि यह हमारी नैतिक और प्राथमिक जिम्मेदारी भी है। वहीं मुख्य नगर पालिका अधिकारी सूर्यप्रकाश ऊके ने सभी सफाई मित्रों से अपील की कि वे प्रशिक्षण में सिखाई गई सावधानियों को अपने दैनिक कार्य का हिस्सा बनाएं और सुरक्षा उपकरणों के उपयोग में किसी भी प्रकार की लापरवाही ना बरतें। इस अवसर पर नगर पालिका के समस्त अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ वारासिवनी कार्यकारिणी का निर्वाचन संपन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ तहसील शाखा वारासिवनी की एक आवश्यक बैठक राज्य कर्मचारी संघ कार्यालय में भारतीय मजदूर संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में आयोजित की

गई। जिसमें उपस्थित सदस्यों एवं तत्कालीन पदाधिकारियों के द्वारा सर्व सहमति से नवीन कार्यकारिणी का निर्वाचन सत्र २०२६-२७ हेतु किया गया। जिसमें तहसील अध्यक्ष पद पर विजय दखने ,तहसील महा सचिव पद पर दिलेश खंडेलकर को चुना गया। तत्पश्चात नव निर्वाचित अध्यक्ष सचिव एवं उपस्थित सदस्यों के आपसी विचार विमर्श से नवीन कार्यकारिणी का चुनाव किया गया। जिसमें तहसील उपाध्यक्ष उदेलाल तूर कर , प्रशांत डिब्बे, अनिता पारधी, सह सचिव जितेंद्र डोंगरे, कोषाध्यक्ष लखपति बिसेन, कार्यकारिणी सदस्य झंकार सिंह भगत, इन केल कुमरे, मानसी घरडे, यशपाल चौधरी, मिताली शुक्ला, संगीता वैष्णव, अन्नू राहंग डाले, प्रियंका देशमुख,विजय कुमार गजभिए, राम चौहान को चुना गया। इसी परिप्रेक्ष्य में विकास खंड स्तरीय कार्यकारिणी का निर्वाचन भी सम्पन्न हुआ जिसमें विकास खंड अध्यक्ष प्रमोद कटारे, उपाध्यक्ष मिलिंद बिसेन, अशोक पारधी, संगीता वाहिले, महासचिव विशाल वाहने, कोषाध्यक्ष भवानी बिसेन, सह सचिव संतोष वाल्दे, कार्यकारिणी सदस्य ज्ञानेंद्र पटले,कुमुदिनी पंवार, लोकेश लांजेवार, विपिन गजभिए, किसन मसखरे, राखी कटारे, सारिका खंडेलकर, सोनम कटरे, अनिल रंगारे, दिव्या गनवीर, वंदना नागरे को सर्व सहमति से चुना गया । सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी सदस्य आगामी ३ मई को अमर कंटक में आयोजित होने वाले अभ्यास वर्ग में सम्मिलित होकर प्रशिक्षित भी होंगे। प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को सायं काल ५.३० बजे से ७ बजे तक संगठन की मासिक बैठक कार्यालय में ही आयोजित होते रहेगी। सभी नव निर्वाचित पदाधिकारी एवं कार्यकारिणी के सदस्यों को प्रणय श्रीवास्तव ,पंचम हनवत ने कहा कि भारतीय मजदूर संघ की क्या पहचान त्याग तपस्या और बलिदान के नारे को हमेशा ध्यान में रखते हुए राष्ट्र हित, उद्योग हित एवं कर्मचारी अधिकारी हित में अच्छे कार्य करते रहने का उद्बोधन दिया।

भाजपा कार्यालय में रेलवे ओवर ब्रिज प्रारंभ करने प्रेसवार्ता आयोजित

प्रदीप जायसवाल का मिशन विकास, मुख्यमंत्री मोहन यादव जल्द करेंगे वारासिवनी में ५२ करोड़ के कार्यों का लोकार्पण

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के संकल्प को लेकर गुरूवार को भाजपा कार्यालय वारासिवनी में पूर्व केबिनेट मंत्री प्रदीप जायसवाल की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण प्रेसवार्ता आयोजित की गई। वार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने बताया कि हाल ही में उन्होंने राजधानी भोपाल में प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव से सौजन्य भेंट कर क्षेत्र की महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर विस्तृत चर्चा की है। उन्होंने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि ४० करोड़ की लागत वाला वारा रेलवे ओवरब्रिज बी .२५ और चंदन नदी पर १२.५० करोड़ की लागत से निर्मित रामपायली बिठली उच्च स्तरीय पुल बनकर तैयार हैं। मुख्यमंत्री ने इन जनहितैषी परियोजनाओं के लोकार्पण के लिए वारासिवनी आने का आमंत्रण सहर्ष स्वीकार कर लिया है।

४० करोड़ का यह ब्रिज है सरकार की उपलब्धि जनता तक जाए

श्री जायसवाल ने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री का आगामी दौरा क्षेत्र के विकास के लिए सौगातों का पिटारा साबित होगा। श्री जायसवाल ने कहा कि वारासिवनी से जिला मार्ग को जोड़ने वाले रास्ते पर रेलवे ओवर ब्रिज बनकर तैयार है। १ अप्रैल को हमारे द्वारा निरीक्षण किया गया जहां अधिकारी और ठेकेदार से चर्चा के उपरांत १० अप्रैल को प्रारंभ कर सकते हैं कहा गया था। इसी संबंध में हमने मुख्यमंत्री से मुलाकात भी की थी उनके द्वारा कहा गया है कि जैसे समय मिलेगा लोकार्पण करने पहुंचेंगे। ४० करोड़ का यह ब्रिज है इसके लिए हम चाहते हैं कि सरकार की उपलब्धि जनता तक जाए। यह ब्रिज मार्च २०२१ के बजट में मिला था फिर हमने अक्टूबर २०२३ विधानसभा चुनाव के पहले इसका भूमि पूजन किया था। इसमें खुशी की बात है कि ठेकेदार ने इसे जल्द बना कर पूरा कर दिया है।

ओवर ब्रिज निर्माण के लिये जनता ने काफी त्याग किया है

श्री जायसवाल ने कहा कि मुख्यालय से जुड़ा मार्ग है यातायात बहुत होता है जनता ने काफी त्याग किया है। लालबर्रा रोड़ एवं शिवधाम मोहल्ला रोड़ का करीब ८० प्रतिशत यातायात कम होगा। इसके प्रारंभ पर बालाघाट सिवनी लोकसभा सांसद एवं हमारे भाजपा जिलाध्यक्ष सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहेंगे। यह साधारण रूप से आम जनता के आवागमन के लिए चालू होगा। मुख्यमंत्री से चर्चा हुई है उन्होंने १५ से ३० अप्रैल के बीच आएंगे कहां है और हमने उन्हें स्वयं आने का अनुरोध किया है। यह अनौपचारिक रूप से कार्यक्रम है सरकार की उपलब्धि है उसे बताते हुए आवागमन चालू किया जाएगा सुबह १० बजे यह कार्यक्रम होगा। शिवधाम रोड यातायात के कारण खराब हो गई है उसे इस निर्माण में से बची हुई राशि से बनाया जाएगा। जिसके लिए सभी स्वीकृतियां हो गई है ६५ लाख से यह सड़क बनेगी। पुल के ऊपर जो लाइट लगे हैं उसे नीचे सर्विस रोड के लिए भी प्रकाश व्यवस्था करने के लिए कहा गया है। बची हुई जो राशि से शिवधाम रोड़ बनेगी काम ठेकेदार करेगा और यह एग्रीमेंट में भी है।

सांदिपनी विद्यालय के विद्यार्थीयों में छाई खुशी की लहर

श्री जायसवाल ने कहा की इस मार्ग पर सांदिपनी विद्यालय के लगभग २५ सौ विद्यार्थी आवागमन करते है। साथ ही जिला मुख्यालय का मुख्य मार्ग होने के कारण आवागमन एक मुश्किल कार्य प्रतित होता है। अत अब पूल का निर्माण कार्य पूर्ण हो जाने पर हम इसे सांकेतिक रूप से उपस्थित होकर प्रदेश सरकार के कार्यो का परिचय कराते हुये १० अप्रैल की प्रात से शुरू कर रहे है। अब बायपास मार्ग गायत्री मंदिर व शिवधाम मोहल्ले की सड़क पर यातायात का ट्रेफिक नही पडेगा। और पूल के शुरू होते ही आवागमन भी सुचारू रूप से शुरू हो जायेगा।

पूल के उपर के साथ साथ नीचे भी होगी विद्युत की व्यवस्था

श्री जायसवाल ने कहा हमने निर्माण एंजेसी को पूल के उपर लाईट व्यवस्था के साथ साथ नीचे की सर्विस सड़क जो ग्राम की ओर जाती है पर भी प्रकाश व्यवस्था करने के निर्देश दे दिये है। साथ ही बढ़ते यातायात के कारण बायपास मार्ग शिवधाम की जर्जर सडक को भी हम इसी पूल से बची राशि से निर्माण कराने जा रहे है। इस दौरान पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ,भाजपा जिला उपाध्यक्ष किशोर अमूले, कन्हैयालाल नगपुरे, चिरौंजी पारधी, वारा सरपंच सूर्यभान सिंह पुसाम, सुनील बंटी पारधी, जं.प. सदस्य श्रीराम गौतम, रामसिंह पटेल, पप्पू हरिनखेंडे, वाईकर पारधी, मंडल अध्यक्ष संदीप मिश्रा, मिलिन्द नगपुरे, वेदप्रकाश पटेल सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

शासकीय शाला तुमाडी का सांदीपनि विद्यालय में विलय नही किये जाने प्रदीप जायसवाल को ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय एकीकृत शाला तुमाडी का सांदिपनी विद्यालय वारा में विलय ना किये जाने के संबध में जं.प.सदस्य श्रीराम गौतम सहित विद्यार्थीयों के अभिभावको ने पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल को ज्ञापन सौंपा। वारासिवनी क्षेत्र अंतर्गत ग्राम तुमाड़ी में शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला है। जिसमें कक्षा १से ८ तक कुल ७१ छात्र छात्राऐं अध्ययनरत है। वर्तमान में सांदिपनी विद्यालय वारासिवनी जो कि ग्राम तुमाड़ी से ४ किलोमीटर दुरी पर स्थित है, जिसमें शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला तुमाड़ी का विलय किया जाना प्रक्रियाधीन है। जबकि शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) २००९ के नियमों में स्पष्ट प्रावधान है कि कक्षा १ से ५ तक विद्यालय की दूरी १ किलोमीटर एवं ६ से ८ कक्षां की दूरी २ किलोमीटर निर्धारित किया गया है। जबकि ग्राम तुमाड़ी से सांदिपनी विद्यालय की दूरी ४ किलोमीटर है। यदि शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला तुमाड़ी को वारासिवनी सांदिपनी विद्यालय में विलय किंया जाता है तो ग्राम के छोटे छोटे बच्चों एवं पालकगणों को अत्यधिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही वर्तमान में आने जाने हेतु सांदिपनी विद्यालय में किसी प्रकार की सुविधा उपलब्ध नही होने के कारण भी छात्र छात्राओं को वारासिवनी आने जाने में बहुत ही दिक्कतों का सामना करना पड़ेगा। अत: शिक्षा का अधिकार अधिनियम (आरटीई) २००९ के नियमों को ध्यान में रखते हुए और ग्रामीण पालको व छात्र छात्राओं की परेशानी को समझते हुए शासकीय एकीकृत माध्यमिक शाला तुमाड़ी को वारासिवनी सांदिपनी विद्यालय में विलय ना किये जाने की कार्यवाही करवाने हेतु संबंधित अधिकारी कर्मचारी को निर्देशित किये जाने हेतु निवेदन किया गया है। जं.प. सदस्य सहित अभिभावको की मांग पर पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने तत्काल जिला शिक्षा अधिकारी अश्विनी उपाध्याय से बात कर विद्यालय की दूरी व साधन के अभाव में विलय प्रक्रिया को फिलहाल रोकने के निर्देश प्रदान किये है।

अमेरिका ईरान युद्धविराम से उभरती नई विश्व व्यवस्था की दिशा

मध्य पूर्व में पिछले चालीस दिनों से जारी तनाव और संघर्ष के बाद जब अमेरिका और ईरान के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा हुई, तो यह केवल दो देशों के बीच शांति का क्षण भर का प्रयास नहीं था, बल्कि वैश्विक राजनीति में एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में सामने आया। इस संघर्ष ने न केवल क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती दी, बल्कि विश्व अर्थव्यवस्था, ऊर्जा आपूर्ति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों पर भी गहरा प्रभाव डाला। ऐसे में यह युद्धविराम आशा की एक किरण के रूप में देखा जा रहा है, किंतु इसके पीछे छिपी जटिलताएं और भविष्य की अनिश्चितताएं भी उतनी ही गंभीर हैं। इस पूरे घटनाक्रम में डोनाल्ड ट्रम्प की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। उन्होंने इस समझौते को वैश्विक शांति के लिए एक ऐतिहासिक कदम बताया और यह भी स्पष्ट किया कि यह निर्णय अचानक नहीं बल्कि कई स्तरों पर कूटनीतिक प्रयासों के बाद संभव हो पाया। इस प्रक्रिया में पाकिस्तान की मध्यस्थता और उसके नेतृत्व, विशेषकर शहबाज शरीफ की पहल को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह दर्शाता है कि क्षेत्रीय शक्तियां अब केवल दर्शक नहीं रह गई हैं, बल्कि वे वैश्विक संकटों के समाधान में सक्रिय भूमिका निभा रही हैं। युद्धविराम से पहले की स्थिति अत्यंत तनावपूर्ण थी। होर्मुज स्ट्रेट, जो विश्व की ऊर्जा आपूर्ति का एक प्रमुख मार्ग है, संघर्ष का केंद्र बन गया था। इस जलडमरूमध्य से तेल और गैस के जहाजों की सुरक्षित आवाजाही बाधित होने का खतरा वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर संकट उत्पन्न कर सकता था। अमेरिका की ओर से कड़ी चेतावनियां और ईरान की ओर से जवाबी रुख ने स्थिति को और अधिक विस्फोटक बना दिया था। ऐसे में युद्धविराम ने न केवल सैन्य टकराव को रोका, बल्कि ऊर्जा आपूर्ति की निरंतरता को भी सुनिश्चित करने की दिशा में राहत प्रदान की। ईरान द्वारा प्रस्तुत दस सूत्रीय प्रस्ताव इस पूरे समझौते का एक महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है। इस प्रस्ताव में आर्थिक प्रतिबंधों को हटाने, फ्रीज की गई संपत्तियों की वापसी, क्षेत्र से विदेशी सैन्य बलों की वापसी और युद्ध के स्थायी अंत की मांग शामिल है। यह स्पष्ट करता है कि ईरान केवल अस्थायी शांति नहीं, बल्कि दीर्घकालिक समाधान चाहता है। वहीं दूसरी ओर अमेरिका के लिए यह स्थिति एक संतुलन साधने की चुनौती है, जहां उसे अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं और अंतरराष्ट्रीय दबावों के बीच सामंजस्य स्थापित करना होगा। इस युद्धविराम के बावजूद क्षेत्र में पूर्ण शांति स्थापित होना अभी दूर की बात प्रतीत होती है। इजराइल ने स्पष्ट कर दिया है कि यह समझौता लेबनान जैसे क्षेत्रों पर लागू नहीं होता, जहां हिजबुल्लाह के साथ उसका संघर्ष जारी रह सकता है। इससे यह संकेत मिलता है कि मध्य पूर्व का संकट केवल दो देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह कई परस्पर जुड़े हुए संघर्षों का जटिल जाल है। इस घटनाक्रम में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि भविष्य में कोई स्थायी समझौता होता है, तो इस संस्था पर यह जिम्मेदारी होगी कि वह परमाणु कार्यक्रम से जुड़े नियमों के पालन की निगरानी करे। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि वैश्विक संस्थाएं आज भी शांति स्थापना में एक केंद्रीय भूमिका निभा सकती हैं, बशर्ते उन्हें सभी पक्षों का सहयोग प्राप्त हो। भारत सहित कई देशों ने इस युद्धविराम का स्वागत किया है। भारत के लिए यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसकी ऊर्जा आवश्यकताओं का एक बड़ा हिस्सा इसी क्षेत्र से आता है। इसके अलावा वहां रहने वाले भारतीय नागरिकों की सुरक्षा भी एक प्रमुख चिंता का विषय रही है।

युद्धविराम का वैश्विक प्रभाव ऊर्जा,अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर असर होगा जो आम जनता के लिए राहत की बात

वैश्विक समुदाय के लिए यह एक चेतावनी है कि केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और समझ से ही स्थायी शांति संभव है।

वैश्विक स्तरपर 8 अप्रैल 2026 को पश्चिम एशिया एक बार फिर वैश्विक चिंता का केंद्र बन गया,जब डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा ईरान के साथ दो सप्ताह के अस्थायी युद्धविराम की घोषणा की गई। यह घोषणा चेतावनी की समय सीमा समाप्त होने के 90 मिनटपूर्व उस समय आई जब सैन्य टकराव अपने चरम पर था और सभ्यता के अंत जैसी कठोर चेतावनियां दी जा चुकी थीं। यद्यपि इस कदम से वैश्विक स्तरपर राहत की सांस ली गई,परंतु युद्धविराम के कुछ ही घंटों बाद ईरान की ऑयल रिफाइनरी में धमाका और खाड़ी देशों यूएई व कुवैत पर मिसाइल एवं ड्रोन हमले इस तथ्य को रेखांकित करते हैं कि यह शांति स्थायी नहीं बल्कि अत्यंत नाजुक है। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस पूरे घटनाक्रम को समझना आवश्यक है, क्योंकि यह केवल दो देशों के बीच संघर्ष नहीं,बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा, कूटनीतिक संतुलन,और क्षेत्रीय शक्ति समीकरणों का व्यापक प्रतिबिंबहै।अमेरिका और ईरान के बीच हुआ यह युद्धविराम मूलतः एक टैक्टिकल पॉज है, न कि स्थायी समाधान। ईरान की सर्वोच्च राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने स्पष्ट किया है कि यह युद्ध का अंत नहीं बल्कि वार्ता की संभावनाओं को खोलने के लिए लिया गया कदम है। ईरान ने यह भी स्पष्ट किया कि उसकी सैन्य गतिविधियां पूरी तरह बंद नहीं होंगी,बल्कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि उस पर हमले रुकते हैं या नहीं।इस प्रकार, यह युद्धविराम शर्तों पर आधारित है,एक ऐसा संतुलन जहां दोनों पक्ष अपनी सैन्य तैयारियों को बनाए रखते हुए कूटनीतिक संवाद का रास्ता तलाश रहे हैं। यही कारण है कि ईरान ने साफ कहा कि हमारे हाथ ट्रिगर पर हैं, जो इस समझौते की अस्थिरता को उजागर करता है।

साथियों बात अगर हम स्ट्रेट ऑफ होर्मुज- वैश्विक ऊर्जा राजनीति का केंद्र इसको समझने की करें तो इस पूरे संघर्ष का सबसे महत्वपूर्ण पहलू स्ट्रैट ऑफ होर्मूज है, जिससे होकर विश्व के लगभग 20 प्रतिशत तेल की आपूर्ति होती है। अमेरिका की प्रमुख मांग रही है कि इस जलमार्ग को तुरंत और सुरक्षित रूप से खोला जाए।ईरान ने इस पर सैद्धांतिक सहमति तो दी है,लेकिन अपनी शर्तों के साथ,जिसमें उसकी सैन्य निगरानी औरतकनीकी नियंत्रण शामिल है। यह दर्शाता है कि ईरान इस जलमार्ग को केवल व्यापारिक मार्ग नहीं बल्कि एक रणनीतिक हथियार के रूप में देखता है।यदि होर्मुज बंद होता है, तो वैश्विक तेल कीमतों में भारी उछाल, सप्लाई चेन बाधित होना, और आर्थिक अस्थिरता निश्चित है। इसीलिए इस जलमार्ग का खुलना पूरी दुनिया के लिए राहत का संकेत माना जा रहा है।

साथियों बात अगर हम ईरान की 10 शर्तें- शांति यारणनीतिक दबाव? इसको समझने की करें तो ईरान ने युद्धविराम को स्थायी शांति में बदलने के लिए 10 सूत्रीय प्रस्ताव रखा है,जो केवल सैन्य संघर्ष समाप्त करने तक सीमित नहीं बल्कि व्यापक भू-राजनीतिक पुनर्संतुलन की मांग करता है।इन शर्तों में अमेरिकी प्रतिबंधों को हटाना, जब्त संपत्तियों की वापसी, पुनर्निर्माण के लिए वित्तीय सहायता, और क्षेत्रीय संघर्षों जैसे यमन, लेबनान, इराक—का स्थायी समाधान शामिल है। साथ ही, ईरान ने परमाणु हथियार न बनाने की प्रतिबद्धता भी जताई है, लेकिन इसके साथ यूरेनियम संवर्धन के अधिकार की बात भी रखी है।यहीं सबसे बड़ा विवाद उत्पन्न होता है। अमेरिका लंबे समय से ईरान के परमाणु कार्यक्रम को समाप्त करना चाहता है, जबकि ईरान इसे अपनी संप्रभुता का हिस्सा मानता है। फारसी और अंग्रेजी दस्तावेजों में यूरेनियम संवर्धन को लेकर अंतर इस वार्ता को और जटिल बनाता है।

साथियों बात अगर हम जमीनी हकीकत- युद्धविराम के बावजूद जारी हमले इसको समझने की करें तोयुद्धविराम की घोषणा के बावजूद, खाड़ी क्षेत्र में मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबरें लगातार आ रही हैं। इजराइल द्वारा ईरान पर हमले जारी रखना और ईरान की ओर सेजवाबी कार्रवाई इस बात का संकेत है कि जमीनी स्तरपर स्थिति अभी भी नियंत्रण में नहीं है।यह विरोधाभास राजनीतिक घोषणाएं बनाम वास्तविक घटनाएं इस संघर्ष की जटिलता को उजागर करता है। इससे यह भी स्पष्ट होता है कि युद्ध केवल दो देशों तक सीमित नहीं बल्कि एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष बन चुका है, जिसमें कई प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष खिलाड़ीसटीक रूप से शामिल हैं।

साथियों बात अगर हम इस संपूर्ण मामले पर भारत की प्रतिक्रिया- संतुलित कूटनीति और मानवीय चिंता को समझने की करें तो,भारत ने इस युद्धविराम का स्वागत करते हुए इसे शांति की दिशा में एक सकारात्मक कदम बताया है। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि भारत हमेशा से संवाद और कूटनीति का समर्थक रहा है।हालांकि, भारत की प्राथमिक चिंता अपने नागरिकों की सुरक्षा है। 8 अप्रैल 2026 को एम्बेस्सी ऑफ इंडिया इन तेहरान ने एक आपातकालीन एडवाइजरी जारी कर ईरान में रह रहे लगभग 9,000 भारतीयों से देश छोड़ने की अपील की।यह कदम दर्शाता है कि भारत स्थिति की गंभीरता को समझ रहा है और किसी भी संभावित खतरे से पहले अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालना चाहता है। यह प्रोएक्टिव डिप्लोमेसी का उदाहरण है।

साथियों बात अगर हम सीज़फायर के मुद्दे पर भारत में राजनीतिक प्रतिक्रिया- कूटनीति बनाम राजनीति को समझने की करें तो इस अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम का प्रभाव भारत की आंतरिक राजनीति पर भी पड़ा है। महाराष्ट्र क्षेत्रीय पार्टी के एक नेता ने केंद्र सरकार और पीएम पर तीखा हमला करते हुए कहा कि भारत इस वैश्विक संकट में प्रभावी भूमिका निभाने में असफल रहा।उन्होंने पाकिस्तान की कथित मध्यस्थता का हवाला देते हुए सरकार की विदेश नीति पर सवाल उठाए। इसके जवाब में सत्ताधारी दल ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि स्थिति की गंभीरता को समझना आवश्यक है और भारत अपनी रणनीतिक प्राथमिकताओं के अनुसार कार्य कर रहा है।यह बहस दर्शाती है कि विदेश नीति भी अब घरेलू राजनीतिक विमर्श का हिस्सा बन चुकी है।

साथियों बात कर हम सीजफायर के इस मुद्दे पर पाकिस्तान की भूमिका- कूटनीतिक अवसर या अतिशयोक्ति? इसको समझने की करें तो इस युद्धविराम में पाकिस्तानी पीएम और सेवा प्रमुख की भूमिका को लेकर चर्चा हो रही है। ट्रंप ने स्वयं दावा किया कि पाकिस्तान के अनुरोध पर उन्होंने सैन्य कार्रवाई रोकी फिर भी हालांकि इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि सीमित है, लेकिन यह स्पष्ट है कि पाकिस्तान इस स्थिति को एक कूटनीतिक अवसर के रूप में प्रस्तुत करने की कोशिश कर रहा है। इससे दक्षिण एशिया की भू-राजनीति में भी नए समीकरण बन सकते हैं।इसी बीच, भारत द्वारा पाकिस्तान सीमा के पास नोटम जारी करना और बंगाल की खाड़ी में जीएनएसएस (जीपीएस) जैमिंग ट्रायल की योजना इस बात का संकेत है कि आधुनिक युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों तक सीमित नहीं रहा।सैटेलाइट सिग्नल को बाधित करने की क्षमता भविष्य के युद्धों में निर्णायक भूमिका निभा सकती है। यह कदम भारत की तकनीकी और सामरिक तैयारी को दर्शाता है, जो बदलते वैश्विक सुरक्षा वातावरण के अनुरूप है।

साथियों बात अगर हम इस पूरे मामले और सीज़ फायर को अंतरराष्ट्रीय परिपेक्ष में समझने की करें तो वैश्विक प्रभाव- ऊर्जा, अर्थव्यवस्था और कूटनीति पर असर होगा इस संघर्ष का प्रभाव केवल क्षेत्रीय नहीं बल्कि वैश्विक है। ऊर्जा आपूर्ति, व्यापार मार्ग, और वित्तीय बाजार—आल इंटरकनेक्टेड हैं। होर्मुज जलडमरूमध्य के खुलने या बंद होने का सीधा असर तेल की कीमतों और वैश्विकअर्थव्यवस्था पर पड़ता है।इसके अलावा, यह संघर्ष अमेरिका, ईरान, इजरायल, खाड़ी देशों और अन्य शक्तियों के बीच शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करता है। यदि यह युद्ध लंबा खिंचता है, तो इसका असर वैश्विक मंदी तक पहुंच सकता है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि अनिश्चित शांति और लंबी कूटनीतिक यात्रा 8 अप्रैल 2026 का यह युद्धविराम एक राहत अवश्य प्रदान करता है, लेकिन यह स्थायी शांति का संकेत नहीं है। ईरान और अमेरिका के बीच अविश्वास, परमाणु कार्यक्रम पर मतभेद, और क्षेत्रीय संघर्षों की जटिलता इस समझौते को बेहद नाजुक बनाती है।भारत जैसे देशों के लिए यह समय संतुलित कूटनीति, नागरिक सुरक्षा, और रणनीतिक तैयारी का है। वहीं, वैश्विक समुदाय के लिए यह एक चेतावनी है कि केवल सैन्य शक्ति से नहीं, बल्कि संवाद, सहयोग और समझ से ही स्थायी शांति संभव है।इस प्रकार, यह युद्धविराम एक अंत नहीं बल्कि एक अंतराल है एक ऐसा अंतराल, जिसमें दुनिया को यह तय करना है कि वह संघर्ष की ओर बढ़ेगी या सहयोग की ओर बढ़ेगी

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

(10 अप्रैल 26 विश्व होम्योपैथी दिवस पर विशेष)

उपचार में मदद करती होम्योपैथी

-संजय गोस्वामी

होम्योपैथी एक तरह की कॉम्प्लिमेंट्री या अल्टरनेटिव मेडिसिन है जो बहुत ज़्यादा डाइल्यूटेड चीज़ों के इस्तेमाल पर आधारित है,यदि मरीज को विश्वास है कि होम्योपैथी काम करेगी, तो उसका मस्तिष्क राहत महसूस कराता है, जिससे बीमारी के लक्षण कम हो जाते हैं।होम्योपैथी में लंबी परामर्श भी प्लेसीबो प्रभाव को बढ़ाता है, जो उपचार में मदद करता है।जहाँ आलोचक इसे केवल प्लेसीबो कहते हैं, वहीं होम्योपैथ और कुछ समर्थक मानते हैं कि यह ऊर्जा आधारित है और प्लेसीबो से अधिक काम करती है।होम्योपैथी एक तरह की

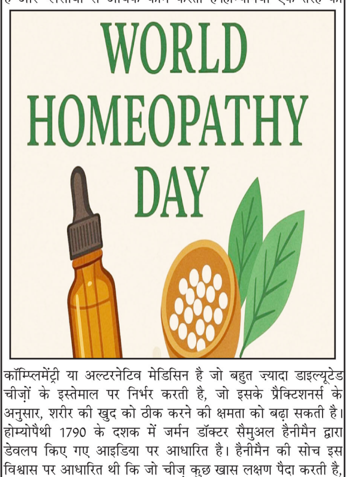

कॉम्प्लिमेंट्री या अल्टरनेटिव मेडिसिन है जो बहुत ज़्यादा डाइल्यूटेड चीज़ों के इस्तेमाल पर निर्भर करती है, जो इसके प्रैक्टिशनर्स के अनुसार, शरीर की खुद को ठीक करने की क्षमता को बढ़ा सकती है। होम्योपैथी 1790 के दशक में जर्मन डॉक्टर सैमुअल हैनीमैन द्वारा डेवलप किए गए आइडिया पर आधारित है। हैनीमैन की सोच इस विश्वास पर आधारित थी कि जो चीज़ कुछ खास लक्षण पैदा करती है, वह उन्हें खत्म करने में भी मदद कर सकती है। दूसरी बुनियादी मान्यता सकशन नाम के डाइल्यूशन और हलचल के प्रोसेस पर आधारित है। होम्योपैथी की प्रैक्टिस करने वालों का मानना है कि किसी चीज़ को इस तरह से जितना ज़्यादा डाइल्यूट किया जाता है, लक्षणों का इलाज करने की उसकी ताकत उतनी ही ज़्यादा होती है। कई होम्योपैथिक इलाज में ऐसी चीज़ें होती हैं जिन्हें बार-बार पानी में तब तक डाइल्यूट किया जाता है जब तक कि असली चीज़ बहुत कम या बिल्कुल न बचे। होम्योपैथिक प्रैक्टिशनर दावा करते हैं कि यह कई तरह की बीमारियों का इलाज कर सकती है, जिसमें अस्थमा जैसी शारीरिक बीमारियाँ और डिप्रेशन जैसी मानसिक बीमारियाँ शामिल हैं। होम्योपैथी के असर पर कई स्टडी की गई हैं। किसी भी हेल्थ कंडीशन के इलाज के तौर पर इसके असर को दिखाने के लिए कोई पक्का सबूत नहीं है। होम्योपैथ के साथ आपके पहले कंसल्टेशन के दौरान, वे आम तौर पर किसी खास हेल्थ कंडीशन, आपकी पूरी सेहत, आपकी इमोशनल हालत, आपकी लाइफस्टाइल और आपके खाने-पीने के बारे में पूछेंगे। इस जानकारी के आधार पर, होम्योपैथ इलाज तय करेगा, जिसमें अक्सर होम्योपैथिक इलाज टैबलेट, कैप्सूल या टिंचर (सॉल्यूशन) के रूप में दिए जाते हैं। आपका होम्योपैथ आपकी सेहत पर इलाज के असर का अंदाज़ा लगाने के लिए एक या ज़्यादा फ़ॉलो-अप अपॉइंटमेंट की सलाह दे सकता है। इसका इस्तेमाल कई तरह की बीमारियों के लिए किया जाता है। कई डॉक्टरों का मानना है कि यह लगभग किसी भी बीमारी में मदद कर सकती है। जिन सबसे आम बीमारियों के लिए लोग होम्योपैथिक इलाज करवाते हैं, उनमें ये शामिल हैं- अस्थमा कान में इन्फेक्शन हे फीवर मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी परेशानियां, जैसे डिप्रेशन, स्ट्रेस और एंग्जायटी एलर्जी, जैसे खाने की चीज़ों से एलर्जी डर्मेटाइटिस (त्वचा की एक एलर्जिक बीमारी) आर्थराइटिस हाई ब्लड प्रेशर होम्योपैथी इन या किसी दूसरी बीमारियों के लिए असरदार इलाज है। कुछ डॉक्टर यह भी दावा करते हैं कि होम्योपैथी मलेरिया या दूसरी बीमारियों को रोक सकती है। वॉलंटरी रेगुलेशन का मकसद मरीज़ की सुरक्षा को बचाना है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि इलाज के असर का साइंटिफिक सबूत है। होम्योपैथिक इलाज आम तौर पर सुरक्षित होते हैं, और गंभीर साइड इफ़ेक्ट का खतरा कम माना जाता है। कुछ होम्योपैथिक इलाज में ऐसे पदार्थ हो सकते हैं जो असुरक्षित हों या दूसरी दवाओं के असर में रुकावट डालें। अगर आप डॉक्टर की लिखी दवाएं ले रहे हैं और होम्योपैथी लेने के बारे में सोच रहे हैं, तो आपको अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। अगर आप डॉक्टर के लिखे इलाज बंद करने या होम्योपैथी के लिए वैक्सीनेशन जैसे प्रोसीजर से बचने की सोच रहे हैं, तो भी आपको अपने डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। होम्योपैथी के असर पर सबूत होम्योपैथी के असर पर साइंटिफिक सबूतों के कई रिव्यू किए गए हैं। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि जो चीज़ें कुछ खास लक्षण पैदा करती हैं, वे उनके इलाज में भी मदद कर सकती हैं। न ही इस बात का कोई सबूत है कि चीज़ों को पानी में घोलकर और हिलाकर उन्हें दवा बनाया जा सकता है। होम्योपैथी के पीछे के आइडिया को पारंपरिक साइंस नहीं मानता और वे दुनिया के काम करने के तरीके के बारे में लंबे समय से माने गए सिद्धांतों से मेल नहीं खाते। उदाहरण के लिए, कई होम्योपैथिक इलाज में असली चीज़ का एक भी मॉलिक्यूल बचना मुश्किल होता है। ऐसे मामलों में, होम्योपैथिक इलाज में सिर्फ़ पानी होता है। कुछ होम्योपैथ मानते हैं कि, सक्सेशन प्रोसेस के कारण, असली चीज़ पानी में अपनी छाप छोड़ देती है। हालाँकि, ऐसा होने का कोई पता तरीका नहीं है। कुछ लोग जो होम्योपैथी अपनाते हैं, उन्हें प्लेसीबो इफ़ेक्ट नाम की चीज़ की वजह से अपनी सेहत में सुधार महसूस करते है। प्लेसीबो इफ़ेक्ट (क्ष्ड्डष्द्ग्डद्ध द्ढद्धद्धद्गष्ह्ल) वह मानसिक स्थिति है जब किसी निष्क्रिय या नकली उपचार (जैसे चीनी की गोली) से भी मरीज़ के स्वास्थ्य में सुधार दिखता है क्योंकि उन्हें विश्वास होता है कि वे ठीक हो रहे हैं। होम्योपैथी अक्सर इसी प्रभाव के कारण काम करती है, क्योंकि दवाइयों में सक्रिय तत्व न के बराबर होते हैं।

महिला आरक्षण से कानून-निर्माण में भागीदारी-लोकतंत्र का शुभसंदेश

- ब्रजमोहन श्रीवास्तव

स्वतंत्र भारत के 75 वर्षों के इतिहास में महिलाओं ने समाज, परिवार, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र-निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। सेना, प्रशासन, चिकित्सा, कानून, शिक्षा, व्यवसाय और शोध सहित अनेक क्षेत्रों में उन्होंने अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई है लेकिन राष्ट्रीय क़ानून निर्माण में उनकी भागीदारी नगण्य रही है। वे मतदाता थीं, कार्यकर्ता थीं, समाज की धुरी थीं, उन्हें विधानसभा और लोकसभा में अवसर तो मिले, परंतु उनका प्रतिनिधित्व सुनिश्चित नहीं था। दशकों तक कानून-निर्माण के मंच पर उनकी उपस्थिति राजनैतिक परिस्थितियों और दलों की प्राथमिकताओं व नेताओं की मेहरबानी पर निर्भर रही।

तीन दशकों से अधिक समय के लंबे इंतजार के बाद अब यह स्थिति निर्णायक रूप से बदलने जा रही है। यह परिवर्तन एक दिन में नहीं आया बल्कि महिलाओं द्वारा परिणाम की चिंता किये वगैर निरंतर प्रयासों और हर क्षेत्र में अपनी प्रभावी भूमिका की छाप छोड़ने का परिणाम है। महिला आरक्षण संविधान-106वां संशोधन अधिनियम, 2023 के पारित होने के साथ भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि महिलाओं का नेतृत्व अब केवल सहायक भूमिका तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वे राष्ट्र के नीति-निर्माण व क़ानून बनाने में बराबरी से भागीदार होंगी ।

यह ऐतिहासिक निर्णय एनडीए सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और महिलाओं के सशक्तिकरण के प्रति उनकी प्रतिबद्धता का सशक्त प्रमाण है। श्री मोदीजी का मानना है कि आरक्षण देने में पहले ही बहुत देरी हो चुकी है इसलिए इसे अब और नहीं टाल सकते । हालांकि, इस संशोधन का क्रियान्वयन आगामी जनगणना और परिसीमन से जुड़ा है इसलिए यह 2029 के आम चुनावों में भी लागू हो सकता है।

महिलाओं के राजनैतिक अधिकारों की यात्रा के यहाँ तक पहुँचने में लगभग तीस वर्ष लगे है। 1992-93 में 73वें और 74वें संविधान संशोधनों के माध्यम से पंचायतों और नगरीय निकायों में 33त्न आरक्षण लागू किया गया,

जिससे महिलाओं की भागीदारी का मार्ग कानूनी रूप से प्रशस्त हुआ। इसके बाद कई राज्यों ने इसे 50प्रतिशत तक बढ़ाया। आज देश के 22 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थानीय निकायों में 50प्रतिशत महिला आरक्षण लागू है फलस्वरूप आज महिलाएँ अध्यक्ष, महापौर तथा पार्षद या नगर सेवक के लगभग एक लाख पदों पर प्रभावी नेतृत्व दे रही हैं।

पंचायती राज व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी ने प्रशासनिक पारदर्शिता, सामाजिक न्याय और विकास को नई दिशा दी है। वर्तमान में लगभग साढ़े चौदह लाख से अधिक महिलाएँ ग्रामीण शासन में जिला पंचायत अध्यक्ष, सरपंच व पंच के निर्वाचित पदों पर कार्यरत हैं, जो इस बात का प्रमाण है कि अवसर मिलने पर महिलाएँ उत्कृष्ट नेतृत्व दे सकती हैं।

कॉर्पोरेट क्षेत्र में भी महिलाओं ने अपनी क्षमता सिद्ध की है। सेबी द्वारा 2013 में बनाए गए नियमों के तहत 2015 से सभी सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम एक महिला निदेशक की नियुक्ति अनिवार्य की गई। आज देश की 1000 शीर्ष कंपनियों में महिला नेतृत्व एक अनिवार्य और प्रभावी घटक बन चुका है।

यह स्पष्ट है कि पिछले 30 वर्षों में महिलाओं का नेतृत्व क्रमिक रूप से विकसित हुआ है। इसी क्रमिक मजबूत आधार के कारण 2023 में महिला आरक्षण विधेयक पारित करना पड़ा, जिससे लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33प्रतिशत महिला आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है । यह केवल एक कानून नहीं, बल्कि भारत के लोकतांत्रिक ढांचे को और अधिक समावेशी और न्यायपूर्ण बनाने का संकल्प है जिससे कुल आबादी का 50 प्रतिशत जो अभी तक मतदान तक सीमित था आने वाले समय में क़ानून निर्माता की श्रेणी में आ जाएगा।

दुर्भाग्यवश, आज भी कुछ राजनीतिक दल और विपक्षी नेता इस ऐतिहासिक निर्णय को संदेह की दृष्टि से देखते हुए भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं। लेकिन यह स्पष्ट है कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देना किसी राजनैतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत बनाने का नैतिक दायित्व है जिसे पूरा करने के लिये एनडीए सरकार, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ रही है फिर विपक्ष चाहे कैसी भी पैंतरेबाज़ी करें । पिछले वर्षों में अधिकांश नीतियाँ पुरुष-प्रधान दृष्टिकोण से बनीं, उदाहरणार्थ, जैसे सार्वजनिक स्थलों पर बुनियादी आवश्यकताओं के लिये निर्माण की अनदेखी हुई। स्थानीय निकायों में महिलाओं के प्रतिनिधित्व ने इस असंतुलन को दूर करने की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव किया क्योंकि यह उनकी भी ज़रूरत से जुड़ा था। यह परिवर्तन इस बात का प्रमाण है कि जब नीति-निर्माण में महिलाओं की भागीदारी बढ़ती है, तो निर्णय अधिक संवेदनशील, समावेशी और व्यावहारिक होते हैं जिसमें सारी जनता की ज़रूरतों का समावेश होता है। महिला आरक्षण कानून की आलोचना करने वालों को इसे संकीर्ण राजनैतिक दृष्टिकोण से नहीं देखना चाहिए क्योंकि यह भारत के लोकतंत्र को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया ऐतिहासिक कदम है। आँकड़े बताते हैं कि जब महिलाएँ बराबरी से भागीदारी करती हैं, तो शासन अधिक प्रभावी, नीतियाँ अधिक संतुलित और समाज अधिक सशक्त बनता है।

आज महिलाएँ केवल सामाजिक क्षेत्र तक सीमित नहीं हैं, बल्कि उद्योग, वित्त, तकनीक और प्रशासन के हर क्षेत्र में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने सिद्ध किया है कि वे सक्षम प्रशासक, दूरदर्शी नेतृत्वकर्ता और संवेदनशील निर्णयकर्ता हैं। ऐसे में यह स्वाभाविक है कि वे उत्कृष्ट कानून-निर्माता भी बनेंगी।

देश की महिलाओं ने हर स्तर पर अपनी क्षमता सिद्ध की है। अब समय आ गया है कि उन्हें राष्ट्र के भविष्य को आकार देने में समान अवसर दिया जाए। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय केवल एक कानून नहीं, बल्कि नारी शक्ति को राष्ट्र निर्माण के केंद्र में स्थापित करने की ऐतिहासिक पहल है। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने श्रीमती सुनेत्रा पवार को पहले महाराष्ट्र का उप मुख्यमंत्री और फिर राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष निर्वाचित कर अपनी प्रतिबद्धता को सिद्ध कर दिया है। वह दिन दूर नहीं जब राज्यों में हम बड़ी संख्या में महिला मुख्यमंत्रियों को सरकार चलाते हुए देखेंगे ।

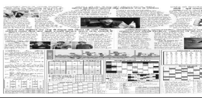

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। मिलों की सुस्त लेवाली से गुरूवार को अनाज मंडी में तुअर बाजार नरमी के रहे। चना 50-75 रू. क्विंटल बड़ाकर बोला गया। खाद्य तेलों में कमोवेश भाव बने रहे। सोयाबीन बाजार 5500 रू. प्रति क्विंटल पर स्थिर रहे। किराना जिंसों में व्यापार सामान्य रहा। खोपरे गोले में सुर्खी बनी। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार तुअर में सुस्त लेवाली के चलते बाजार नरमी के रहे। चना 50-75 रू. प्रति क्विटल की बड़त से 5650-5675 रू. प्रति क्विंटल बोला गया। खाद्य तेलों में बाजार पूर्वस्तर पर बने रहे। तिलहनों में सोयाबीन 5000 रू. प्रति क्विंटल पर बनी रही। उधर, किराना जिंसों में खोपरा गोला पूछपरख से बड़त पर रहा। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4130-4180, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 270-280, बेस्ट 280-300, हल्दी निजामाबाद 200-225, सांगली 270-275, साबूदाना हल्का 5500-5600, मीडियम 5600-5700, बेस्ट 5800-5900, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 120-150, बेस्ट 250-380, सौंफ बारिक 220-380, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 740-745, मीनी मटरदाना 770-785, मटरदाना 800-815, खसखस अनक्लीन 800-950, क्लीन 1050-1400, दालचीनी 245-260, जायफल 815-880, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 2050-2100, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 1675-1775, बेस्ट 1925-2350, पानबार 1550-1600, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 490-625, काजू (240) 920-950, काजू (320) 830-880, काजू डब्ल्यू (300) 790-810, काजू जे.एच. 820-840, टुकड़ी 760-800, बादाम मगज 760-800, अमेरिकन 825-950, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 850-1000, बेस्ट 1150-1350, अंजीर 851-1075, मखाना 850-1200, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 2450-2500, (160) 2700-2750, (200) 2600-2650, (250) 2300-2400

तेल- सींगदाना 1730-1750, मुम्बई 1750-1760, राजकोट तेलिया 2730, सोया साल्वेंट 1465-1470, सोया रिफाइंड 1520-1530, कपास्या 1480, धूलिया 1480, कड़ी 1490,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1700, मुम्बई पाम 1480, मुम्बई सोया 1540

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2525, देवास-उज्जैन 2525, खंडवा-बुरहानपुर 2500, अकोला 3725 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 7200-7400, रायडा 6200-6400, सोयाबीन 5500, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 5650-5675, एवरेज 5500-5550, विशाल 5550-5650, महाराष्ट्र विशाल 5650-5675, काबूली चना डॉलर 7600-8700, काबूली चना रशियन 5400-5700, बिटकी 5000-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5600-5700, मूंग गर्मी बेस्ट 7700-8000, मूंग बोल्ड 8200-8400, एवरेज 6500-6700, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 7100-7200, हल्की 7000-7200, महाराष्ट्र सफेद 7600-7800, महाराष्ट्र लाल 8000-8200, कर्नाटक 8100-8400, उड़द बेस्ट 8500-9000, एवरेज 7000-8000, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7000-7200, मीडि?यम 7300-7400, बोल्ड 7600-7800, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल फूल 9400-10000, तुअर दाल बोल्ड 10600-11700, मसूर दाल एवरेज 7900-8000, बेस्ट 8000-8100, मूंग दाल 9500-9700, बोल्ड 9900-10500, मूंग मोगर 10500-10700, बोल्ड 10900-11100, उड़द दाल 9800-10000, बोल्ड 10400-10500, मोगर 10600-10800, बोल्ड 11000-11400,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2300-2400, लोकवन एवरेज 2400-2650, बेस्ट 2800-3100, मालवराज 2300-2560, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1600-1850, बेस्ट 1850-1900,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3200, सेला 3500-3700, परमल 3300-3500, दुबराज 4500-5600, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 300, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। स्थानीय सर्राफा बाज़ार में गुरुवार को सुस्ती का माहौल रहा। खाड़ी देशों में बने अनिश्चितता के वातावरण और वैश्विक दबाव के चलते दोनों ही मूल्यवान धातुओं में नरमी दर्ज की गई। निवेशकों की कम होती रुचि और बाज़ार में कम वॉल्यूम की वजह से कीमतों का ग्राफ नीचे की ओर झुका रहा। बाज़ार विशेषज्ञों का मानना है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जारी भू-राजनीतिक तनाव का असर स्थानीय मांग पर भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 235000, चाँदी (99) 234800, टंच 234100, सिक्का 2800, सोना 10 ग्राम 151000,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। एजेंसी। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया सात पैसे की गिरावट के साथ ही 92.61 पर बंद हुआ। रुपया आज सुबह शुरुआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 92.71 प्रति डॉलर पर पहुंच गया था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि पश्चिम एशिया में स्थिति नाजुक बनी रहने से बाजार मजबूत रुख अपनाने के बजाय 'प्रतीक्षा करो और देखो' की स्थिति में हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। एजेंसी। भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को गिरावट पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 931.25 अंक करीब 1.20 फीसदी की गिरावट के साथ 76,631.65 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 222.25 अंक तकरीबन 0.93 फीसदी नीचे आकर 23,775.10 पर बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट बैंकिंग शेयरों के कारण आई है। निफ्टी प्राइवेट बैंक 1.75 फीसदी की कमजोरी के साथ सबसे अधिक गिरा। इसके अलावा निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.41 फीसदी , निफ्टी पीएसयू बैंक 1.27 फीसदी, निफ्टी सर्विसेज 1.19 फीसदी, निफ्टी इन्फ्रा 0.75 फीसदी और निफ्टी ऑयल एंड गैस 0.39 फीसदी नीचे आया। वहीं दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस 1.56 फीसदी, निफ्टी मेटल 1.25 फीसदी, निफ्टी पीएसई 1.13 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.82

फीसदी, निफ्टी हेल्थकेयर 0.71 फीसदी और निफ्टी फार्मा 0.66 फीसदी उछलकर बंद हुआ। सेंसेक्स पैक में बीईएल, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, टीसीएस, एचसीएल टेक, टाटा स्टील और टेक महिंद्रा सबसे अधिक लाभ में रहे। इंडिगो, एलएंडटी, इटरनल, एचडीएफसी बैंक,आईसीआईसीआई बैंक, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, टाइटन, अल्ट्राटेक सीमेंट, ट्रेंट, एमएंडएम और बजाज फिनसर्व सबसे अधिक नुकसान में रहे थे। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी उछाल आया। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 179.25 अंक या 0.32 फीसदी की बढ़त के साथ 56,978.75 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.95 अंक या 0.17 फीसदी की तेजी के साथ 16,566 पर बंद हुआ।बाजार जानकारों के अनुसार मुनाफावसूली से भी बाजार गिरा है। इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले कमजोर संकेतों और घरेलू स्तर पर बैंकिंग व आईटी शेयरों में बिकवाली के कारण बाजार गिरावट के साथ खुले। सेंसेक्स करीब 300 अंकों की गिरावट के साथ 77,319 पर खुला। वहीं निफ्टी भी कमजोर रुख के साथ 23,909 पर खुला और बाद में हल्की गिरावट के साथ 23,944 के आसपास कारोबार करता नजर आया।

एलपीजी की आपूर्ति सुरक्षित, दिल्ली में घरेलू सिलेंडर के भाव स्थिर

नई दिल्ली। एजेंसी। सरकार ने स्पष्ट किया है कि पश्चिम एशिया में तनाव के बावजूद भारत में एलपीजी, पेट्रोल और डीजल की कोई कमी नहीं है। 9 अप्रैल को घरेलू 14.2 किलो एलपीजी सिलेंडर की कीमत दिल्ली में 913 रुपये और कमर्शियल सिलेंडर 2,078.50 रुपये बनी हुई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने बताया कि सभी रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर काम कर रही हैं। घरेलू उपभोक्ताओं को हमेशा प्राथमिकता दी जा रही है। कमर्शियल सिलेंडरों की आपूर्ति संतुलित तरीके से सुनिश्चित की जा रही है ताकि घरेलू जरूरतों को पहले पूरा किया जा सके। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अब लगभग 95 फीसदी एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग ऑनलाइन हो रही है और 91 फीसदी डिलीवरी डीएसी के माध्यम से सुनिश्चित की जा रही है। डिजिटल बुकिंग और पारदर्शी वितरण प्रणाली के कारण सिलेंडरों की चोरी और डायवर्जन पर काफी हद तक रोक लगी है। सरकार ने सिलेंडरों की कालाबाजारी रोकने के लिए कड़ा रुख अपनाया है। सिर्फ एक दिन में लगभग 4,000 छापे मारे गए और 1,000 सिलेंडर जब्त किए गए। किसी भी तरह की गड़बड़ी पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है, जिससे उपभोक्ताओं का भरोसा बढ़ा है। देश के प्रमुख शहरों में एलपीजी की कीमतें इस प्रकार हैं- दिल्ली घरेलू 913 रुपए, कमर्शियल 2,078.50 रुपए, जयपुर घरेलू 916.50, कमर्शियल 2,031, पटना घरेलू 1,011, कमर्शियल 2,365, लखनऊ घरेलू 950.50, कमर्शियल 2,201, मुंबई घरेलू 912.50, कमर्शियल 2,031, कोलकाता घरेलू 939, कमर्शियल 2,208 और चेन्नई घरेलू 928.50, कमर्शियल 2,246.50 रुपये।

युद्धविराम से कच्चे तेल में नरमी, लेकिन कीमतें अब भी ऊंचे स्तर पर

नई दिल्ली। एजेंसी। अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच दो सप्ताह के युद्धविराम की घोषणा के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट दर्ज की गई है। हालांकि विश्लेषकों का मानना है कि सप्लाई चेन पर पड़े असर के कारण कीमतें अभी भी युद्ध से पहले के स्तर से काफी ऊपर बनी रहेंगी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में हाल ही में नरमी देखने को मिली है, जिसका मुख्य कारण अमेरिका, ईरान और इजरायल के बीच घोषित दो हफ्तों का युद्धविराम है। मिराए एसेट शेयरखान के रिसर्च एनालिस्ट के अनुसार, 28 फरवरी 2026 से जारी सैन्य संघर्ष के दौरान यह पहली बार है जब तनाव में कुछ ठहराव आया है। उनके मुताबिक ब्रेंट क्रूड की कीमत 2 अप्रैल को लगभग 128 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 93 से 95 डॉलर के बीच आ गई है। उनका कहना है कि हमलों में कमी आने से बाजार में शामिल कन्फ्लिक्ट प्रीमियम घटा है, जिससे कीमतों में यह गिरावट आई है। हालांकि, स्थिति पूरी तरह सामान्य नहीं हुई है। खाड़ी देशों के ऊर्जा ढांचे, तेल टैंकरों और अमेरिकी ठिकानों पर हमलों के कारण सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। विशेष रूप से होर्मुज स्ट्रेट में बाधाओं ने तेल निर्यात को गंभीर रूप से प्रभावित किया है, जिससे उत्पादन में कटौती करनी पड़ी। उनका कहना है कि यह संकट 1973 के तेल संकट के बाद सबसे बड़ा झटका साबित हो सकता है। संघर्ष शुरू होने के बाद से तेल की कीमतों में करीब 60 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है और यह अब भी युद्ध से पहले के स्तर से लगभग 35 प्रतिशत अधिक है। विश्लेषकों के अनुसार इस स्थिति का वैश्विक अर्थव्यवस्था पर भी असर पड़ेगा। इससे वैश्विक विकास दर में 0.20 से 0.30 प्रतिशत तक कमी और महंगाई में 0.70 से 0.90 प्रतिशत तक बढ़ोतरी हो सकती है। ऐसे में भले ही अभी राहत दिख रही हो, लेकिन कीमतों का जल्द सामान्य होना मुश्किल नजर आ रहा है।

मेष- आज का दिन आपके लिए थोड़ी सावधानी और धैर्य मांगने वाला रहेगा। बिजनेस में नुकसान होने की संभावना है, इसलिए किसी पुरानी गलती से सीख लेकर ही आगे बढ़ें। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें। कानूनी मामलों में आंख और कान खुला रखें। जीवन साथी के साथ चल रही अनबन को बातचीत से सुलझाने का समय है, तभी घर का माहौल शांत रहेगा।

वृषभ- आज आय और व्यय में संतुलन बनाना जरूरी रहेगा। किसी सहयोगी की बात आपको चुभ सकती है, लेकिन उसे दिल पर न लें। विद्यार्थी पढ़ाई में पूरी लगन से जुटेंगे। भाई-बहनों का पूरा साथ मिलेगा और शायद किसी वेकेशन की प्लानिंग भी हो। मन की कोई इच्छा पूरी होने से खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा और पिताजी की ओर से कोई सरप्राइज गिफ्ट भी मिल सकता है।

मिथुन- आज पैतृक संपत्ति मिलने की संभावना है। बिजनेस में अगर समस्याएं थीं तो भाइयों से बात कर समाधान निकाल सकते हैं। किसी से लिया गया धन अब लौटाने का समय है। आस-पड़ोस में किसी वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है, इसलिए शांत रहना बेहतर रहेगा। जीवन साथी हर कदम पर आपका साथ देंगे और प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई सौदा अच्छा रहेगा।

कर्क- आज का दिन सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। गलत तरीके से धन कमाने से बचें और पिताजी द्वारा दी गई जिम्मेदारी में लापरवाही न करें। परिवार के साथ किसी मांगलिक उत्सव में शामिल होना शुभ रहेगा। संतान से किए गए वादे पूरे करें। पुराने मित्रों से मिलने का मौका मिल सकता है और साथी के साथ आपका तालमेल बेहतरीन रहेगा।

सिंह- आज का दिन मिश्रित परिणाम लेकर आएगा। दूसरों के मामलों में बेवजह बोलने से बचें। लंबे समय से रुका काम पूरा हो सकता है। संतान पढ़ाई में भटकेगी, जिससे थोड़ी परेशानी होगी। घर में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन संभव है। बड़े बुजुर्गों की सेहत का ध्यान रखें और छोटी समस्याओं को हल्के में न लें।

कन्या- आज दिन मिलाजुला रहेगा। जीवनसाथी के साथ तालमेल अच्छा रहेगा और उनके कार्य क्षेत्र में प्रमोशन के संकेत हैं। पार्टनरशिप में कोई काम करने के मौके मिलेंगे। संतान के लिए कुछ नया और अच्छा करने की योजना बन सकती है। दोस्तों के साथ पार्टी या मिलन समारोह की योजना भी बन सकती है। पिताजी की कोई बात आज आपको थोड़ी खल सकती है।

तुला- आज वाहन चलाते समय सतर्कता बरतें, अचानक खराबी से खर्च बढ़ सकता है। लिए गए निर्णय पर पछतावा हो सकता है। संतान पढ़ाई के लिए बाहर जा सकती है। काम में सफलता जरूर मिलेगी, लेकिन राजनीति में जुड़े लोगों को कुछ शत्रु मिलने से रोड़ा पड़ सकता है। सोच-समझकर कदम उठाना आज की आवश्यकता है।

वृश्चिक- आज का दिन सामान्य रहेगा। मेहनत रंग लाएगी, लेकिन आलस्य के कारण काम टालने से परेशानी बढ़ सकती है। परिवार के किसी सदस्य की बात से मन परेशान हो सकता है। जीवनसाथी की फरमाइश पर नया वाहन लाने का मौका मिल सकता है। जरूरी जानकारी किसी से साझा करते समय सावधानी बरतें।

धनु- आज दिन मौज-मस्ती और खुशी लेकर आएगा। भाई-बहनों का पूरा सहयोग मिलेगा। धन-धान्य में वृद्धि होगी और रुके हुए काम आसानी से पूरे होंगे। मित्रों से बिजनेस पर बातचीत होगी। योजनाओं पर किया गया खर्च भविष्य में लाभ देगा, इसलिए बेवजह खर्च करने से बचें।

मकर- आज स्वास्थ्य के लिहाज से कमजोर रह सकते हैं। उतार-चढ़ाव आएंगे, लेकिन काम और सेहत दोनों पर ध्यान देना जरूरी है। छोटी-सी समस्या को हल्के में न लें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। सामाजिक आयोजनों में जुड़कर नाम कमाने का मौका मिलेगा। माताजी के साथ खटपट हो सकती है, लेकिन जीवनसाथी के साथ घूमने का अवसर भी मिलेगा।

कुंभ- आज का दिन बाकी दिनों से बेहतर रहेगा। कई काम एक साथ हाथ लगेंगे और इनसे धन कमाने के मौके भी मिलेंगे। इन्कम बढ़ाने के स्त्रोतों पर ध्यान देना जरूरी है। मन की कोई इच्छा पूरी हो सकती है, जिससे खुशी मिलेगी। पढ़ाई-लिखाई में मन लगेगा और पुरानी गलती से सबक भी सीखेंगे। घर में नए मेहमान का आगमन संभव है।

मीन- आज मन कई कामों में बंटा रहेगा, जिससे काम लटक सकते हैं और घर में समस्याएं उठ सकती हैं। अपने आसपास के लोगों को पहचान कर ही आगे बढ़ें। घूमने-फिरने के दौरान महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। राजनीति में कदम सोच-समझ कर उठाएं। किसी से लिया गया धन आसानी से वापस मिल सकता है।

शब्दजाल- 8224

अ	दि	ल	का	रि	श्ता	ज	ब	न	र	ट
दा	रा	यू	न	दी	वा	ग्री	द	इ	ह	ड
वा	व	ना	पू	वा	जी	थ	न	ग	क	र
दा	ची	न	ते	ना	ज	ऑं	म	पा	त	ना
म	त	ई	ड	प	व	खें	न	ग	र्क	ज
र	ए	म	सु	न	दि	पू	न	डॅ	र	रू
ती	जं	क	मे	ता	क	ल	श	न	ज	री
क	ल	ग	अ	सं	भ	व	है	ली	न	है
ब्रे	वो	र्न	य	ज	चि	क	री	तु	प	ला
ऐ	ला	न	न	ज	न	त्र	य	जी	म्हा	त
बे	वी	लो	नि	या	ल	बी	र	रा	त	रा

शब्दजाल में अर्जुन रामपाल की १० फिल्मों के नाम ढूंढिए. शब्द ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एवं तिरछे हो सकते हैं

डॉन, डरना जरूरी है, एक अजनबी, ऐलान, वादा, दिल का रिश्ता, आँखें, दीवानापन, असंभव, दिल है तुम्हारा.

शब्दजाल - 8223 का हल

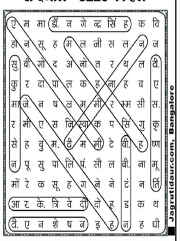

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली - 7168

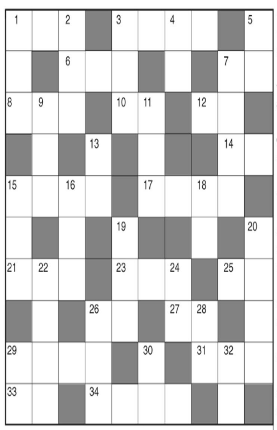

ऊपर से नीचे:-

१. 'शरारत' में अभिषेक की नायिका?-३
२. 'अजनबी' में राजेश की नायिका?-३
३. अरशद, मयूरी कांगो की 'गुनगुनाती हुई इक नदी' गीत वाली फिल्म-३
४. जॉन अब्राहम, तारा शर्मा की फिल्म-२
५. सनी, सुनील, शिल्पा की 'शाम भी खूब है' गीत वाली फिल्म-२
७. 'जंगल' में उर्मिला का नायक?-४
९. संजय कपूर, जूही चावला की 'प्यार में दिल का' गीत वाली फिल्म-३
११. 'दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी' गीत वाली अमिताभ, हेमा की फिल्म-३
१३. 'इश्क कमीना' गीतवाली फिल्म-२
१५. 'तू ही तू सतरंगी' गीतवाली फिल्म-२,१
१६. राज कुमार, हेमा, शत्रुघ्न, विजयेंद्र, मिथुन की १९८४ की एक फिल्म-३
१८. चंद्रचूड़सिंह, महिमा की फिल्म-२
१९. मिलिंद, विक्रम सलूजा, किरण की 'चंदा की चांदनी' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'जैसे इक चाँद का टुकड़ा' गीत वाली सनी, अनिल, किमी की फिल्म-४
२२. 'बॉक्सर भाई' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'चंपई धूप के साये' गीतवाली फिल्म-२
२६. 'आँखों में नींदें ना दिल में करार' गीत वाली फिल्म-३
२८. संजय कपूर, माधुरी की 'तूने अगर प्यार से' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'चाँदनी रूप की' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'ये कैसा है शहर' गीत वाली फिल्म-२
३२. 'कसूर' में आफताब शिवदासानी के साथ नायिका कौन थी-२

बायें से दायें:-

१. अभिषेक, करीना की 'जिसे तू ना मिला उसे कुछ' गीत वाली फिल्म-३
३. 'कितनी खूबसूरत ये' गीत वाली अमिताभ, विनोद, राखी की फिल्म-४
६. 'दिल विल प्यार व्यार' में आर. माधवन के साथ नायिका-३
७. सनी, प्रीति जिंटा की 'देखें भी तो क्या देखें' गीत वाली फिल्म-२
८. 'कैसी है दिल की लगी' गीत वाली विकास भल्ला, काजोल की फिल्म-३
१०. फिल्म 'ताजमहल' में प्रदीपकुमार की नायिका कौन थी?-२
१२. 'दिल में जागी धड़कन' गीतवाली लक्कीअली, गौरी की फिल्म-२
१४. 'माया मेमसाब' में शाहरूख के साथ नायिका कौन थी-२
१५. अजय देवगन, रवीना की 'एक से लेकर दस तक' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'लिखे जो खत तुझे' गीत वाली शशिकपूर, आशापारेख की फिल्म-४
२१. प्रशांत, संध्या की 'पंख होते तो उड़ आती रे' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'आज मदहोश हुआ जाए रे' गीत वाली शशिकपूर, राखी की फिल्म-३
२५. मनोज वाजपेयी, तब्बू की 'बाबा मेरी ये जवानी' गीत वाली फिल्म-२
२६. फिल्म 'इंडियन' में शिल्पा शेट्टी के साथ नायक कौन था?-२
२७. फिल्म 'बँबई से आया मेरा दोस्त' की नायिका कौन थी?-२
२९. 'आज फिर तुम पे प्यार आया है' गीत वाली फिल्म-४
३१. 'बंबई से रेल चली' गीत वाली फिल्म-३
३३. नसीर, अतुल, पूजाभट्ट की 'आज हमने दिल का' गीत वाली फिल्म-२
३४. 'गम का फसाना बन' गीत वाली फिल्म-४

फिल्म वर्ग पहेली - 7167

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

10 अप्रैल 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

शुक्रवार 2026 वर्ष का 100 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** बसंत।
विक्रम संवत् 2083 **शक संवत्** 1948
मास चैत्र **पक्ष** शुक्ल
तिथि अष्टमी 23.16 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पूर्वाषाढ़ा 11.28 बजे को समाप्त।
योग शिव 18.31 बजे को समाप्त।
करण बालव 10.22 बजे तदनन्तर कौलव 23.16 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 21.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 07° 52'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872675
जूलियन दिन 2461140.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 21
विशेष कालाष्टमी।

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.00 बजे से
चंद्र	धनु में	वृष	07.41 बजे से
मंगल	मीन में	मिथुन	09.39 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	11.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.08 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	16.20 बजे से
शनि	मीन में	तुला	18.31 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	20.46 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.02 बजे से
		मकर	01.07 बजे से
		कुंभ	02.53 बजे से
		मीन	04.26 बजे से

राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
चर	05.55 से	07.23	बजे तक	रोग	05.38 से	07.1	बजे तक
लाभ	07.23 से	08.51	बजे तक	काल	07.11 से	08.43	बजे तक
अमृत	08.51 से	10.19	बजे तक	लाभ	08.43 से	10.15	बजे तक
काल	10.19 से	11.47	बजे तक	उद्वेग	10.15 से	11.47	बजे तक
शुभ	11.47 से	01.15	बजे तक	शुभ	11.47 से	01.19	बजे तक
रोग	01.15 से	02.43	बजे तक	अमृत	01.19 से	02.51	बजे तक
उद्वेग	02.43 से	04.10	बजे तक	चर	02.51 से	04.23	बजे तक
चर	04.10 से	05.38	बजे तक	रोग	04.23 से	05.55	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगत: वास्तविक ज्ञान

शूरसेन प्रदेश में चित्रकेतु नामक राजा थे। उनकी अनेक रानियां थीं, किंतु कोई संतान नहीं थी। एक दिन महर्ष अिड्गिरा राजभवन में पधारे। नरेश को संतान के लिए लालायित देख उन्होंने एक यज्ञ कराया, पर जाते समय कह गए, 'महाराज, आप पिता बनेंगे किंतु आपका पुत्र आपके हर्ष तथा शोक दोनों का कारण बनेगा।' महारानी कृतद्युति गर्भवती हुईं। समय पर उन्हें पुत्र उत्पन्न हुआ। राज्य भर में महोत्सव मनाया गया। राजा पुत्र के स्नेहवश बड़ी रानी के भवन में अधिक समय बिताने लगे। फल यह हुआ कि दूसरी रानियां कुढ़ने लगीं। उनकी ईर्ष्या इतनी बढ़ी कि उन्होंने उस अबोध शिशु को विष दे दिया। बालक मर गया। राजा विलाप करने लगे। तभी वहां महर्षि अड्गिरा के साथ देवर्षि नारद पधारे। महर्षि ने राजा से कहा, 'राजन, तुम पर प्रसन्न होकर मैं तुम्हारे पास इसलिए आया था कि तुम्हें ईश्वर प्राप्ति का मार्ग दिखा दूं, किंतु तुम्हारे चित्त में उस समय प्रबल पुत्रेच्छा देखकर मैंने तुम्हें पुत्र दिया। अब तुमने पुत्र-वियोग के दुख का अनुभव कर लिया। यह संसार इसी प्रकार दुखमय है।' चित्रकेतु अभी शोकमग्न थे। वह समझ नहीं सके। देवर्षि नारद ने ताड़ लिया कि इनका मोह ऐसे दूर नहीं होगा। उन्होंने अपनी दिव्यशक्ति से बालक की जीवात्मा को आमंत्रित किया। जीवात्मा के आ जाने पर उन्होंने कहा, 'देखो, ये तुम्हारे माता-पिता अत्यंत दुखी हो रहे हैं। तुम अपने शरीर में फिर प्रवेश करके इन्हें सुखी करो और राजसुख भोगो।' उस जीवात्मा ने कहा, 'देवर्षि, ये मेरे किस जन्म के माता-पिता हैं? जीव का तो कोई माता-पिता या भाई-बंधु है नहीं। अनेक बार मैं इनका पिता, ये मेरे मित्र या शत्रु रहे हैं। ये सब संबंध तो शरीर के हैं। शरीर के छूटने के साथ ही सब संबंध छूट जाते हैं।' जीवात्मा यह कहकर चली गई। राजा चित्रकेतु का मोह उसकी बातों को सुनकर नष्ट हो चुका था। नारद ने उन्हें भगवान शेष की आराधना का उपेदश किया, जिसके प्रभाव से कुछ काल में ही उन्हें शेषजी के दर्शन हुए।

सूडोकु नवताल- 7477

★★★★☆ मध्यम

	8	1				2	5	
2								9
5			1		7	4		
9	5			4			2	
		3	9		6	7		
	7			8			1	5
		7	2		5			1
6								7
	1	5				6	9	

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7476 का हल

5	9	4	2	3	6	1	8	7
8	7	3	1	4	5	2	9	6
6	1	2	8	7	9	3	5	4
1	6	7	9	8	2	4	3	5
3	8	5	4	1	7	6	2	9
2	4	9	6	5	3	7	1	8
7	5	6	3	9	1	8	4	2
4	2	1	5	6	8	9	7	3
9	3	8	7	2	4	5	6	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8692

बाएँ से दाएँ

1. सावधान, सचेत-3
3. खूबसूरत-3
5. वचन, प्रतिज्ञा-2
6. हत्या, मर्डर-2
8. तब तक, अवधि में-4
10. चरित्र, लक्षण-3
12. रूस की मुद्रा-3
13. परागकण-2
14. नाखून-2
15. छुटकारा, आजादी-3
17. तट, किनारा-3
19. ईश्वर, भगवान -4
21. अधीन, काबू-2
23. नवीन, नवजात-2
24. लेखनी, पेन-3
25. लाईन, रेखा -3

ऊपर से नीचे

1. हमेशा, सदैव-2
2. विष, जहर-3
3. गर्भ-3
4. नया, नवल-2
5. पुनरागमन-3
7. मस्ती, उछलकूद-3
8. स्वभाव, आदत-4
9. नुकसान, घाटा-2
12. कपोल, गाल-4
15. शान्ति, सन्नाटा-3
16. ताकत, दम, बल-2
18. बोलने का तरीका-3
19. प्रतिज्ञा, वचन-3
20. आज्ञापालन-3
22. वहम, संदेह-2
23. लोहे की तांत-2

शब्द पहेली -8691 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

रेत माफियाओं की दबंगई - शिकायतकर्ता को बेल्ट से बांधकर की बेदम पिटाई

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी थाना अन्तर्गत विभिन्न रेत घाटों में लगातार रेत माफियाओं के द्वारा रेत का अवैध रूप से खनन एवं परिवहन किया जा रहा है। जिसको लेकर समय समय पर कार्यवाही खनिज विभाग सहित पुलिस प्रशासन के द्वारा की गई है उसके बाद भी रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि वे कार्यवाही होने के बाद भी धडल्ल से रेत का कारोबार करते दिखाई दे सकते है। इन्ही रेत के कारोबार के चलते आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं कुछ रेत का दोहन परिवहन करने वाले ऐसे भी जो कि रंगदारी, दंबगाई दिखाते हुये रेत का अवैध रूप से कारोबार कर रहे है तथा शिकायत करने वालो के साथ मारपीट करते नजर आ रहे है ऐसा ही एक विडीयो लांजी थाना अन्तर्गत सोनेसराड़ पुल के उपर घटित हआ जहां एक युवक को बेल्ट से बांध कर बेदम पिटाई कर दी तथा उसे पुल से नीचे नदी में फेंकने की कोशिश की गई। जिसे स्थानीय युवक के द्वारा बीच बचाव कर घायल युवक को सिविल अस्पताल लांजी लाकर भर्ती कर उपचार करवाया गया। पीड़ित नंदकिशोर पांचे ने पुलिस थाना लांजी पहुंचकर कथन लेख कराया कि आज से करीब 4 से 5 दिन पहले बंटी कालबेले, छोटू कालबेले, राजा कालबेले को कहा था कि आप लोग सोन नदी से रेत निकालकर हमारी कच्छार की जमीन से ट्रेक्टर से रेत भरकर ले जाते हो। फिर भी ये लोग नही माने तथा लगातर रेत ले जाते रहे। इनकी शिकायत मेरे द्वारा कलेक्टर बालाघाट, खनिज विभाग बालाघाट एवं एसडीएम किरनापुर को की गई थी। फिर 2 से 3 दिन बाद इन लोगो के ट्रैक्टर को खनिज विभाग के अधिकारियों के द्वारा पकड़ा गया। जो दिनांक 7 अप्रैल को मैं अपने साथियों के साथ गांव के पास सोन नदी के पुल पर शाम करी 6-30 बजे के आस पास खड़े थे और आपस में बातचीत कर रहे थे। उसी समय लांजी की ओर से बंटी कालबेले, छोटू कालबेले, राजा कालबेले एवं नारायण मातरे आये और कहने लगे की हमारे ट्रेक्टर को तुने पकड़ाया कहकर एक राय होकर गाली गलौच करने लगे। गाली देने से मना किया तो बंटी और राजा कालबेले ने बेल्ट से मारपीट की, छोटू कालबेले ने ईट से तथा नारायण मातरे ने हाथ मुक्को से मारपीट किये। जिससे मुझे शरीर के कई हिस्सो पर चोटे लगी है सभी ने एक राय होकर जान से मारने की धमकी की यदि हमारे ट्रैक्टर पकडाया तो तुझे छोडंगे नही। पीडित के कथन के आधार पर लांजी पुलिस ने चारो बारोपी क्रमशः बंटी कालबेले, राजा कालबेले, छोटू कालबेले एवं नारायण मातरे के विरूद्ध अपराध क्रमांक 106/26 धारा 296-बी, 115-2, 351-3, 3-5, 324-2, बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। इस पुरे प्रकरण की शिकायत पीडित नंदकिशोर पांचे ने पुलिस अधीक्षक कार्यालय बालाघाट पहुंचकर भी की है।

किरनाई मंदिर ट्रस्ट निर्माण का एसडीएम ने सदस्यों दिया प्रमाणपत्र

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम किरनापुर स्थित ग्राम देवी मां किरनाई माता मंदिर का ट्रस्ट का निर्माण किया गया है जिसमें प्रमुख 54 ट्रस्टी है जिनमें 11 लोगों की कार्यकारणी समिति बनाई गई है। इस संबंध मे अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आकाश अग्रवाल द्वारा अन्य राजस्व विभाग के अधिकारियों तहसीलदार एवं नायब तहसीलदार की उपस्थिति मे ट्रस्ट के पदाधिकारियों एवं सदस्यों को प्रमाणपत्र प्रदान किया गया। मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल को बनाया गया है । प्रमाण पत्र अनुविभागीय अधिकारी आकाश अग्रवाल किरनापुर ग्राम में खुशी की लहर व्याप्त हो गई है। ट्रस्ट के अध्यक्ष पंकज अग्रवाल,उपाध्यक्ष सुरेश रतनेरे कृष्णा पांचे सचिव उगेंद्र मेश्राम सह सचिव निकेश तनु जोशीकोषाअध्यक्ष दीपक दाते ,सह कोषाअध्यक्ष आशीष सोनी सदस्य महेंद्र तारन भरत यादव गोपी अग्रवाल ,रोशनी उपाध्याय, संजय सारडा संजय चौधरी, नन्हे बहेकार , राहुल सारंगपुरे सहित अन्य को बनाया गया है। बताया गया है कि किरनाई मंदिर मे अब आगे जो भी कार्य किए जाएंगे ट्रस्ट के अधीन कराए जाएंगे।

अवैध रेत उत्खनन एवं परिवहन पर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में अवैध रेत उत्खनन और परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना लांजी, रामपायली एवं चांगोटोला पुलिस द्वारा प्रभावी कार्रवाई करते हुए 3 ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त की गईं तथा संबंधित आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए। ट्रैक्टर चालकों को गिरफ्तार किया गया है।

लांजी पुलिस की कार्रवाई

8 अप्रैल को ग्राम गश्त के दौरान सूचना प्राप्त हुई कि सोनेसराड घाट से ट्रैक्टर-ट्रॉली द्वारा अवैध रेत का परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने सोनेसराड पुल के पास घेराबंदी कर रेत से भरे आयशर कंपनी का ट्रैक्टर-ट्रॉली जप्त किये और चालक वीरेन्द्र कालबेले 31 वर्ष ग्राम कोसमारा, थाना लांजी निवासी को गिरफ्तार किये।

रामपायली पुलिस की कार्रवाई

8 अप्रैल को ग्राम गश्त के दौरान सूचना मिली कि सोनझरा-खापा मार्ग पर अवैध रेत का परिवहन किया जा रहा है।पुलिस ने तुरंत घेराबंदी कर ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किये और ट्रैक्टर चालक संतोष सरौते ग्राम खरखड़ी थाना खैरलांजी निवासी को गिरफ्तार किये।

चांगोटोला पुलिस की कार्रवाई

9 अप्रैल को सूचना प्राप्त हुई कि मनकुंवर नदी, घंघरिया घाट से बिना रॉयल्टी अवैध रेत का परिवहन किया जा रहा है।पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ट्रैक्टर क्रमांक स्क्क1क्क2803 को जप्त किये और चालक रवि प्रसाद सोनवाने 33 वर्ष ग्राम घंघरिया थाना चांगोटोला निवासी को गिरफ्तार किये। तीनों मामले में ट्रैक्टर चालकों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता खान एवं खनिज अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

भूमि सुपोषण संरक्षण संवर्धन जन अभियान कार्यक्रम संपन्न

गौ माता एवं वृक्ष पूजन के साथ लिया गया जैविक खेती एवं पर्यावरण संरक्षण का संकल्प

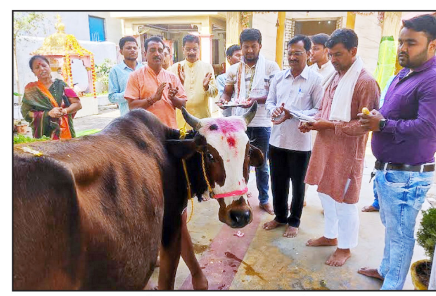

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम विकास गतिविधियों के अंतर्गत भूमि सुपोषण संरक्षण संवर्धन जन अभियान कार्यक्रम 9 अप्रैल को नगर के मां गायत्री मंदिर परिसर में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गौ माता पूजन और वृक्ष पूजन से हुई। उपस्थित जनों ने अपने खेतों से दो-मुट्ठी मिट्टी लाई गई और उसका सामूहिक पूजन किया गया। इस दौरान भूमि को माता के रूप में सम्मान देते हुए जैविक खेती, गांव आधारित कृषि और भूमि सुपोषण का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर प्रांत ग्राम विकास प्रमुख श्री नयनसुख की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिन्होंने अपने उद्बोधन में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और सतत विकास की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने एक स्वर में संकल्प लिया कि वे प्लास्टिक मुक्त गांव बनाएंगे तथा रासायनिक कीटनाशक और रासायनिक खाद का उपयोग नहीं करेंगे। साथ ही जल संरक्षण, पर्यावरण संरक्षण, पेड़ लगाना, पेड़ों की सुरक्षा और संवर्धन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम के दौरान गौ माता की जय, धरती माता की जय, भारत माता की जय के उद्घोष से पूरा माहौल भक्ति और जागरूकता से भर गया। कार्यक्रम का समापन भारत माता की आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम को प्रांत ग्राम विकास प्रमुख नयनसुख जी द्वारा विधि विधान पूर्वक पूजन कराकर सम्पन्न कराया। इस अवसर पर मातृशक्ति श्रीमति निलम भर्रे, पल्लवी खरगाल तथा सुखपाल भर्रे, विजय रामटेक्कर, योगेंद्र दहीकर, दिनेश रामटेक्कर, रमेश आसटकर, महेंद्र रामटेक्कर, मनोज किरनापुरे, राजू कुशले, अमित हेजीब, महेंद्र मस्के, अर्यन, तुषार चौधरी व अन्य गणमान्य लोगो की उपस्थित रही।

ग्राम चिचगांव के डॉ. धर्मेश राहंगडाले ने हासिल की एमबीबीएस डिग्री, क्षेत्र में गर्व और हर्ष का माहौल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के बिरसा तहसील अंतर्गत आने वाले ग्राम चिचगांव के होनहार युवक धर्मेश राहंगडाले ने एमबीबीएस की डिग्री सफलतापूर्वक प्राप्त कर अपने परिवार, समाज एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में गर्व और खुशी का माहौल व्याप्त है। धर्मेश राहंगडाले, शिक्षक ढालसिंह राहंगडाले एवं माता मधु राहंगडाले के सुपुत्र हैं। साधारण ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने के बावजूद उन्होंने कठिन परिश्रम, दृढ़ संकल्प और निरंतर लगन के बल पर यह उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार के लिए, बल्कि पूरे समाज के लिए प्रेरणादायक उदाहरण बन गई है। धर्मेश ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा मोंटफोर्ट हायर सेकेंडरी स्कूल, गर्राटोला से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाया और चिकित्सा क्षेत्र जैसे कठिन एवं प्रतिस्पर्धात्मक क्षेत्र में सफलता हासिल की।एमबीबीएस की डिग्री प्राप्त करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है, जिसे उन्होंने अपने अथक प्रयासों और समर्पण के बल पर संभव बनाया। उनकी इस सफलता पर परिवारजनों, रिश्तेदारों, मित्रों एवं ग्रामवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें उवल भविष्य की शुभकामनाएं दी हैं। क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भी धर्मेश की इस उपलब्धि को समाज के लिए गर्व की बात बताते हुए कहा कि ऐसे युवा ही देश और समाज का भविष्य उवल बनाते हैं। ग्राम चिचगांव सहित आसपास के क्षेत्रों के युवाओं के लिए धर्मेश राहंगडाले एक प्रेरणा स्रोत बनकर उभरे हैं। उनकी इस उपलब्धि से यह संदेश मिलता है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत सच्ची हो, तो किसी भी मुकाम को हासिल किया जा सकता है। धर्मेश राहंगडाले की इस सफलता ने न केवल उनके परिवार का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे बालाघाट जिले को भी गौरवान्वित किया है। समाज के लोगों को उनसे आशा है कि वे भविष्य में चिकित्सा सेवा के माध्यम से समाज की सेवा करते हुए जरूरतमंद लोगों के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाएंगे।

सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ की बैठक 12 को

पद्मेश न्यूज। लांजी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी की आवश्यक बैठक 12 अप्रैल को दोपहर 1 बजे से पुर्वाटोला मार्ग स्थित पुराना रेंज आफिस में आयोजित की गई है। बैठक में वन अधिकारी कर्मचारी, दैनिक वेतनभोगी, सुरक्षा श्रमिकों, फायरवाचरों, सेवा निवृत्त समस्त अधिकारी, कर्मचारी, मजदूर आदि की समस्याओं का निराकरण हेतु चर्चा की जाएगी। म.प्र.सेवा निवृत अधिकारी कर्मचारी पेंशनर महासंघ लांजी के अध्यक्ष देवेन्द्र पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामप्रसाद चोरवाड़े, सी एल दमाहे, बाबूलाल पारधी, गंगाधर तरोने, नाथूराम सोनवाने, श्यामलाल पाण्डे आदि ने सभी सेवा निवृत्त कर्मचारियों को बैठक में उपस्थित होने की अपील की है।

डॉ. सैमुअल हैनिमैन जयंती पर 10 अप्रैल को जिलेभर में स्वास्थ्य शिविर

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के जनक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की जयंती के अवसर पर आयुष विभाग, जिला बालाघाट द्वारा 10 अप्रैल 2026 को जिले की सभी होम्योपैथी औषधालयों में विशेष स्वास्थ्य शिविर एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जिला आयुष अधिकारी डॉ. मिलिंद चौधरी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह कार्यक्रम होम्योपैथिक औषधालय बालाघाट, बैहर, लांजी, मेहंदीवाड़ा, कुम्हारी एवं परसवाड़ा में आयोजित होंगे, जहां आमजन को निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जाएंगी। कार्यक्रम के अंतर्गत नागरिकों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, होम्योपैथिक परामर्श, औषधि वितरण तथा जनजागरूकता गतिविधियां संचालित की जाएंगी। साथ ही लोगों को होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति के सिद्धांतों एवं इसके सुरक्षित एवं प्रभावी उपयोग के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। डॉ. चौधरी ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इन निःशुल्क सेवाओं का लाभ उठाएं और अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनें।

आज से पूरे प्रदेश में बढ़ेगी तेज गर्मी

भोपाल। मध्यप्रदेश में मौसम का मिजाज एक बार फिर करवट लेने वाला है। बीते कई दिनों से आंधी-बारिश और बादलों के कारण मिली राहत अब खत्म होने जा रही है। मौसम विभाग के अनुसार 10 अप्रैल से प्रदेश में तेज गर्मी का दौर शुरू होगा और दिन के तापमान में 5 से 6 डिग्री सेल्सियस तक उछाल आ सकता है।हालांकि, इससे पहले गुरुवार को प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम सक्रिय रहेगा। उमरिया, शहडोल, डिंडौरी, अनूपपुर, मंडला, सिवनी और बालाघाट जिलों में आंधी, बारिश और गरज-चमक का अलर्ट जारी किया गया है। बुधवार को प्रदेश के उत्तर, पूर्व और पश्चिमी हिस्सों में तीन साइक्लोनिक सर्कुलेशन सक्रिय रहे। इसी वजह से भोपाल समेत 15 से ज्यादा जिलों में बारिश और तेज हवाएं चलीं, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग के मुताबिक 11 अप्रैल को उत्तर-पश्चिम भारत में नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस सक्रिय होगा, लेकिन इसका मध्यप्रदेश पर असर सीमित रहने की संभावना है। अचानक बदले मौसम ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। रायसेन, छतरपुर, उज्जैन और शिवपुरी में बारिश के कारण खेतों में कटी हुई गेहूं की फसल भीग गई, जिससे नुकसान की आशंका है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अप्रैल और मई प्रदेश में गर्मी के पीक महीने होते हैं। इस बार मार्च के आखिरी दिनों में तापमान 41एष्ट के पार पहुंच गया था, लेकिन बार-बार एक्टिव सिस्टम के चलते गर्मी का असर धीमा पड़ा। पिछले 8 दिनों से प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में लगातार बारिश, ओलावृष्टि और आंधी का दौर बना रहा। फरवरी और मार्च में भी चार-चार बार मौसम बदला, जिससे फसलों को भारी नुकसान हुआ।

पूर्व आईएफएस ने 4 आईएएस के खिलाफ ईओडब्ल्यू में की शिकायत

भोपाल। मध्य प्रदेश के पूर्व आईएफएस आजाद सिंह डबास ने 4 आईएएस अफसरों के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। आरोप है कि 237 प्रोजेक्ट को बिना सिया बैठक के मंजूरी दे दी गई। पूर्व आईएफएस ने चारों अधिकारियों पर करोड़ा के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। पूर्व आईएफएस आजाद सिंह डबास ने ईओडब्ल्यू में एक शिकायत की है। जिसमें उन्होंने आईएएस अशोक बर्णवाल, नवनीत मोहन कोठारी, उमा महेश्वरी आर और श्रीमन शुक्ला पर करोड़ों के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। आरोप है कि 23 मई 2025 को बिना सिया बैठक के 237 प्रोजेक्ट को मंजूरी दी गई। आजाद सिंह डबास ने का कहना है कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन कर परमिशन दी गई। जबकि पर्यावरण मंजूरी से पहले सिया की बैठक बुलाई जाती है। वहीं उन्होंने इन चारों अफसरों पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। आपको बता दें कि एसीएस पर्यावरण विभाग अशोक बर्णवाल के साथ-साथ तत्कालीन प्रमुख सचिव पर्यावरण नवनीत मोहन कोठारी, तत्कालीन सदस्य सचिव सिया उमा महेश्वरी आर और तत्कालीन प्रभारी सदस्य सचिव सिया श्रीमान शुक्ला पद पर पदस्थ थे।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

दतिया उपचुनाव के लिए बिछने लगी चौसर!

भाजपा नेताओं की मेल-मुलाकात ने बढ़ाया राजनीतिक पारा

भोपाल । दतिया विधानसभा सीट को लेकर प्रदेश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को 3 साल की सजा मिलने के साथ ही दतिया में उपचुनाव की संभावना जताई जाने लगी है। इस संभावना के साथ ही भाजपा नेताओं में मेल-मुलाकात का दौर शुरू हो गया है। इसे उपचुनाव की तैयारी से जोड़कर देखा हा रहा है। पूर्व गृह मंत्री और दतिया से भाजपा के पूर्व विधायक नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। वहीं कांग्रेस, भाजपा पर लगातार निशाना साध रही है। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने हॉर्स ट्रेडिंग की आशंका भी जताई है।

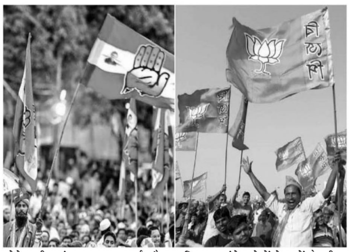

गौरतलब है कि बैंक फ्रॉड मामले में राजेंद्र भारती को 2 अप्रैल को दिल्ली की एमपी/एमएलए कोर्ट ने तीन साल की सजा सुनाई थी। इसके बाद मप्र विधानसभा सचिवालय ने उनकी सदस्यता समाप्त कर दतिया सीट को रिक्त घोषित कर दिया। अब इस सीट पर उपचुनाव होने की संभावना बन गई है। हालांकि दिल्ली हाईकोर्ट में पूर्व विधायक राजेंद्र भारती की सजा के खिलाफ अपील दायर की है, जहां 7 अप्रैल को सुनवाई टल गई, अब इस मामले में15 अप्रैल को सुनवाई होनी है। गतदिवस सुनवाई टलने के बाद राजनीतिक गतिविधियां भी तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल भोपाल में पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा के निवास पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब आधे घंटे तक बंद कमरे में चर्चा हुई। माना जा रहा है कि यह बैठक दतिया उपचुनाव की रणनीति को लेकर थी। दतिया सीट को डॉ. नरोत्तम मिश्रा का मजबूत क्षेत्र माना जाता है। वे यहां से तीन बार विधायक रह चुके हैं हालांकि पिछले चुनाव में उन्हें कांग्रेस के राजेंद्र भारती से हार का सामना करना पड़ा था। अब सीट खाली होने के बाद उनके फिर से चुनाव मैदान में उतरने की चर्चाएं तेज हैं। फिलहाल सभी की नजरें 15 अप्रैल की अगली सुनवाई पर टिकी हैं क्योंकि इसके बाद ही दतिया उपचुनाव की स्थिति स्पष्ट हो पाएगी।

नरोत्तम की बढ़ी सक्रियता

पूर्व गृह मंत्री और दतिया से भाजपा के पूर्व विधायक नरोत्तम मिश्रा की सक्रियता बढ़ गई है। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में हार के बाद वे सक्रिय राजनीति से दूर रहे। अब बैठकों और चर्चाओं का दौर शुरू हो गया है। नरोत्तम मिश्रा और भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के बीच गत दिवस भोपाल में बंद कमरे में सीक्रेट बैठक हुई। इस बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि उपचुनाव को लेकर चर्चा हुई होगी। साल 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में दतिया से राजेंद्र भारती को कांग्रेस ने अपना प्रत्याशी बनाया था। वहीं, भाजपा ने नरोत्तम मिश्रा को मैदान में उतारा था। इस चुनाव में भारती को 88977 और नरोत्तम मिश्रा को 81235 वोट मिले थे। मिश्रा को 7742 वोटों से हार मिली थी।

6 महीनों में कराना होगा चुनाव

दरअसल, दिल्ली की एमपी-एमएलए कोर्ट ने दतिया से कांग्रेस विधायक राजेंद्र भारती को एफडी घोटाला मामले में दोषी पाया था और तीन साल की सजा सुनाई थी। इस फैसले को चुनौती देने के लिए भारती ने दिल्ली हाईकोर्ट का रुख किया था। जहां अदालत ने उन्हें अंतरिम राहत देने से इनकार कर दिया। इसके साथ हाईकोर्ट ने मप्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। उच्च न्यायालय अपने फैसले में बदलाव नहीं करता है तो भारती अयोग्य रहेंगे और दतिया विधानसभा सीट पर 6 महीने के भीतर चुनाव कराने होंगे।

अंजड नगर परिषद में पेयजल योजना में हुए करोड़ो का घोटाला

- इंदौर ईओडब्ल्यू ने 9 आरोपियो के खिलाफ दर्ज की एफआईआर

- दो तत्कालीन महिला अध्यक्ष, सीएमओ, इंजिनियर और लेखापाल की मिलीभगत आई सामने

भोपाल। पेयजल योजना में अंजड नगर परिषद में करोडो रूपये के घोटाले के मामले में ईओडब्ल्यू इंदौर में दो तत्कालीन महिला अध्यक्ष, सीएमओ, इंजिनियर और लेखापाल और निजी कंपनी के प्रोपराइटर, ठेकेदार सहित नौ लोगो के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। विभाग द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक नगर परिषद अंजड, जिला बडवानी में पेयजल योजना के तहत घरेलू नल कनेक्शन के लिये साल 2016 में शासन से 12,20,08,500 (बारह करोड बीस लाख आठ हजार पांच सौ रुपये) स्वीकृत किये गये थे। नगर परिषद में पेयजल योजना का टेंडर ई-टेन्डर के माध्यम से मेसर्स सोरठिया वेल्जी रत्ना- एण्ड कंपनी को साल 2016 में जारी किया गया था। टेण्डर की शर्तो में पेयजल योजना के अंतर्गत नगर परिषद के 2700 घरो में घर-घर जल वितरण का लक्ष्य तय किया गया था। यह काम टेण्डर लेने वाली कंपनी को 18 माह की अवधि में पूर्ण करना था, और तय समय-सीमा में काम पूरा ना होने की स्थिति में बिल की राशि की 10 प्रतिशत रकम की कटौती किये जाने का प्रावधान था। पेयजल योजना का काम वर्तमान स्थिति में आधा-अधूरा है, और कंपनी द्वारा काम पूरा किये जाने का कोई प्रमाण-पत्र प्रस्तुत नहीं किया गया है। इसके बाद भी नगर परिषद अंजड के तत्कातालीन अध्यक्षो, सीएमओ, इंजिनियर और लेखापाल सहित अन्य ने काम पूरा नहीं होने के बाद भी बिना कटोती किये कंपनी को पूर रकम का भुगतान कर दिया। जॉच में सामने आया की काम के दौरान माप पुस्तिका एवं कैशबुक में कार्य का विवरण तथा संबंधित अधिकारी एवं ठेकेदार आदि के हस्ताक्षर नहीं हैं, और इसमें गलत प्रविष्टियां की गई हैं।

- इनकी सांठगांठ आई सामने

जॉच में पता चला की नगर परिषद अंजड की तत्कालीन अध्यक्षगण मंजुला राकेश पाटीदार और पुष्पाद परमार, तत्कालीन सीएमओ सुरेन्द्री सिंह परमार, अमरदास सैनानी एवं मायाराम सोलंकी, तत्कालीन इंजिनियर दिनेश पटेल एवं तत्कालीन लेखापाल हुकुमचंद मालवीय के द्वारा टेण्डर कंपनी की प्रोपराईटर सोरठिया वेल्जी रत्ना एण्ड कंपनी के प्रोपराईटर परेश सोरठिया एवं ठेकेदार मिनेष मकवाना के साथ मिलकर बिना काम पूरा किये बिना और टेण्डर के बाद अनुबंध की शर्तों का उल्लंघन करते हुए 10,20,46,254 (दस करोड, बीस लाख, छियालिस हजार, दो सौ चौवन रुपये) का भुगतान कर जहाँ अपने शासकीय दायित्वों का निर्वहन नहीं किया वहीं पद का दुरूपयोग करते हुए शासन को करोड़ो रूपये की क्षति पहुचाई है। जॉच के आधार पर ईओडब्ल्यू ने सभी आरोपियो के खिलाफ धारा 420, 467, 468, 471, 409, 120बी और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम का मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

अब सडक़ बनाने से पहले होगा लोक निर्माण सर्वेक्षण

भोपाल । मध्य प्रदेश में अब सडक़ निर्माण और मरम्मत के काम पुराने तरीके से नहीं होंगे। सडक़ बनाने या उसके नवीनीकरण का काम शुरू करने से पहले लोक निर्माण विभाग को मोबाइल ऐप के जरिए विस्तृत सर्वे कराना होगा। इसके बाद ही निर्माण कार्य को मंजूरी मिलेगी और काम पूरा होने पर दोबारा सर्वे के आधार पर ही भुगतान किया जाएगा। राज्य सरकार ने सडक़ निर्माण कार्यों में पारदर्शिता लाने और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए यह नई व्यवस्था लागू की है। इसके तहत लोक निर्माण विभाग ने लोक निर्माण सर्वेक्षण मोबाइल ऐप तैयार कराया है। इस ऐप के माध्यम से सडक़ और भवन निर्माण से जुड़े हर चरण की निगरानी की जाएगी।

नई व्यवस्था के अनुसार किसी भी सडक़ निर्माण, चौड़ीकरण या नवीनीकरण के लिए पहले संबंधित इंजीनियर और अधिकारी मौके पर जाकर मोबाइल ऐप से सर्वे करेंगे। सडक़ की लंबाई, चौड़ाई, मौजूदा स्थिति, गड्ढों की संख्या, आसपास की बसाहट और यातायात का दबाव जैसे बिंदुओं की जानकारी ऐप में अपलोड करनी होगी। इसके बाद ही सडक़ निर्माण का प्रस्ताव स्वीकृत होगा। निर्माण कार्य पूरा होने के बाद विभाग फिर से उसी सडक़ का सर्वे कराएगा। यदि काम निर्धारित मानकों के अनुसार पाया गया, तभी संबंधित ठेकेदार को भुगतान किया जाएगा। अगर निर्माण में कमी या अनियमितता मिली, तो भुगतान रोकने के साथ जिम्मेदार अधिकारियों और ठेकेदारों पर कार्रवाई भी की जा सकेगी।

गुणवत्ता सही नहीं होने के कारण सडक़ें हो जाती थीं खराब

लोक निर्माण विभाग का मानना है कि इससे फर्जी माप पुस्तिका, कागजी रिकॉर्ड और बिना काम के भुगतान जैसी शिकायतों पर रोक लगेगी। विभाग के अधिकारियों के अनुसार, कई बार सडक़ें बनने के कुछ ही समय बाद खराब हो जाती थीं, क्योंकि मौके पर गुणवत्ता की सही जांच नहीं हो पाती थी। मोबाइल ऐप के जरिए अब सडक़ निर्माण की पूरी प्रक्रिया डिजिटल रूप से रिकॉर्ड होगी। विभाग ने सभी जिलों के अधिकारियों को निर्देश जारी कर दिए हैं कि वे ऐप के उपयोग का प्रशिक्षण लें और निर्माण कार्यों की निगरानी इसी माध्यम से करें। इसके लिए इंजीनियरों और फील्ड अधिकारियों को मोबाइल आधारित प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। सरकार का दावा है कि इस नई व्यवस्था से सडक़ निर्माण में पारदर्शिता बढ़ेगी, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगेगा और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बनने वाली सडक़ों की गुणवत्ता पहले से बेहतर होगी। साथ ही निर्माण कार्यों की निगरानी आसान होने से समय पर काम पूरा कराने में भी मदद मिलेगी।

बुंदेलखंड में एक्सप्रेसवे के बाद 2 नई रेल लाइन

- बजट पास होते ही उम्मीदों को लगे पंख

भोपाल। बुंदेलखंड में रेल सुविधाओं के विकास की मांग लंबे समय से चली आ रही है, लेकिन बुंदेलखंड की उम्मीदें परवान नहीं चढ़ रही है। बुंदेलखंड में रेल सुविधाओं के विस्तार की मांग कई सालों से चल रही है, लेकिन अब तक कोई खास उपलब्धि बुंदेलखंड के हाथों नहीं आयी है। एक बार फिर इन उम्मीदों को पंख लगे हैं और 2 नयी रेललाइनों के सर्वे के लिए केंद्र सरकार ने बजट स्वीकृत किया है। सागर-छतरपुर-खजुराहो-भोपाल के अलावा दमोह-हटा-खजुराहो रेललाइन के सर्वे के लिए बजट स्वीकृत किया गया है।

केंद्र सरकार द्वारा बजट में बुंदेलखंड की 2 रेललाइनों के अध्ययन सर्वे के लिए राशि स्वीकृत की गयी है। जिनमें सागर-छतरपुर-खजुराहो-भोपाल के बीच नई रेल लाइन के लिए प्रारंभिक इंजीनियरिंग व यातायात सर्वेक्षण किया जाएगा। ये करीब 320 किमी की प्रस्तावित रेललाइन है। जिसके सर्वे के लिए 69 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं। वहीं दमोह-हटा नगर-खजुराहो के बीच नई रेल लाइन के लिए प्रारंभिक निरीक्षण (रिकॉनेसेंस) इंजीनियरिंग एवं यातायात सर्वेक्षण के लिए बजट स्वीकृत किया गया है। ये करीब 125 किमी लंबी रेललाइन होगी, इसके लिए 15 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की गयी है।

यूपीए सरकार में मिली थी इन 6 रेल लाइनों को स्वीकृति

समाजवादी नेता रघु ठाकुर के प्रयासों से यूपीए सरकार के समय बुंदेलखंड की 6 रेल लाइन करीब 12 साल पहले स्वीकृत हो चुकी थी। जिनमें ललितपुर से सागर, सागर से छिंदवाड़ा, सागर से छतरपुर, ललितपुर से गुना, झांसी से श्योपुर और भिंड से महोबा रेललाइन स्वीकृत की गयी है। रघु ठाकुर का कहना है कि बुंदेलखंड की 6 रेल लाइन स्वीकृत हुए 12 वर्ष का समय हो गया है, लेकिन 11 सालों में केंद्र सरकार और रेल मंत्रालय में स्वीकृत रेललाइनों के लिए एक भी पैसा मंजूर नहीं किया। नागरिक संयुक्त संघर्ष मोर्चा के तहत पिछले दिनों बुंदेलखंड के नेताओं ने दिल्ली में जंतर मंतर पर धरना दिया था।

अधिकारी स्तर पर होगा सर्वे

जो 2 नयी रेललाइन के अध्ययन सर्वे के लिए राशि स्वीकृत की गयी है। ये सर्वे और अध्ययन विशेषज्ञ अधिकारी करेंगे। जिसमें इंजीनियरिंग के साथ-साथ यातायात सर्वेक्षण किया जाएगा। अगर इन दोनों रेललाइनों को स्वीकृति मिलती है, तो बुंदेलखंड में रेल सुविधाओं के विस्तार में एक अहम पड़ाव होगा। सांसद लता वानखेड़े ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि बुंदेलखंड रेल सुविधाओं के मामले में काफी पिछड़ा है। इन रेललाइनों के सर्वे की स्वीकृति से इस इलाके में रेल सुविधाओं के विस्तार की उम्मीद जगी है, जो बुंदेलखंड के विकास की रफ्तार को तेज करेगी।

श्रीराम वन गमन पथ में जोड़े जाएंगे 10 और स्थल

- अब 25 की जगह 35 तीर्थो के दर्शन कर सकेंगे श्रद्धालु

भोपाल। मध्य प्रदेश से गुजरने वाले श्रीराम वन गमन पथ में अब 10 नए स्थल जुड़ेंगे। इनमें वे स्थान भी शामिल हैं, जहां श्रीराम अयोध्या का राजा बनने के बाद गए थे या उन्होंने तीर्थ दर्शन किए। श्रीराम सांस्कृतिक शोध संस्थान न्यास के प्रबंध न्यासी व शोधकर्ता डॉ. रामअवतार का कहना है कि मध्य प्रदेश में अब तक श्रीराम वन गमन पथ पर 25 स्थल चिह्नित हुए हैं। 10 और बढऩे से इनकी संख्या 35 हो जाएगी।

श्रीराम वन गमन पथ मार्ग के स्थलों को चिह्नित करने में जुटे डॉ. रामअवतार कहते हैं कि प्रदेश सरकार केवल अभी भगवान श्रीराम के पथ से जुड़े स्थलों पर शोध करवा रही है। अभी इस पर काम शुरू नहीं हुआ है। वहीं उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रीराम वन गमन पथ मार्ग में परिवर्तन कर कई स्थलों को निकाल दिया है। ऐसा ही प्रयास छत्तीसगढ़ सरकार ने भी किया था, लेकिन उन्होंने बाद में सुधार कर लिया।

48 वर्षों का शोध और भारत सरकार की मान्यता

बता दें, डॉ. रामअवतार रामायण परिपथ, पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार के अध्यक्ष भी हैं। डॉ. रामअवतार ने कई देशों में भगवान श्रीराम की यात्राओं पर शोध पत्र प्रस्तुत किए हैं। वह 48 वर्षों से श्रीराम वन गमन पथ पर शोध कर रहे हैं। इसे भारत सरकार ने भी मान्यता दी है।

इन स्थलों की हो रही खोज

उमरिया-कटनी जिले के बीच कहेंदुआ पहाड़ की तलाश है, जो महानदी के किनारे तैमूर पहाड़ से 15-20 किमी की दूरी पर दक्षिण में स्थित है। यह स्थान मार्कंडेय आश्रम के पास बताया जा रहा है। मान्यता है कि श्रीराम ने वनवास के दौरान इस पहाड़ पर कहेंदुआ राक्षस का वध किया था। अनूपपुर-डिंडोरी के बीच रूसा गांव में भी श्रीराम रुके थे। यहां के भी एक स्थल की तलाश है। सीधी-सिंगरौली जिले के बीच माड़ा और बैढऩ के पास का तीर्थमय पहाड़ है, जिसकी खोज हो रही है। उमरिया-अनूपपुर जिले में दो और सीधी-सिंगरौली के एक स्थल की तलाश है, जहां भगवान कुछ दिन रुके थे।

अभी तक ये 25 स्थल चिह्नित, सतना के सबसे ज्यादा

सतना जिले के चित्रकूट में स्फटिक शिला, गुप्त गोदावरी, अत्रि आश्रम, शरभंग आश्रम, अश्वमुनि आश्रम, सिलहा गांव में सुतीक्ष्ण आश्रम, सिद्धा पहाड़, रक्सेला गांव में सीता रसोई और रामसेल। पन्ना में पहाड़ी खेरा गांव में बृहस्पति कुंड, सारंगधर गांव में सुतीक्ष्ण आश्रम, बड़े गांव में अग्निजिह्वा आश्रम और सलेहा में अगस्त्य आश्रम। मैहर जिले में राम जानकी मंदिर, कटनी जिले के भरभरा में शिव मंदिर, जबलपुर जिले में पिपरिया के पास रामघाट शामिल हैं। नर्मदापुरम में पासी घाट और माच्छा के राम मंदिर। बालाघाट जिले में राम पायली, मंडला में सीता रपटन। उमरिया जिले में राम मंदिर, दशरथ घाट और मार्कंडेय आश्रम, शहडोल के गंधिया में सीतामढ़ी और अनूपपुर के कनवाई में स्थित सीतामढ़ी।

इन स्थानों पर भगवान राम के पहुंचने की मान्यता

प्रभु श्रीराम और उनसे जुड़े प्रसंगों को लेकर मान्यता है कि चित्रकूट के कामदगिरि पर्वत, रामघाट और मंदाकिनी नदी से उनका गहरा जुड़ाव रहा। कुछ कथाओं के अनुसार, श्रीराम ने नर्मदा उद्गम स्थल अमरकंटक की यात्रा की थी। मध्य प्रदेश की सीमा से लगा महाराष्ट्र का रामटेक भी श्रीराम वन गमन पथ का हिस्सा है। मान्यता है कि यहां भी श्रीराम ने वनवास का कुछ समय बिताया था। इसके अलावा मंडला और अनेक नर्मदा तटों पर भी श्रीराम के पहुंचने और पूजन करने की बात कही जाती है।

भर्ती के लिए जगह-जगह की जा रही बैंड की प्रस्तुति

- पुलिस बैंड की भर्ती के लिए युवाओं को आकर्षित करने में जुटी पुलिस

भोपाल । मध्य प्रदेश के हर जिले में पुलिस बैंड के लिए, पुलिस मुख्यालय द्वारा 679 पदों पर की जा रही सीधी भर्ती के लिए पुलिस जगह-जगह बैंड बजा रही है। दरअसल पुलिस बैंड में भर्ती के लिए उम्मीद के मुताबिक, आवेदन नहीं पहुंच रहे। युवाओं को पुलिस बैंड में शामिल कराने के लिए प्रदेश भर में सातवीं वाहनी पुलिस बैंड द्वारा जिला स्तर पर पुलिस बैंड की प्रस्तुति दी जा रही है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह पुलिस बैंड की प्रस्तुति 19 अप्रैल तक लगातार की जाएगी। 19 अप्रैल को आवेदन करने की अंतिम तारीख है। भर्ती के लिए वाद्ययंत्रों के हिसाब से युवाओं का चयन किया जाएगा। पुलिस बैंड में भर्ती के लिए आवेदन प्रकिया 5 अप्रैल से शुरू हो गई है। इसमें आवेदन के लिए आखिरी तारीख 19 अप्रैल है। भर्ती में वहीं अभ्यर्थी भाग ले सकेंगे, जो जारी की गई 18 वाद्य यंत्रों में से किसी एक वाद्य यंत्र को बजाने में सक्षम होंगे। इसके लिए सूची एक में इन वाद्य यंत्रों की सूची दी गई है। इसमें शामिल हैं पिकोलो, कान्सर्ट फ्लिय्ट, ओबो, क्लारिनेट, आल्टो सेक्सोफोन, टेनर सेक्सोफोन, फ्रेंच हार्न, ट्रम्पिट, कॉरनेट, ट्रम्बोन, बसून, इफोनियम, बेस ट्यूबा, बैग पाईप, टेनर ड्रम, बिगुल, साईड ड्रम और बेस ड्रम।

युवाओं को आकर्षित करने में जुटी पुलिस

इन वाद्य यंत्रों में से किसी एक को मनाने का ज्ञान होने पर भी अभ्यर्थी परीक्षा में हिस्सा ले सकेंगे। इसके अलावा सूची बी में की-बोर्ड/आर्गन/प्यानो, गिटार, वायलिन/वायोला/स्ट्रिंगबेस, प्रकाशन/ड्रम और सितार, तबला, हारमोनियम, बांसुरी, सरोद, सारंगी, संतूर को ज्ञान रखने वालों को अतिरिक्त योग्यता माना जाएगा। इसके लिए अभ्यर्थियों को अलग से बोनस अंक दिए जाएंगे।

इस तरह होगा सिलेक्शन

पुलिस की इस भर्ती में अभ्यर्थियों को किसी तरह की लिखित परीक्षा से नहीं गुजरना होगा, बल्कि इसके स्थान पर अपनी संगीत कला का प्रदर्शन करना होगा। परीक्षा के पहले चरण में स्किल टेस्ट होगा, इसमें स्किल टेस्ट लिया जाएगा। इसमें सूची ए में शामिल 18 वाद्य यंत्रों का टेस्ट लिया जाएगा। इसके रिजल्ट के बाद दूसरे चरण में बैण्ड वादन टेस्ट लिया जाएगा। स्किल टेस्ट में किसी भी तरह के अंक नहीं दिए जाएंगे।

दूसरा चरण- दूसरे में बैण्ड वादन टेस्ट होगा। यह 75 अंकों का होगा। इसमें ट्रेड संबंधी टेस्ट में 60 अंक दिए जाएंगे। सूची बी में शामिल वाद्य यंत्रों में एक म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट का ज्ञान होने पर 5 अंक दिए जाएंगे, जबकि एक से ज्यादा म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट का ज्ञान होने पर अधिकतक 15 अंक दिए जाएंगे।

टेस्ट में सफल होने पर होगा इंटरव्यू

स्किल टेस्ट में सफल रहने वाले अभ्यर्थियों का साक्षात्कार के लिए सिलेक्ट किया जाएगा। साक्षात्कार के लिए विज्ञापन की संख्या से तीन गुना अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाया जाएगा। इंटरव्यू के लिए 25 अंकों के नंबर निर्धारित किए गए हैं। साक्षात्कार के दौरान अभ्यर्थियों से ट्रेड का ज्ञान, एनसीसी, खेलकूद, व्यक्तिगत, अभिव्यक्ति, संबोधन और सामान्य ज्ञान से जुड़े सवाल पूछे जाएंगे।

समर्थन मूल्य पर पहले दिन हुई 1616 क्विंटल गेहूँ की खरीदी- खाद्य मंत्री

भोपाल। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया है कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। गेहूँ का उपार्जन इंदौर, उज्जैन, भोपाल और नर्मदापुरम संभाग में 9 अप्रैल से शुरू हो चुका है। पहले दिन 45 उपार्जन केन्द्रों पर 1616 क्विंटल गेहूँ का उपार्जन किया गया है। उन्होंने बताया कि शेष संभागों में 15 अप्रैल से गेहूँ का उपार्जन शुरू किया जायेगा। खाद्य मंत्री श्री राजपूत ने बताया है कि प्रदेश में गेहूँ उपार्जन के लिये इस वर्ष रिकार्ड 19 लाख 4 हजार किसानों ने पंजीयन कराया है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3 लाख 60 हजार अधिक है। विगत वर्ष समर्थन मूल्य पर लगभग 77 लाख मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया गया था। इस वर्ष विपरीत परिस्थितियों के बावजूद किसानों के हित में सरकार द्वारा 78 लाख मीट्रिक टन गेहूँ के उपार्जन का लक्ष्य रखा गया है, जो कि पिछले वर्ष से एक लाख मीट्रिक टन अधिक है। रबी विपणन वर्ष 2026-27 में समर्थन मूल्य पर गेहूँ उपार्जन के लिये अभी तक 97 हजार 474 किसानों द्वारा 4 लाख 46 हजार 582 मीट्रिक टन गेहूँ के विक्रय के लिये स्लॉट बुक किये जा चुके हैं। किसानों से 2585 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य एवं राज्य सरकार द्वारा घोषित 40 रुपये प्रति क्विंटल बोनस राशि सहित 2625 रुपये प्रति क्विंटल की दर से गेहूँ का उपार्जन किया जा रहा है। गेहूँ के उपार्जन के लिये आवश्यक बारदानों की व्यवस्था भी की जा चुकी है। उपार्जित गेहूँ को रखने के लिये जूट बारदानों के साथ ही पीपी/एचडीपी बैग एवं जूट के भर्ती बारदाने का उपयोग किया जा रहा है। समर्थन मूल्य पर उपार्जित गेहूँ के सुरक्षित भंडारण की पर्याप्त व्यवस्था की गई है।

टीईटी अनिवार्यता के विरोध में शिक्षकों का प्रदर्शन...

भोपाल। भोपाल में शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य किए जाने के आदेश के खिलाफ शिक्षकों में गहरा रोष देखने को मिला। 20 से 25 वर्ष की सेवा दे चुके शिक्षकों का कहना है कि दोबारा परीक्षा देने की शर्त उनके अनुभव और सम्मान पर प्रश्नचिह्न लगाती है। जिला स्तरीय प्रदर्शन के बाद शिक्षकों ने लोक शिक्षण संचालनालय के संचालक को ज्ञापन सौंपकर आदेश वापस लेने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान शिक्षिका शीबा खान ने कहा कि यदि अनुभवी शिक्षकों से दोबारा परीक्षा ली जा रही है, तो क्या 26 वर्ष के अनुभवी कलेक्टर से भी पुन: परीक्षा ली जाएगी? उन्होंने इसे अव्यावहारिक निर्णय बताते हुए हजारों शिक्षकों के भविष्य पर संकट बताया। अध्यापक-शिक्षक संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारी उपेंद्र कौशल ने चेतावनी दी कि यदि 11 अप्रैल तक राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय में पुनर्विचार याचिका दाखिल नहीं करती, तो आंदोलन फिर शुरू होगा।

सफाई व्यवस्था की खुली पोल, 21 में से 11 जोन फेल

स्वच्छ सर्वेक्षण से पहले भोपाल नगर निगम ने कराया सर्वे

भोपाल। स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 की शुरुआत 10 अप्रैल से सिटीजन फीडबैक के साथ होने जा रही है, लेकिन शहर की सफाई व्यवस्था सवालों के घेरे में है। दरअसल नगर निगम के द्वारा हाल में ही कराए गए अंदरुनी सर्वे में सामने आया है कि शहर के 21 में से 11 जोनों के वार्डों में सफाई की स्थिति बेहद खराब है। कई जोनों में प्रभारी एएचओ सुबह तय समय पर फील्ड में भी नहीं पहुंच रहे हैं। ऐसे में अब निगम प्रशासन इन जोनों में बड़े बदलाव की तैयारी में जुट गया है।

बता दें कि नगर निगम ने हाल ही में शहर के सभी वार्डों का आंतरिक सर्वे कराया था। इस सर्वे में जोन 1, 2, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 17 और 19 की स्थिति सबसे ज्यादा खराब पाई गई। कई वार्डों में नियमित सफाई नहीं हो रही है और अंदर की कालोनियों में कचरा लंबे समय तक पड़ा रहता है। इसमें अधिकारियों की निगरानी भी कमजोर पाई गई। वहीं सर्वे में यह भी सामने आया कि कई जोनों के प्रभारी एएचओ तय समय के अनुसार सुबह 6 बजे फील्ड में पहुंचने के बजाय सुबह 8 बजे के बाद ही निकल रहे हैं। इससे सफाई व्यवस्था पर सीधा असर पड़ रहा है। नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन ने हाल ही में शहर के कई इलाकों का निरीक्षण किया था। निरीक्षण के दौरान कई स्थानों पर सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। इसके बाद आयुक्त ने सभी अधिकारियों को सुबह 6 बजे से ही फील्ड में मौजूद रहने के निर्देश दिए। हालांकि कई जोन के प्रभारी एएचओ ने इन निर्देशों को गंभीरता से नहीं लिया। यही कारण है कि अब निगम प्रशासन इन जोनों में जिम्मेदार अधिकारियों को बदलने की तैयारी कर रहा है।

आज से शुरु होगा सिटीजन फीडबैक

जानकारी के अनुसार जोन 1, 4, 5, 8, 9, 10, 11, 12, 15, 17 और 19 के प्रभारी एएचओ पिछले 7 से 10 साल से एक ही जोन में पदस्थ हैं। इससे कामकाज में ढिलाई और जवाबदेही की कमी देखी जा रही है। इधर, स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के तहत 10 अप्रैल से सिटीजन फीडबैक लिया जाएगा। इसके बाद 16 अप्रैल से 31 मई के बीच फील्ड असेसमेंट होगा, जिसमें केंद्र की टीम शहर में आकर सफाई व्यवस्था का निरीक्षण करेगी। इस बीच शहर में मेट्रो, पीडब्ल्यूडी और एनएचएआई के कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं, जिससे सडक़ों पर धूल की समस्या बढ़ गई है। ऐसे में सर्वेक्षण से पहले निगम प्रशासन के सामने शहर की सफाई व्यवस्था सुधारना बड़ी चुनौती बन गया है।

कर्मचारियों के 'आनंद' में मप्र से आगे निकला छत्तीसगढ़

- योग के लिए 12 दिन की छुट्टी का प्रावधान

भोपाल। देश में शासकीय सेवक और आम लोगों के जीवन में आनंद लाने के लिए सबसे पहले विभाग का संचालन मप्र ने शुरू किया था। फिलहाल मप्र में आनंद विभाग का दायरा सीमित है। इसके उलट छत्तीसगढ़ में सरकार ने सरकारी कर्मचारियों के आनंद के लिए 12 दिन की छुट्टी का प्रावधान कर दिया है। इतना ही नहीं पूरे सेवाकाल में कर्मचारी 6 बार इसका लाभ ले सकेंगे। जबकि मप्र में शासकीय सेवकों को ध्यान शिविर में भाग लेने के लिए भेजती है।

छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी आदेश के अनुसार अखिल भारतीय सेवा के अधिकारी सहित राज्य सेवा के अधिकारी-कर्मचारियों को पूरे सेवाकाल में अधिकतम 6 बार विशेष आकस्मिक अवकाश (स्पेशल कैजुअल लीव) मिलेगा। हर शिविर के लिए यात्रा समय समेत अधिकतम 12 दिन का अवकाश स्वीकृत होगा। इसके पीछे सरकार की मंशा अधिकारियों और कर्मचारियों की कार्यक्षमता बढ़ाने, मानसिक तनाव कम करने और नैतिक मूल्यों को मजबूत करना है।

छुट्टी के लिए जरूरी प्रावधान

छत्तीसगढ़ में शासकीय सेवक को आवेदन के साथ संबंधित विपश्यना केंद्र की तरफ से जारी पत्र लगाना अनिवार्य होगा। शिविर पूरा होने के बाद कंप्लीशन सर्टिफिकेट कार्यालय में जमा करना होगा। प्रमाण-पत्र जमा नहीं करने पर अवकाश को अन्य अर्जित छुट्टियों में समायोजित कर दिया जाएगा। अवकाश की स्वीकृति संबंधित विभाग के सक्षम अधिकारी द्वारा, शासकीय कार्य प्रभावित न हो, इस ध्यान में रखकर दी जाएगी। इस अवधि को ऑन ड्यूटी माना जाएगा और पूरा वेतन दिया जाएगा। शिविर में भाग लेने के लिए किसी प्रकार का यात्रा भत्ता या अन्य खर्च शासन की ओर से वहन नहीं किया जाएगा।

इधर मप्र में यात्रा का खर्च उठाती है सरकार

मप्र में राज्य आनंद संस्थान की ओर से शासकीय सेवकों को चार ध्यान केंद्र बैंगलुरु, कोयंबटूर, पंचमनी और हैदराबाद भेजा जाता है। यात्रा एवं अन्य खर्च सरकार उठाती है। कर्मचारी को सिर्फ पंजीयन शुल्क देना होता है। यह सुविधा पूरे सेवा काल में सिर्फ एक बार मिलती है। मंत्रालय के कर्मचारी नेता सुभाष वर्मा एवं शैलेन्द्र पांडेय ने बताया कि वे मप्र सरकार के आनंद विभाग की इस सुविधा का लाभ ले चुके हैं। वर्मा ने बताया कि विभाग अलग-अलग समय में शासकीय सेवकों को शिविर में भेजता है। इसका उद्देश्य मानसिक तनाव कम करना और कार्यक्षमता बढ़ाना है।

आज होगी आरसीबी और रॉयल्स में टक्कर

गुवहाटी। आईपीएल में शुक्रवार को राजस्थान रॉयल्स का मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा। गुवाहाटी के बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस मैच में रॉयल्स टीम को घरेलू मैदान होने का लाभ मिलेगा। रियान पराग की कप्तानी में रॉयल्स ने अब तक अपने तीन मैच जीते हैं और इस समय 6 अंक के साथ ही वह अंक तालिका में शीर्ष पर है। वहीं रजत पाटीदार की कप्तानी में उतरी आरसीबी ने दो मैच जीते हैं जिससे उसके चार अंक हैं और वह तालिका में तीसरे नंबर पर है।

राजस्थान ने जहां चेन्नई सुपर किंग्स, गुजरात टाइटन्स और मुंबई इंडियंस को हराया है। वहीं आरसीबी ने सनराइजर्स हैदराबाद और चेन्नई सुपर किंग्स को पराजित किया है। दोनो ही टीमों के बल्लेबाज और गेंदबाजों ने अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में ये मुकाबला कांटे का होना तय है। दोनो की ही बल्लेबाज मजूबत है। राजस्थान के पास यशस्वी जायस्वाल और वैभव सूर्यवंशी जैसे बल्लेबाज हैं वहीं आरसीबी के पास विराट कोहली और रजत पाटीदार जैसे बल्लेबाज हैं। गेंदबाजी में हालांकि रॉयल्स ज्यादा मजबूत नजर आती है। आरसीबी के पास जैकब डफी और भुवनेश्वर कुमार जबकि रॉयल्स के पास जोफ्रा आर्चर और नांद्रे बर्गर जैसे तेज गेंदबाज हैं।

आंकड़ों पर नजर डालें तो आईपीएल में अब तक हुए कुल 34 मुकाबलों में से राजस्थान ने 14 मैच जीते हैं, जबकि बेंगलुरु ने 17 मैच जीते हैं। वहीं 3 मैचों का परिणाम नहीं निकला। बारसापारा क्रिकेट स्टेडियम की पिच यह बल्लेबाजी के लिए अनुकूल मानी जाती है। ऐसे में यहां बड़े स्कोर वाला मैच प्रशंसकों को देखने को मिलना तय है। गेंदबाजों को विकेट के लिए यहां काफी मेहनत करनी होगी। इस मैच में दोनो ही टीमें जीत दर्ज कर अपना हौंसला बढ़ना चाहेंगी।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

आरसीबी - रजत पाटीदार (कप्तान), फिलिप सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, रोमारियो शेफर्ड, क्रुणाल पांड्या, भुवनेश्वर कुमार, अभिनंदन सिंह और जैकब डफी।

राजस्थान रॉयल्स - रियान पराग (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, वैभव सूर्यवंशी, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), शिमरॉन हेटमायर, डोनोवन फरेरा, रविंद्र जडेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे और संदीप शर्मा।

शुभमन, कृष्णा की चाल में फंसे मिलर, दिल्ली के हाथ से फिसली जीत

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस ने यहां हुए आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ एक रन से जीत हासिल कर ली। इस मुकाबले में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल और तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा की चाल में कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर फंस गये और टीम के हाथ में आई जीत फिसल गयी। इस जीत के साथ ही गुजरात ने अंक तालिका में अपना खाता खोल लिया। इस मैच में कैपिटल्स को अंतिम 2 गेंदों पर 2 रनों की जरुरत थी। ऐसे में मिलर की एक गलती से मैच दिल्ली के हाथ से निकल गया। अंतिम गेंद पर जब दिल्ली को 1 गेंद पर 2 रन की जरुरत थी तो शुभमन और कृष्णा के बीच लंबी बातचीत हुई जिससे मिलर को रन बनाने से रोकने की योजना बनी जो सफल रही। मिलर ने 5वीं गेंद पर स्ट्राइक अपने पास रखने के लिए एक रन नहीं लिया जिससे गुजरात को मौका मिल गया। अंतिम गेंद को लेकर शुभमन और कृष्णा के बीच बातें हुईं जिसके बाद मिलर को धीमी बाउंसर की गयी। जिसपर मिलर रन नहीं बना पाये। शुभमन ने मैच के बाद कहा, हम इसको लेकर संशम में थे कि यॉर्कर फेंकें या स्लोअर फेंकें पर अंत में लगा कि धीमी गेंद पर रन बनाना कठिन रहेगा जो सही हुआ। मिलर अपना बल्ला गेंद पर अड़ा नहीं पाये वह विकेट कीपर जोस बटलर के हाथों में गई। वहीं इस बीच रन के लिए दौड़े कुलदीप को बटलर ने आसनी से रन आउट कर अपनी टीम को जीत दिला दी। और इस प्रकार दिल्ली के हाथ से जीता हुआ मैच फिसल गया जिसके कारण ये बल्लेबाज आलोचना का शिकार भी हुआ।

ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में आया बदलाव, शुभमन, कृष्णा और राशिद को हुआ लाभ

नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस के बीच हुए मैच के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की सूची में हल्का सा बदलाव आया है। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल अब 3 मैचों में 109 रन बनाकर ऑरेंज कैप की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गये हैं। शुभमन ने गुजरात के खिलाफ 70 रन बनाये थे। वहीं गुजराह के ही बल्लेबाज जोस बटलर तीन मैचों में 116 रन बनाकर छठे स्थान पर आ गये हैं। उन्होंने इस मैच में 52 रन बनाये थे। वहीं गुजरात टाइटंस के राहुल ने इस , मैच में 92 रन बनाये थे पर वह अब तक शीर्ष 10 में भी जगह नहीं बना पाये हैं। वह तीन मैचों में 93 रन बनाकर 18वें नंबर पर हैं। अभी तक राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल 170 रन बनाकर नंबर एक स्थान पर बने हुए हैं।

आईपीएल 2026 ऑरेंज कैप के दावेदार -

खिलाड़ी	मैच	रन	टीम
यशस्वी जायसवाल	3	170	राजस्थान रॉयल्स
समीर रिजवी	3	160	दिल्ली कैपिटल्स
हेनरिक क्लासेन	3	145	सनराइजर्स हैदराबाद
वैभव सर्यवंशी	3	122	राजस्थान रॉयल्स
रोहित शर्मा	3	118	मुंबई इंडियंस
जोस बटलर	3	116	गुजरात टाइटंस
देवदत्त पडिक्कल	2	111	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
अंगकृष रघुवंशी	3	110	कोलकाता नाइट राइडर्स
शुभमन गिल	3	109	गुजरात टाइटंस
कूपर कोनोली	3	108	पंजाब किंग्स

वहीं सबसे अधिक विकेट के लिए मिलने वाली पर्पल कैप की दौड़ में राजस्थान रॉयल्स के रवि बिशनोई नंबर 7 विकेट लेकर नंबर एक पर बरकरार हैं जबकि गुजरात के तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा और स्पिनर राशिद खान को भी लाभ हुआ है। कृष्णा 6 विकेट लेकर दूसरे जबकि राशिद 5 विकेट लेकर तीसरे नंबर पर आ गये हैं। दिल्ली के लुंगी एनगिडी भी 5 विकेट लेकर चौथे नंबर पर हैं।

आईपीएल 2026 पर्पल कैप के दावेदार

खिलाड़ी	मैच	विकेट	टीम
रवि बिश्नोई	3	7	राजस्थान रॉयल्स
प्रसिद्ध कृष्णा	3	6	गुजरात टाइटंस
राशिद खान	3	5	गुजरात टाइटंस
लुंगी एनगिडी	3	5	दिल्ली कैपिटल्स
नांद्रे बर्गर	3	5	राजस्थान रॉयल्स
विजयकुमार	3	5	पंजाब किंग्स
जैकब डफी	2	5	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
अंशुल कम्बोद	3	5	चेन्नई सुपर किंग्स
प्रिंस यादव	2	4	लखनऊ सुपर जायंट्स
हर्ष दुबे	3	4	सनराइजर्स हैदराबाद

हार के बाद भी आईपीएल अंक तालिका में शीर्ष पांच में बरकरार दिल्ली

गुजरात छठे स्थान पर

नई दिल्ली। दिल्ली कैपिटल्स और गुजरात टाइटंस मैच के बाद आईपीएल 2026 की अंकतालिका में कुछ बदलाव आया है। इस मैच में गुजरात ने जीत के साथ ही खाता खोला है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स हार के बाद भी शीर्ष पांच टीमों में बरकरार है। इस मैच में जीत से गुजरात की टीम 6ठे नंबर पर पहुंच गई है। वहीं हार के बाद भी दिल्ली शीर्ष-4 में बरकरार है।

आईपीएल अंक तालिका में राजस्थान रॉयल्स सभी तीनों मैच जीतकर पहले जबकि पंजाब किंग्स दो मैच जीतकर दूसरे। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अपने दोनो मैच जीतकर तीसरे नंबर पर है। दिल्ली कैपिटल्स चौथे जबकि सनराइजर्स हैदराबाद पांचवें नंबर पर है। दिल्ली ने इस सत्र की पहली जीत हासिल की है। इससे पहले उसे दो मैचों में हार का सामना करना पड़ा था।

वहीं राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अभी तक अपने सभी मैच जीती हैं।

आईपीएल 2026 अंक तालिका

टीमें	मैच	जीते	हारे	बेनतीजा	नेट रन रेट	अंक
राजस्थान रॉयल्स	3	3	0	0	2.403	6
पंजाब किंग्स	3	2	0	1	0.637	5
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	2	0	0	2.501	4
दिल्ली कैपिटल्स	3	2	1	0	0.811	4
सनराइजर्स हैदराबाद	3	1	2	0	0.275	2
गुजरात टाइटंस	3	1	2	0	-0.270	2
लखनऊ सुपर जायंट्स	2	1	1	0	-0.542	2
मुंबई इंडियंस	3	1	2	0	-0.715	2
कोलकाता नाइट राइडर्स	3	0	2	1	-1.964	1
चेन्नई सुपर किंग्स	3	0	3	0	-2.517	0

मिलर के बचाव में उतरे गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज डेविड मिलर के गुजरात टाइटंस के खिलाफ मैच में अंतिम ओवर की पांचवी गेंद पर एक रन नहीं लेने के फैसले का बचाव करते हुए कहा है कि मिलर की इसमें कोई गलती नहीं लगती। गावस्कर के अनुसार मिलर को लग रहा था कि वह अच्छे फार्म में हैं और अंतिम गेंद पर आसानी से बड़ा शॉट लगा देंगे। इसी कारण उन्हें एक रन लेककर कुलदीप यादव को स्ट्राइक नहीं दी। वहीं इस मैच में कपिटल्स की हार के बाद सभी लोगों का मानना था कि मिलर ने गलती की है।

शुभमन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल का आईपीएल मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत का मजा उस समय किरकिरा हो गया जब धीमी ओवर गति के लिए उनपर जुर्माना लग गया। गुजरात को इस रोमांच मुकाबले में एक रन से जीत मिली। वहीं मैच समाप्त होने के कुछ समय बाद ही भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुभमन पर जुर्माना लगा दिया। टीम की धीमी ओवर गति के लिए शुभमन पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह इस सत्र में गुजरात की पहली गलती थी। आईपीएल आचार संहिता के आर्टिकल 2.22 के तहत न्यूनतम ओवर रेट बनाए रखना जरूरी होता है। अगर कोई टीम इसमें गलती करती है तो कप्तान पर जुर्माना लगाया जाता है। ये गुजरात का पहला अपराध था, इसलिए गिल पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा।

बीसीसीआई ने आईपीएल को लेकर नियमों को सख्त किया

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में अनुशासन बनाये रखने के लिए सख्त नियम बनाये हैं। नए नियम के तहत अब केवल वही 16 खिलाड़ी मैदान पर प्रवेश कर सकेंगे, जिनका नाम आधिकारिक टीम शीट में दर्ज होगा। इससे साफ है कि जो खिलाड़ी इस सूची में शामिल नहीं हैं, वे किसी भी स्थिति में मैदान पर कदम नहीं रख सकेंगे। ड्रिंक्स ले जाना,खिलाड़ियों तक रणनीतिक संदेश पहुंचाना, बैट या अन्य उपकरण मैदान में देना, इन सभी कार्यों पर अब प्रतिबंध रहेगा। यदि खिलाड़ी नामित 16 में शामिल नहीं है। इसके अलावा, बाउंड्री लाइन के आसपास मौजूद खिलाड़ियों की संख्या भी सीमित कर दी गई है। अब एक समय में अधिकतम पांच खिलाड़ी ही बिब पहनकर बाउंड्री के पास रह सकते हैं। ये पांच खिलाड़ी नामित 16 में से भी हो सकते हैं या बाकी स्क्वॉड से, लेकिन संख्या पांच से अधिक नहीं होगी।

वहीं अब तक आईपीए टीमों की स्क्वॉड में लगभग 25 खिलाड़ी होते हैं और उनमें से कई खिलाड़ी मैच के दौरान बाउंड्री लाइन के पास सक्रिय रहते थे लेकिन अब नए नियम के बाद अब मैदान के पास भीड़ कम होगी, गैर-खेलने वाले खिलाड़ियों की भूमिका सीमित हो जाएगी। ऐसे में टीमों को अपनी रणनीति और संचार के तरीकों में बदलाव करना होगा। टीम अधिकारियों के अनुसार, यह निर्देश हाल ही में सभी फ्रेंचाइज़ियों को भेजा गया है। ऐसे में अब मैदान के किनारे खिलाड़ियों का वार्म-अप करना, सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों का ड्रिंक्स लेकर दौड़ना, और हर ओवर के बीच रणनीतिक संदेशों का आदान-प्रदान जैसे काम अब नहीं होंगे।

शराब पीकर वाहन चलाते हुए पकड़े गये वार्नर

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई के पूर्व क्रिकेट डेविड वार्नर एक बार विवादों में है। वार्न को सिडनी पुलिस ने शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में पकड़ा है। वार्नर संन्यास के बाद से ही लीग क्रिकेट में सक्रिय हैं और अभी पाकिस्तान सुपरलीग (पीएसएल) में खेलते हैं। वॉर्नर को सिडनी के पूर्वी उपनगर में शराब पीकर गाड़ी चलाने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा है। एक रिपोर्ट के अनुसार ये मामला ईस्टर संडे की रात का है। वॉर्नर अपनी वैन से वापस अपने घर की ओर जा रहे थे। तभी रास्ते में सिडनी पुलिस की जांच में टेस्टिंग' के लिए एक चेकपॉइंट बनाया हुआ था। पुलिस ने देखा कि चेकपॉइंट से कुछ ही दूरी पहले एक वैन अचानक रुक गई और पार्क होने लगी। पुलिस ने संदेह होने पर रोककर उनकी जांच की जिसमें पाया गया कि उन्होंने शराब पी है।

इस दौरान वार्नर ने पुलिस के साथ सहयोग किया और स्वीकार किया कि वह अपने एक दोस्त के

साथ थे और गाड़ी चलाने से पहले उन्होंने वाइन के तीन गिलास पीये थे। उन्हें पुलिस स्टेशन ले जाया गया, जहां जांच में उनके खून में अल्कोहल का स्तर 0.104 पाया गया। गौरतलब है कि ऑस्ट्रेलिया में अल्कोहल की कानूनी सीमा 0.05 है, जिसका अर्थ है कि वॉर्नर का अल्कोहल स्तर निर्धारित सीमा से दोगुने से भी अधिक था। उन पर 'मिड-रेंज ड्रिंक-ड्राइविंग' का आरोप लगाया गया है और उन्हें 7 मई को डाउनिंग सेंटर लोकल कोर्ट में पेश होने का आदेश दिया गया है। वॉर्नर पहले भी विवादों में रहे हैं। साल 2018 का कुख्यात 'सैंडपेपर गेट' (बॉल टैम्परिंग स्कैंडल) उनके करियर का सबसे काला अध्याय माना जाता है, जिसके कारण उन पर कप्तानी का आजीवन प्रतिबंध लगा था। वहीं अब शराब पीकर वाहन चलाने के कारण उनकी व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं और विज्ञापन अनुबंधों पर संकट के बादल छा गया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद वारासिवनी, जिला-बालाघाट (म.प्र.)

क्रमांक/981/रा.शा./न.पा.प./2026 **वारासिवनी,दिनांक 07-04-2026**

दुकानों के अन्तरण किये जाने सूचना

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है, कि नगरपालिका परिषद वारासिवनी जिला बालाघाट द्वारा विकसित किये जा रहे वार्ड कमांक 10 सी.एम.ओ. क्वार्टर में निर्माणाधीन कॉम्पलेक्स में भू-तल की दुकानों का अन्तरण ''मध्य प्रदेश नगर पालिका अचल सम्पत्ति का अन्तरण नियम-2016'' तथा संशोधित नियम 04 मई 2021 में दिये गये शर्तों के अधीन 30 वर्ष की लीज पर किये जाने हेतु लम्प-सम्प (उच्चत्तम दर) आधार पर ऑन लाईन निविदा बुलाई जा रही है निविदा का विस्तृत विवरण https://www.mptenders.gov.in पर उपलब्ध है। निविदादाता जो वेबसाईट में पंजीकृत है इस निविदा में दरें प्रस्तुत कर सकते है। अंतरण से संबंधित नियम, शर्तों एवं आरक्षण से संबंधित जानकारी एवं अन्य विवरण कार्यालयीन दिवस में राजस्व शाखा में देखी जा सकती है। आरक्षित दुकान में भाग लेने हेतु जाति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य है। विवरण निम्नानुसार है-

स्थल- वार्ड क्रमांक 10 सी.एम.ओ. क्वार्टर में निर्माणाधीन कॉम्पलेक्स में भू-तल की दुकानें।

क्र.	टेंडर क्रमांक जारी दिनांक	दुकान क्रमांक	साईज (वर्गमीटर में)	निर्धारित प्रीमियम (रूपये में)	वर्षिक भू-भाटक/किराया	अमानत राशि (रूपये में) 10 प्रतिशत	निविदा प्रपत्र मूल्य (रूपये में)	आरक्षण की स्थिति
01	2026_UAD_498414_1	01	18.72 sqm	9,36,000	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	93,600/-	2,000/-	अनुसूचित जाति
02	2026_UAD_498415_1	02	18.72 sqm	9,36,000	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	93,600/-	2,000/-	अनुसूचित जाति
03	2026_UAD_498417_1	03	18.72 sqm	9,36,000	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	93,600/-	2,000/-	अनारक्षित
04	2026_UAD_498418_1	04	18.72 sqm	9,36,000	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	93,600/-	2,000/-	अनारक्षित
05	2026_UAD_498419_1	05	18.72 sqm	9,36,000	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	93,600/-	2,000/-	अन्य पिछड़ा वर्ग
06	2026_UAD_498420_1	06	18.72 sqm	9,36,000	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	93,600/-	2,000/-	अनुसूचित जनजाति
07	2026_UAD_498421_1	07	15.97 sqm	7,98,500	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	79,850/-	2,000/-	विधवाओं हेतु
08	2026_UAD_498422_1	08	15.97 sqm	7,98,500	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	79,850/-	2,000/-	दिव्यांगों हेतु
09	2026_UAD_498423_1	09	15.97 sqm	7,98,500	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	79,850/-	2,000/-	अनारक्षित
10	2026_UAD_498424_1	10	15.97 sqm	7,98,500	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	79,850/-	2,000/-	अनारक्षित
11	2026_UAD_498425_1	11	15.97 sqm	7,98,500	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	79,850/-	2,000/-	अनारक्षित
12	2026_UAD_498426_1	12	15.97 sqm	7,98,500	स्वीकृत प्रीमियम राशि का 01 प्रतिशत	79,850/-	2,000/-	अनारक्षित

निविदा की शर्ते-

1. प्रत्येक निविदाकार शासन द्वारा जारी केन्द्रीय पंजीकृत प्रणाली के पोर्टल की बेबसाईट https://www.mptenders.gov.in में पंजीकृत होना अनिवार्य हैं जिस नाम से आई0डी0 होगी उसी नाम से निविदा ऑफर प्रस्तुत किया जावेगा।
2. निविदा प्रपत्र की खरीदी ऑन-लाईन बेबसाईट https://www.mptenders.gov.in में ऑन-लाईन पेमेन्ट एवं पोर्टल सर्विस चार्ज के द्वारा दिनांक **09.04.2026** समय 05:30 बजे से दिनांक **27.04.2026** समय 5.30 बजे तक खरीदे जा सकते हैं।
3. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं अमानत राशि ऑन-लाईन पेमेन्ट द्वारा किया जावेगा।
4. निविदा दस्तावेज में पेन कार्ड, आधार कार्ड, निविदा आवेदन पत्र, अमानत राशि एवं निर्धारित प्रारूप में शपथपत्र (100/- के स्टाम्प पर) जमा करना अनिवार्य होगा। आरक्षित दुकानों के लिये उक्त दस्तावेजों के अतिरिक्त सक्षम अधिकारी द्वारा जारी प्रमाण प्रत्र प्रस्तुत करना होगा।
5. समस्त निविदा प्रपत्रों में निविदाकार को डिजीटल हस्ताक्षर करना होगा।
6. निविदा ऑन-लाईन जमा करने की दिनांक **09.04.2026** समय 05:30 बजे से दिनांक **27.04.2026** समय 5.30 बजे तक हैं।
7. निविदा फार्म खोलने की दिनांक **29.04.2026** समय 2:00 से हैं।
8. निविदा में संशोधन केवल बेबसाईट पर देख सकते है। अखबारों में इसका प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद वारासिवनी
जिला-बालाघाट(म.प्र.)

समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य - भागवत

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में रेशीमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर परिसर में आयोजित कार्यक्रम में नागपुर महानगर के घोष पथक के इतिहास पर आधारित 'राष्ट्र स्वराधना' नामक हस्तलिखित ग्रंथ के लोकार्पण मौके पर सरसंघचालक डॉ.मोहन भागवत ने कहा कि संघ के घोषदल में विभिन्न वाद्य यंत्र होते हैं, जिनके स्वर और ध्वनि अलग-अलग होते हुए भी स्वयंसेवक एक ही ताल पर चलते हैं। इससे समन्वय और एकता की भावना विकसित होती है। जब कोई कार्य मन और पूरी निष्ठा के साथ होता है, तब उसका परिणाम इसी रूप में प्रकट होता है और सत्यम-शिवम-सुंदरम का अनुभव होता है। समाज और राष्ट्र में सत्यम, शिवम और सुंदरम की स्थापना करना ही संघ का उद्देश्य है।

इस मौके पर विदर्भ प्रांत संघचालक दीपक तामशेट्टीवार, सह संघचालक श्रीधरजी गाडगे, महानगर संघचालक राजेश लोया उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान नागपुर महानगर घोष वादकों ने विभिन्न रचनाएँ एवं प्रात्यक्षिक प्रस्तुत किए।

सरसंघचालक भागवत ने कहा कि संघ के सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य संस्कारों का निर्माण करना है। सुदृढ़ शरीर और संस्कारित मन के समन्वय से गुणवत्तापूर्ण जीवन की दिशा में आगे बढ़ना ही हमारा लक्ष्य है। इस दृष्टि से 'राष्ट्र स्वराधना' का हस्तलिखित इतिहास अत्यंत महत्वपूर्ण है। समय बीत जाता है, कार्य खड़ा हो जाता है, परंतु जो मौलिक गुणवत्ता शुरुआत में थी, उस गुणवत्ता को अंत तक बनाए रखना महत्वपूर्ण बात है। हमने कार्य विकट परिस्थिति में कैसे खड़ा किया और किस उद्देश्य से किया, इसका सदैव स्मरण हस्तलिखित ग्रंथ देने वाला है। स्वयंसेवक पेशेवर गायक या वादक न होते हुए भी, अपने दैनिक कार्यों को संभालते हुए, बिना सामने कागज रखे इतनी सारी रचनाएँ कैसे प्रस्तुत कर लेते हैं, इस पर लोगों को आश्चर्य होता है। परंतु चमत्कार करना संघ का उद्देश्य नहीं होता, वह स्वयं घटित हो जाता है। पूर्व स्वयंसेवकों के सद्गुण इन रचनाओं में मिलते हैं और दिखाई देते हैं। भाव तभी उत्पन्न होता है, जब वादक मन:पूर्वक वादन करता है।

उन्होंने कहा कि संघ का काम किसी की कृपा से आगे नहीं बढ़ा और न ही किसी की अवकृपा से संघ का काम रुका है। यह सबकुछ लाखों स्वयंसेवकों के परिश्रम से साकार हुआ है। संघ को अपना मानकर संघ के विचार के अनुसार राष्ट्र का स्वरूप खड़ा करने में सभी स्वयंसेवकों ने अपनी पूरी ताकत लगा दी, इसकारण संघ आज देश को दिशा दर्शन करने वाली शक्ति का रूप लेकर खड़ा है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का इस वर्ष शताब्दी वर्ष है। संगठन के निरंतर कार्य को सौ वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में यह कोई उत्सव (सेलिब्रेशन) नहीं है, बल्कि यह आत्मावलोकन का अवसर है पूर्वजों का स्मरण करते हुए और अधिक उन्नत स्थिति की ओर बढ़ने का प्रयास है। आज के स्वयंसेवकों की भी जिम्मेदारी है कि वे अपने पूर्वजों के कार्यों का मूल्यांकन करें और स्वयं को उनके साथ तुलना कर आगे बढ़ें। पूर्वजों द्वारा किए गए कार्य को केवल सुरक्षित रखना ही नहीं, बल्कि उसे और अधिक उन्नत रूप में आगे ले जाना वर्तमान पीढ़ी का कर्तव्य है।

केजरीवाल की याचिका का विरोध कर सीबीआई...ऐसा होने पर कई जजों को राजनीतिक मामलों से हटाना

नई दिल्ली। कथित शराब घोटाले में ट्रायल कोर्ट के फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती देने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा की बेंच से केस ट्रांसफर कराना चाहते हैं। इस मामले में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रमुख केजरीवाल, मनीष सिसोदिया और चार अन्य ने याचिका दायर की थी। इसके जवाब में केंद्रीय जांच एजेंसी सीबीआई ने हलफनामा दाखिल कर याचिका का विरोध किया।

सीबीआई ने अपने हलफनामे में जस्टिस शर्मा पर लगे आरोपों का खंडन किया कि वे वैचारिक रूप से अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद (एबीएपी) से जुड़ी हैं, जो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की कानूनी शाखा है। सीबीआई ने कहा कि एबीएपी के सेमिनार में भाग लेना किसी जज के वैचारिक झुकाव का प्रमाण नहीं हो सकता है। हलफनामे में कहा गया कि इसतरह के आरोप अदालत के अधिकार को कमजोर करने और न्याय प्रशासन में हस्तक्षेप करने की कोशिश माने जाएंगे। सीबीआई ने कहा कि अगर ऐसा मान लिया जाए, तब हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के कई जजों को भी राजनीतिक मामलों से हटाना पड़ेगा। सीबीआई ने जस्टिस शर्मा पर जल्दबाजी के आरोप भी खारिज किए। एजेंसी ने बताया कि जस्टिस शर्मा ने आबकारी नीति केस में पक्षकारों के हित में फैसले दिए हैं और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के तहत सांसदों और विधायकों से जुड़े मामलों को शीघ्र निपटाना पक्षपात नहीं है। इतना ही नहीं सीबीआई ने लालू प्रसाद यादव के केस का उदाहरण देकर कहा कि जस्टिस शर्मा इसी केस की सुनवाई कर रही हैं, जिसमें 3 महीनों में 27 सुनवाई हुई हैं। एजेंसी ने ट्रायल कोर्ट पर की गई टिप्पणियों और स्टे को भी सही ठहराया। केजरीवाल, सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, विजय नायर, अरुण पिल्लई और चनप्रीत सिंह ने जस्टिस शर्मा की बेंच से केस ट्रांसफर करने की मांग की थी। केजरीवाल ने 6 अप्रैल को इस मामले में दलीलें पेश कीं। अगली सुनवाई 13 अप्रैल को होनी है। इस पूरे मामले में सीबीआई ने यह स्पष्ट किया कि जज का गैर-राजनीतिक सेमिनार में भाग लेना उनके वैचारिक झुकाव का संकेत नहीं है और न्यायपालिका में निष्पक्षता पर कोई असर नहीं डालता।

हड़ताली कर्मचारियों पर लाठीचार्ज

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम स्थित मानेसर में धारा 163 लागू होने के बाद गुरुवार को आईएमटी के बाहर हड़ताली कर्मचारियों पर पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। होंडा कंपनी के बाद आधा दर्जन से ज्यादा कंपनियों के कर्मचारी अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर बैठे थे, जिससे कंपनियों का काम ठप हो गया। कर्मचारी काम पर लौटने के लिए तैयार नहीं थे। उन्हें फैक्ट्री गेट के पास इकट्ठा होने से रोका जा रहा था, जिसके बाद पुलिस की टीमें एकदम से कर्मचारियों को खदेडने लगी। लाठीचार्ज के बाद भगदड़ मच गई। इसमें 20 प्रदर्शनकारी घायल हो गए। वहीं, एक कर्मचारी के सिर में लाठी लगने से काफी खून बहने लगा, जिसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने कहा कि यहां धारा 163 लागू है और किसी भी तरह का धरना प्रदर्शन करने की अनुमति नहीं है। मगर, प्रदर्शनकारी नहीं माने और लाठीचार्ज के के विरोध में हंगामा करते हुए पुलिस की बाइक को आग के हवाले कर दिया। इसके बाद पुलिस ने लाठियां फटकार प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ा।

मौसम का बदला मिजाज : 13 राज्यों में भारी बारिश, ओला और आंधी का अलर्ट

नई दिल्ली। अप्रैल के महीने में देश भर में मौसम के अलग-अलग रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां इस समय चिलचिलाती धूप और लू का प्रकोप होता था, वहीं इस बार दिल्ली-एनसीआर से लेकर कोलकाता और भोपाल से लेकर जयपुर तक आसमान में बादलों का डेरा है। तेज हवाएं, भारी बारिश और ओलावृष्टि ने न केवल तापमान को गिरा दिया है, बल्कि एक बड़े मौसमी बदलाव की ओर इशारा किया है। मौसम विभाग ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए देश के 13 राज्यों के लिए अलर्ट जारी किया है।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्तमान में कोई एक चक्रवाती तूफान सक्रिय नहीं है, बल्कि कई मौसमी प्रणालियां एक साथ काम कर रही हैं। उत्तर-पश्चिम से आ रहे सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ और बंगाल की खाड़ी से उठने वाली समुद्री नमी के आपस में टकराने से वातावरण में भारी अस्थिरता पैदा हो गई है। इसी टकराव के कारण अचानक गरज-चमक के साथ आंधी और बारिश जैसी घटनाएं बढ़ गई हैं। 11 अप्रैल के आसपास एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने वाला है, जो मौजूदा स्थिति को और अधिक चुनौतीपूर्ण बना सकता है। देश की राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में 10 और 11 अप्रैल को 30 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने की संभावना है। वहीं, उत्तर प्रदेश के आगरा, अलीगढ़ और मथुरा जैसे क्षेत्रों में 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली आंधी और ओलावृष्टि ने जनजीवन प्रभावित किया है। बिजली गिरने की बढ़ती घटनाओं ने सुरक्षा संबंधी चिंताएं बढ़ा दी हैं। बिहार में अगले 72 घंटे बेहद अहम माने जा रहे हैं, जहां दरभंगा और मुजफ्फरपुर समेत कई जिलों में वज्रपात का खतरा बना हुआ है।

मध्य भारत और राजस्थान में भी साइक्लोनिक सर्कुलेशन का असर साफ दिख रहा है। मध्य प्रदेश के भोपाल और ग्वालियर संभागों में धूल भरी आंधी के साथ बारिश का दौर जारी है। राजस्थान के जयपुर और बीकानेर में अगले 24 घंटों के लिए ओलावृष्टि का अलर्ट है। हालांकि तापमान में 2 से 4 डिग्री की गिरावट से आम जनता को गर्मी से राहत मिली है, लेकिन यह बदलाव किसानों के लिए आफत बनकर आया है। खेतों में तैयार खड़ी गेहूं और रबी की अन्य फसलें ओलावृष्टि और तेज हवाओं के कारण बिछ गई हैं, जिससे भारी नुकसान की आशंका है। पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी और बारिश के कारण भूस्खलन का खतरा बढ़ गया है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के असम और मेघालय में 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चल रही हवाओं ने सामान्य जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। मौसम विभाग ने लोगों को सलाह दी है कि वे खराब मौसम के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और बिजली के खंभों या पेड़ों के नीचे शरण न लें।

तमिलनाडु में अफसरों के तबादले पर सियासी संग्राम, स्टालिन ने चुनाव आयोग पर लगाए पक्षपात के आरोप, सीएम, बोले- डीएमके की जीत रोकने की कोशिश; विपक्ष की शिकायतों के बाद हुई कार्रवाई

चेन्नई। चुनाव आयोग द्वारा तमिलनाडु में वरिष्ठ अधिकारियों के तबादले के फैसले पर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने इस कार्रवाई को पक्षपातपूर्ण बताते हुए कड़ी आपत्ति जताई है।

गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने बुधवार को तमिलनाडु के मुख्य सचिव और डीजीपी स्तर के अधिकारियों को हटाते हुए नई नियुक्तियां कीं। मुख्य सचिव एन. मुरुगानंदन की जगह वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एम. साई कुमार को नियुक्त किया गया है, जबकि डीजीपी (सशस्त्र पुलिस, सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक) एस. डेविडसन देवसीर्वाथम की जगह 1995 बैच के आईपीएस अधिकारी संदीप मित्तल को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनाव-संबंधित पद पर नियुक्त न किया जाए। यह कदम विपक्षी दलों की उन शिकायतों के बाद उठाया गया, जिनमें आरोप लगाया गया था कि राज्य का प्रशासनिक तंत्र सत्तारूढ़ डीएमके के पक्ष में काम कर रहा है।

इस फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए एमके स्टालिन ने सवाल उठाया कि हाल ही में चुनाव आयोग के अधिकारियों ने तमिलनाडु की कानून-व्यवस्था को संतोषजनक बताया था, फिर अचानक ऐसा क्या बदल गया कि इतने बड़े स्तर पर तबादले करने पड़े। उन्होंने आरोप लगाया कि आयोग बीजेपी की एक शाखा की तरह काम कर रहा है और यह कदम डीएमके की संभावित जीत को रोकने की कोशिश है। स्टालिन ने यह भी दावा किया कि ये तबादले विशेष रूप से विपक्षी दल एआईएडीएमके और उसके नेता एडप्पादी के. पलानीस्वामी को फायदा पहुंचाने के लिए किए गए हैं। उन्होंने सेलम की कलेक्टर वृंदा रवि के तबादले का भी उल्लेख करते हुए इसे राजनीतिक रणनीति बताया। मुख्यमंत्री स्टालिन ने सवाल उठाया कि क्या इसी तरह की कार्रवाई बिहार चुनावों के दौरान भी की गई थी। उन्होंने कहा कि इस तरह के कदमों से डीएमके को नहीं रोका जा सकता और उनकी पार्टी चुनाव में मजबूती से उभरेगी।

जयशंकर से मिले बांग्लादेश के विदेश मंत्री ने कहा- शेख हसीना को वापस भेजो

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच बीते साल उपजे कूटनीतिक तनाव के बाद अब दोनों देशों के संबंधों में सुधार की नई कवायद शुरू हो गई है। इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए बांग्लादेश के नवनियुक्त विदेश मंत्री खलीलुर रहमान अपने पहले आधिकारिक विदेश दौरे पर भारत पहुंचे हैं। बुधवार को नई दिल्ली में उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों के साथ गहन चर्चा की। इस यात्रा को ढाका की नई सरकार द्वारा भारत के साथ पारस्परिक विश्वास और सम्मान के आधार पर संबंधों को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश के रूप में देखा जा रहा है।बैठक के केंद्र में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना का मुद्दा रहा। बांग्लादेश द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, विदेश मंत्री रहमान ने शेख हसीना और पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान कमाल के प्रत्यर्पण का अनुरोध दोहराया। हालांकि, भारतीय विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इस विशिष्ट मुद्दे का कोई उल्लेख नहीं किया गया, जो इस विषय पर भारत की संवेदनशीलता को दर्शाता है। गौरतलब है कि अगस्त 2024 में बांग्लादेश में हुए तख्तापलट और हिंसक प्रदर्शनों के बाद से शेख हसीना ने भारत में शरण ली हुई है, जबकि बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई है।

इन मतभेदों के बावजूद, दोनों पक्षों के बीच इस बात पर सहमति बनी है कि शेख हसीना की उपस्थिति द्विपक्षीय संबंधों के भविष्य में बाधा नहीं बननी चाहिए। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोशल मीडिया पर इस मुलाकात को सकारात्मक बताते हुए कहा कि द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के उपायों और क्षेत्रीय घटनाक्रमों पर विस्तार से चर्चा हुई है। भारत ने स्पष्ट किया है कि वह बांग्लादेश की नई सरकार के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और सहयोग के नए मार्ग प्रशस्त करने का इच्छुक है। इस उच्च स्तरीय यात्रा के दौरान व्यापार, ऊर्जा और जन-संपर्क जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी बातचीत हुई। भारत ने आश्वासन दिया है कि आने वाले हफ्तों में बांग्लादेशी नागरिकों के लिए चिकित्सा और व्यावसायिक वीजा जारी करने की प्रक्रिया को सरल बनाया जाएगा। इसके अलावा, बांग्लादेश ने छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या के आरोपियों को पकड़ने में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कुल मिलाकर, यह यात्रा दर्शाती है कि दोनों पड़ोसी देश पिछले एक साल के तनाव को पीछे छोड़कर एक नई और स्थिर साझेदारी की ओर कदम बढ़ा रहे हैं।

भारत में इज़राइल के राजदूत ने कहा, पाकिस्तान पर बिल्कुल भरोसा नहीं

नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच होने वाली अहम शांति वार्ता से पहले बड़ा विवाद खड़ा हो गया है। भारत में इज़राइल के राजदूत रूवेन अज़ार ने पाकिस्तान पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि उन्हें पाकिस्तान पर बिल्कुल भरोसा नहीं है। उन्होंने साफ कहा कि पाकिस्तान 卐आतंकवाद को समर्थन देने वाला देश卐 है, इसलिए उस पर भरोसा करना मुश्किल है। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि इज़राइल इस मामले में अपने अमेरिकी सहयोगियों पर निर्भर करेगा। दरअसल, पाकिस्तान इस समय अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका निभा रहा है और इस्लामाबाद में दोनों देशों के बीच अहम बातचीत होने वाली है। इस बैठक का मकसद हाल ही में हुए दो हफ्ते के सीजफायर को मजबूत करना और स्थायी शांति का रास्ता निकालना है।

ईरान ने संकेत दिया है कि वह अपनी 10 सूत्रीय योजना के आधार पर बातचीत करेगा, जिसमें प्रतिबंधों में राहत, भविष्य में हमलों की गारंटी और होर्मुज जलडमरूमध्य से जुड़े मुद्दे शामिल हैं। हालांकि, अमेरिका और ईरान के बीच पहले से ही गहरा अविश्वास बना हुआ है। खासतौर पर लेबनान में जारी हमलों और सीजफायर उल्लंघन के आरोपों ने स्थिति को और जटिल बना दिया है। इज़राइल के इस बयान से साफ है कि वह पाकिस्तान की मध्यस्थ भूमिका को स्वीकार नहीं कर रहा है। इससे शांति वार्ता से पहले ही कूटनीतिक माहौल और तनावपूर्ण हो गया है।

बेंगलुरु में मानव तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ : दोषी चार बांग्लादेशी नागरिकों को 3 साल की सजा

बेंगलुरु। बेंगलुरु में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने मानव तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क को बड़ी कार्रवाई के बाद ध्वस्त कर दिया। बुधवार को एनआईए की विशेष अदालत ने चार बांग्लादेशी नागरिकों, बादल हौलादार, कबीर तालुकदार, जाकिर खान और बच्चू घरामी को दोषी करार देते हुए तीन साल की कठोर कारावास और प्रत्येक पर 20,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। जुर्माना न भरने पर उन्हें एक महीने अतिरिक्त जेल में रहना होगा।

सुरक्षा एजेंसी की जांच में सामने आया कि ये सभी आरोपी बांग्लादेश से अवैध तरीके से भारत में प्रवेश कर चुके थे। उन्होंने बेनापोल, जेसोर और अखौरा बॉर्डर से देश में प्रवेश किया और फर्जी भारतीय पहचान पत्र बनवा लिए थे। इसके बाद बेंगलुरु के उपनगरीय इलाकों में कचरा बीनने और छंटाई का कारोबार चलाया गया। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि आरोपी केवल खुद अवैध तरीके से भारत में नहीं थे, बल्कि उन्होंने अन्य बांग्लादेशी नागरिकों को भी तस्करी के जरिए भारत लाकर अपने कारोबार में काम पर लगाया। उन्होंने जमीन लीज पर लेकर शेड बनाए, जहां इन लोगों को रखा जाता था। यह पूरा नेटवर्क पूरी तरह संगठित तरीके से संचालित किया जा रहा था।

मामले की जांच और गिरफ्तारी

मामले की शुरुआत नवंबर 2023 में हुई थी, जब एनआईए ने इस केस को दर्ज किया। खुफिया जानकारी और लगातार निगरानी के बाद एजेंसी ने अंतरराष्ट्रीय मानव तस्करी रैकेट का पर्दाफाश किया। छापेमारी में 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और बांग्लादेशी दस्तावेज, डिजिटल डिवाइस, फर्जी भारतीय पहचान पत्र और भारतीय मुद्रा बरामद हुई। फरवरी 2024 में आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की गई और मई 2024 में दो अन्य आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया।

तेलंगाना हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रखा

हैदराबाद। तेलंगाना हाई कोर्ट ने कांग्रेस नेता पवन खेड़ा की उस याचिका पर अपना आदेश सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने असम पुलिस द्वारा उनके खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तारी से अंतरिम सुरक्षा की मांग की थी। यह मामला मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी रिंकी भुइयां सरमा के खिलाफ कथित तौर पर मानहानिकारक और दुर्भावनापूर्ण आरोप लगाने के लिए दर्ज किया गया था। खेड़ा ने असम की अदालतों में जाने के लिए ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी है। जस्टिस के सुजाना ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। आदेश शुक्रवार को सुनाए जाने की संभावना है।

खेड़ा की ओर से पेश वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने अदालत में दलील दी कि असम पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर में राजनीतिक बदले की बू आती है।

असम पुलिस की ओर से पेश होते हुए असम के एडवोकेट जनरल देवजीत सैकिया ने हैदराबाद में अग्रिम जमानत याचिका की स्वीकार्यता को चुनौती दी। उन्होंने दलील दी कि दिल्ली के निवासी खेड़ा ने ऐसा कोई कारण नहीं बताया है कि वे असम में याचिका क्यों दायर नहीं कर सकते।

असम पुलिस ने पवन खेड़ा के खिलाफ मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश के कथित मामले में केस दर्ज किया है। उनके खिलाफ यह केस तब दर्ज किया गया, जब उन्होंने दावा किया कि रिंकी भुइयां के पास कई विदेशी पासपोर्ट और विदेशों में अघोषित संपत्तियां हैं।

मुख्यमंत्री सरमा की पत्नी पर सनसनीखेज आरोप लगाने के बाद से ही कांग्रेस नेता खेड़ा असम पुलिस की नजर में हैं। उन पर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की 14 धाराओं के तहत केस भी दर्ज किया गया है, जिनमें मानहानि, जालसाजी और आपराधिक साजिश शामिल हैं।

यह विवाद रविवार को पवन खेड़ा की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद शुरू हुआ, जिसमें उन्होंने दावा किया कि रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट, दुबई में अघोषित आलीशान संपत्तियां हैं और अमेरिका में शेल कंपनियां भी हैं।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद से पवन खेड़ा लापता हैं। बुधवार को उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री अपनी ताकत दिखाने और पुलिस के पीछे छिपने के बजाय अपने और अपनी पत्नी पर लगे गंभीर आरोपों का जवाब दें।

भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी कतर दौरे पर

नई दिल्ली। भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी कतर दौरे पर हैं। ये दौरा देश के साथ आम लोगों के भी सीधे फायदे और घाटे से भी जुड़ा हुआ है। ईरान युद्ध के बाद से दुनिया भर में पेट्रोल और गैस की किल्लत देखी गई। भारत में भी गैस की किल्लत की अटकलों के बीच कालाबाजारी की खबरें आईं। अब जब ईरान और अमेरिका में 15 दिनों का सीजफायर हुआ है, तो भारत के पेट्रोलियम मंत्री हरदीप पुरी के कतर दौर के अहमियत आसानी से समझी जा सकती है। हरदीप सिंह पुरी दो दिन कतर में हैं। ईरान युद्ध के कारण, सरकारी स्वामित्व वाली कतर एनर्जी ने पिछले महीने पांच साल तक के दीर्घकालिक एलएनजी आपूर्ति अनुबंधों पर अप्रत्याशित घटना (फोर्स मेज्योर) की घोषणा की थी।

नारी शक्ति सशक्तीकरण पर पीएम मोदी का आह्वान, महिला आरक्षण को बताया ऐतिहासिक अवसर

लोकतंत्र को अधिक समावेशी बनाने पर जोर, संसद से सर्वसम्मति से निर्णय लेने की अपील

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नारी शक्ति को सशक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल का आह्वान करते हुए महिला आरक्षण को देश के लोकतांत्रिक विकास का महत्वपूर्ण कदम बताया है। अपने एक विस्तृत लेख में उन्होंने कहा कि भारत 21वीं सदी में एक ऐसे निर्णायक मोड़ पर खड़ा है, जहां समानता, समावेशन और जनभागीदारी को नई दिशा देने का अवसर सामने है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में संसद को एक महत्वपूर्ण दायित्व निभाना है, जिससे लोकतंत्र अधिक प्रतिनिधिक और व्यापक बन सके। महिला आरक्षण से लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ेगी और उन्हें निर्णय प्रक्रिया में उचित स्थान मिलेगा। उन्होंने इसे केवल एक विधायी प्रक्रिया नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब बताया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि यह ऐतिहासिक अवसर ऐसे समय में आ रहा है, जब देश में विभिन्न सांस्कृतिक और धार्मिक पर्वों का उत्सव मनाया जा रहा है। असम में रोंगाली बिहू, ओडिशा में पणा संक्रांति, पश्चिम बंगाल में पोइला बैशाख, केरल में विषु, तमिलनाडु में पुथांडु और उत्तर भारत में बैसाखी जैसे त्योहार नई ऊर्जा और आशा का संदेश दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने 11 अप्रैल से शुरू होने वाली महात्मा ज्योतिराव फुले की जयंती और 14 अप्रैल को डॉ. भीमराव आंबेडकर की जयंती का उल्लेख करते हुए कहा कि ये तिथियां सामाजिक न्याय और समानता के मूल्यों की प्रेरणा देती हैं। इसी क्रम में 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र आयोजित किया जाएगा, जिसमें महिला आरक्षण से जुड़े विधेयक पर चर्चा और पारित करने का प्रयास होगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश की लगभग आधी आबादी होने के बावजूद महिलाओं का प्रतिनिधित्व राजनीति में अपेक्षाकृत कम है। उन्होंने जोर दिया कि महिलाओं की भागीदारी बढ़ने से न केवल निर्णय प्रक्रिया समृद्ध होगी, बल्कि शासन की गुणवत्ता में भी सुधार आएगा। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले वर्षों में शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक क्षेत्रों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी है, लेकिन अब समय है कि उन्हें विधायी संस्थाओं में भी उचित स्थान मिले। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस मुद्दे पर सहमति बनाकर राष्ट्रहित में निर्णय लेने की अपील की।

सीईसी ज्ञानेश कुमार से बहस मामले में आईएएस अनुराग पर्यवेक्षक पद से हटाए गए

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर चल रही बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से यूपी कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग यादव की बहस के बाद उन्हें पर्यवेक्षक पद से हटा दिया गया। अब उनकी दक्षता पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

दरअसल पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर बुधवार को आयोजित एक महत्वपूर्ण वर्चुअल रिव्यू मीटिंग में उस समय अजीबोगरीब स्थिति उत्पन्न हो गई, जब उत्तर प्रदेश कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी अनुराग यादव की मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से तीखी बहस हो गई। इस घटना के चंद घंटों बाद ही अनुराग को बंगाल के कूच बिहार में उनके चुनाव पर्यवेक्षक के पद से हटा दिया गया। यह अलग बात है कि आदेश पर सवाल उठने के बाद चुनाव आयोग के अधिकारियों ने इसे बहस का परिणाम मानने से इनकार कर दिया और कहा, कि कार्य में अक्षमता को देखते हुए हटाया गया है। इस बयान से न सिर्फ पूरे घटनाक्रम को चर्चा ने जोर पकड़ लिया बल्कि कार्रवाई पर भी सवालिया निशान लगने लगे हैं। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह विवाद उस समय शुरू हुआ जब मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार सभी पर्यवेक्षकों से उनके आवंटित क्षेत्रों में स्थापित किए जाने वाले पोलिंग बूथों की संख्या जैसे सवाल कर रहे थे। आईएएस अनुराग यादव इस तरह की जानकारी देने में खुद को असामान्य महसूस कर रहे थे, जिससे जवाब देने में देरी हुई। इस पर मुख्य चुनाव आयुक्त ने ऐसी कोई टिप्पणी कर दी, जिस पर अनुराग यादव ने कड़ा ऐतराज जताया।

पद्मेश न्यूज़
शहर। समाज। गांव

12

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

न्यूज़ गैलरी

साथियों की मजदूरी नहीं देने पर हुई मारपीट

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। खैरलांजी के गांधी चौक में मजदूरी के पैसे साथियों को नहीं देने पर एक व्यक्ति को मारपीट कर उसे जान से मार डालने की धमकी दे दी गई। इस मामले में खैरलांजी पुलिस ने विनोद लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रामकिशोर माहूले 47 वर्ष मजदूरी करते हैं। रामकिशोर ने कहीं साथियों के साथ मजदूरी की थी किंतु रामकिशोर ने अपने साथियों को मजदूरी का पैसा नहीं दिया था। इसी को लेकर के उसकी विनोद लिल्हारे के साथ कहा सुनी होते रहती थी। 7 अप्रैल की रात्रि 9ः00 बजे रामकिशोर मनोज पताहे के साथ अपने गांव के गांधी चौक में खर्रा बनाने के लिए गया था और रोड किनारे अंकित के पान ठेला के सामने खड़ा था तभी वहां पर विनोद लिल्हारे पहुंचा और रामकिशोर से बोला कि मजदूरी के पैसे अपने साथियों को क्यों नहीं दिया। यह कहकर वह रामकिशोर को अप शब्दों का प्रयोग कर उसे मारपीट करने लगा। हाथ में पहना कड़ा रामकिशोर के आंख के ऊपर लगने से चोटे आई। मारपीट के दौरान विनोद लिल्हारे ने रामकिशोर को साथियों को मजदूरी का पैसा नहीं देने पर जान से खत्म करने की धमकी देकर चला गया। बीच बचाव के बाद मारपीट में घायल रामकिशोर इलाज करवाने के लिए अपने गांव के अस्पताल पहुंचा। खैरलांजी पुलिस ने इस मामले में विनोद लिल्हारे के विरुद्ध मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के आरोप में अपराध दर्ज कर लिया है। जिसकी जांच की जा रही है।

कांग्रेस का कालीपुतली चौक पर धरना

महंगाई और वादाखिलाफी के खिलाफ गरजे नेता

किसानों को समर्थन मूल्य, महिलाओं की सुरक्षा और जनहित के मुद्दों पर उठी आवाज, तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के नेतृत्व में स्थानीय कालीपुतली चौक पर विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर धरना-प्रदर्शन आयोजित किया गया। इस दौरान किसानों को समर्थन मूल्य दिलाने, महिलाओं पर बढ़ते अत्याचार, महंगाई और सरकार द्वारा किए गए वादों को पूरा नहीं किए जाने के मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। धरना-प्रदर्शन में कांग्रेस के विधायक, पूर्व सांसद सहित पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए। मंच से वक्ताओं ने सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान किए गए वादों को अब तक पूरा नहीं किया गया है, जिससे आम जनता और किसान वर्ग खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित समर्थन मूल्य नहीं मिल रहा है, वहीं महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है, जिससे आमजन का जीवन प्रभावित हो रहा है। साथ ही महिलाओं पर बढ़ते अत्याचारों को लेकर भी चिंता जताई गई और सरकार से सख्त कदम उठाने की मांग की गई।

प्रदेश सरकार द्वारा चुनाव के दौरान किए गए वादों को लेकर कांग्रेस ने शहर के कालीपुतली चौक में एकदिवसीय धरना प्रदर्शन आयोजित किया। इस दौरान कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने किसानों, महिलाओं और आमजन से जुड़े मुद्दों को उठाते हुए सरकार पर जमकर निशाना साधा। धरना प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक, पूर्व सांसद, जिला अध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए। मंच से वक्ताओं ने कहा कि सरकार ने चुनाव के समय किसानों को गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 रुपए प्रति क्विंटल देने का वादा किया था, लेकिन आज तक किसानों को इसका लाभ नहीं मिल रहा है। साथ ही पर्याप्त मात्रा में गेहूं खरीदी भी नहीं की जा रही है, जिससे किसानों को अपनी उपज कम दामों में बेचने को मजबूर होना पड़ रहा है। वक्ताओं ने लाड़ली बहना योजना का मुद्दा भी उठाते हुए कहा कि सरकार ने महिलाओं को 3000 रुपए प्रतिमाह देने का वादा किया था, लेकिन यह वादा भी अब तक अधूरा है। इससे महिलाओं में निराशा और असंतोष बढ़ रहा है। इसके अलावा डीजल, पेट्रोल और रसोई गैस की बढ़ती कीमतों को लेकर भी कांग्रेस नेताओं ने सरकार को घेरा। उनका कहना था कि महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे आम जनता पर आर्थिक बोझ बढ़ता जा रहा है और कई जगहों पर आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता भी प्रभावित हो रही है।धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए विधायक एवं कांग्रेस जिला अध्यक्ष संजय उईके ने कहा कि भाजपा सरकार चुनाव के समय युवाओं को रोजगार देने और किसानों के हित में बड़े-बड़े वादे करती है, लेकिन चुनाव के बाद उन वादों को भूल जाती है। उन्होंने कहा कि आज किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहा है। वही बालाघाट विधायक अनुमा मुंजारे और वारासिवनी विधायक विक्की पटेल ने भी सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों को पर्याप्त पानी और बिजली उपलब्ध नहीं हो पा रही है। उन्होंने सरकार को व्यापारियों के हित में काम करने वाली बताते हुए कहा कि आम जनता और किसानों की समस्याओं की अनदेखी की जा रही है। अनुभा मुंजारे ने तो यह भी कहा कि केवल भावांतर की बात करना पर्याप्त नहीं है, बल्कि किसानों को उनकी फसल का पूरा और उचित मूल्य दिया जाना चाहिए, जैसा कि वादा किया गया था। विधायको ने केंद्र और राज्य सरकार दोनों पर निशाना साधते हुए कहा कि जनहित के मुद्दों पर सरकार अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा पा रही है। कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने अपनी विभिन्न मांगों को लेकर तहसीलदार को ज्ञापन सौंपा और सरकार से जल्द से जल्द वादों को पूरा करने की मांग की। इसके बाद धरना प्रदर्शन का समापन किया गया।

लांजी का चर्चित डबल मनी घोटाला फिर सुर्खियों में
पुलिस ने कुछ लोगों को लिया अभिरक्षा में

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बहुचर्चित डबल मनी घोटाला एक बार फिर चर्चा में आ गया है। जानकारी के अनुसार लांजी पुलिस द्वारा इस मामले में कुछ लोगों को अभिरक्षा में लिए जाने की खबर सामने आई है।हालांकि अभी तक इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो पाई है।

बताया जा रहा है कि इस घोटाले का मुख्य आरोपी शोभेंद्र कंकरायने अब भी फरार है। उसके साथ ही इस मामले में शामिल उसके कुछ करीबी रिश्तेदार भी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। जिनकी तलाश लगातार जारी है।

गौरतलब है कि यह मामला वर्ष 2022 में पुलिस की बड़ी कार्रवाई के बाद सुर्खियों में आया था। हालांकि इस फर्जीवाड़े की शुरुआत करीब 8 वर्ष पहले यानी 2014-15 के आसपास आरोपी सोमेंद्र कंकरायने द्वारा अपने गांव बोलेगांव से की गई थी। धीरे-धीरे यह नेटवर्क फैलता गया और बड़ी संख्या में लोगों को अपने जाल में फंसाया गया।

मई 2022 में पुलिस ने बड़ी छापेमार कार्रवाई करते हुए 11 आरोपियों को गिरफ्तार किया था। इस दौरान उनके पास से 10 करोड़ रुपये से अधिक की नगदी और कई मोबाइल फोन बरामद किए गए थे। पुलिस ने इस मामले में कुल 14 लोगों के खिलाफ अपराध दर्ज किया था।जिसके बाद जांच के दौरान आरोपियों की संख्या लगातार बढ़ती गई।इस घोटाले में मुख्य रूप से सोमेंद्र कंकरायने, हेमराज आमाडारे और अजय तिड़के के नाम प्रमुख आरोपियों में शामिल रहे हैं। फिलहाल, हाल के घटनाक्रम में कुछ संदिग्धों को अभिरक्षा में लिए जाने की खबर ने मामले को एक बार फिर चर्चा में ला दिया है। पुलिस की ओर से आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत जानकारी का इंतजार किया जा रहा है।

दो मोटरसाइकिल आपस में टकराई तीन युवक सहित चार लोग घायल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम नक्शी में परसवाड़ा रोड पर दो मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार तीन युवक सहित चार लोग घायल हो गए सभी भाइयों का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया डायलॉग में शुभम पिता किशोर पांचे 24 वर्ष, ऋषभ पिता भजन पांचे और पितम मुन्नेलाल पांचे सभी निवासी ग्राम परसवाड़ा और अन्य मोटरसाइकिल में सवार बबलू खरे पिता दयालाल खरै 45 वर्ष नकशी निवासी है सभी का इलाज किरनापुर के अस्पताल में किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 8 मार्च को 11ः00 बजे करीब शुभम पांचे अपने परिवार के पितम पांचे और ऋषभ पांचे के साथ मोटरसाइकिल में नकशी से परसवाड़ा जा रहे थे। तभी बबलू खरे मोटरसाइकिल में परसवाड़ा से नक्शी की ओर आ रहा था। तभी दोनों मोटरसाइकिल आपस में टकरा गई। इस दुर्घटना में दोनों मोटरसाइकिल में सवार चारों लोग घायल हो गए। सभी घायलों को डायल 112 से किरनापुर की अस्पताल ले जाकर भर्ती किया गया। इस मामले में मोटरसाइकिल चालक बबलू खरे के विरुद्ध तेज रफ्तार लापरवाही पूर्वक मोटर साइकिल चला कर दुर्घटना कारित के आरोप में धारा 281 125(a) भारतीय न्याय संहिता और 184 मोटर व्हीकल एक्ट के तहत अपराध कर

एक व्यक्ति ने गाय को कुल्हाड़ी से मारकर भुनाई रंजिश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मलाजखंड थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कोल्हियाटोला में एक व्यक्ति फालतू गाय को कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया। यह घटना आपसी रंजिश के चलते हुई । मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में दीपक मरकाम के विरुद्ध अपराध दर्ज कर लिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कोल्हिया टोला में हीरालाल तुरकर और दीपक मरकाम के बीच आपसी रंजिश बनी हुई थी। हीरालाल तुरकर के पास एक गाय और एक भैंस है। जिसे गायकी कार्तिक यादव बर्राटोला मोहगांव निवासी चराने ले जाता है। 8 अप्रैल को 11ः30 बजे हीरालाल तुरकर की गाय और भैंस को कार्तिक यादव ने चराने के लिए ले गया था। इसी दौरान दीपक मरकाम ने हीरालाल तुरकर की गाय को कुल्हाड़ी से मार कर घायल कर दिया। गाय घायल हालत में गांव के झनक कुभरे के घर के पास पड़ी हुई थी। खबर मिलते ही हीरालाल तुरकर पहुंचा और अपनी गाय को देखा। गाय के पेट और रीड की हड्डी में कुल्हाड़ी के घाव के निशान थे । जिसके बाद हीरालाल तुरकर अपने साथियों के साथ रिपोर्ट करने के लिए मलाजखंड पुलिस थाना पहुंचा। मलाजखंड पुलिस ने इस मामले में दीपक मरकाम के विरुद्ध पशु को मार कर घायल करने के आरोप में अपराध दर्ज कर जांच शुरू की है।

महकेपार में मृत मिला चीतल, वन विभाग ने कराया पोस्टमार्टम के बाद अंतिम संस्कार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले की तिरोड़ी तहसील अंतर्गत ग्राम महकेपार में एक वन्य प्राणी चीतल मृत अवस्था में पाए जाने का मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार आवश्यक कार्रवाई की गई। वन विभाग द्वारा पशु-चिकित्सक की उपस्थिति में मृत चीतल का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके उपरांत नियमानुसार वन्यजीव का अंतिम दाह संस्कार किया गया। वन अधिकारियों ने बताया कि पूरे प्रकरण में शासन द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित किया गया है तथा मृत्यु के कारणों की जांच के लिए आवश्यक प्रक्रिया अपनाई गई है।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

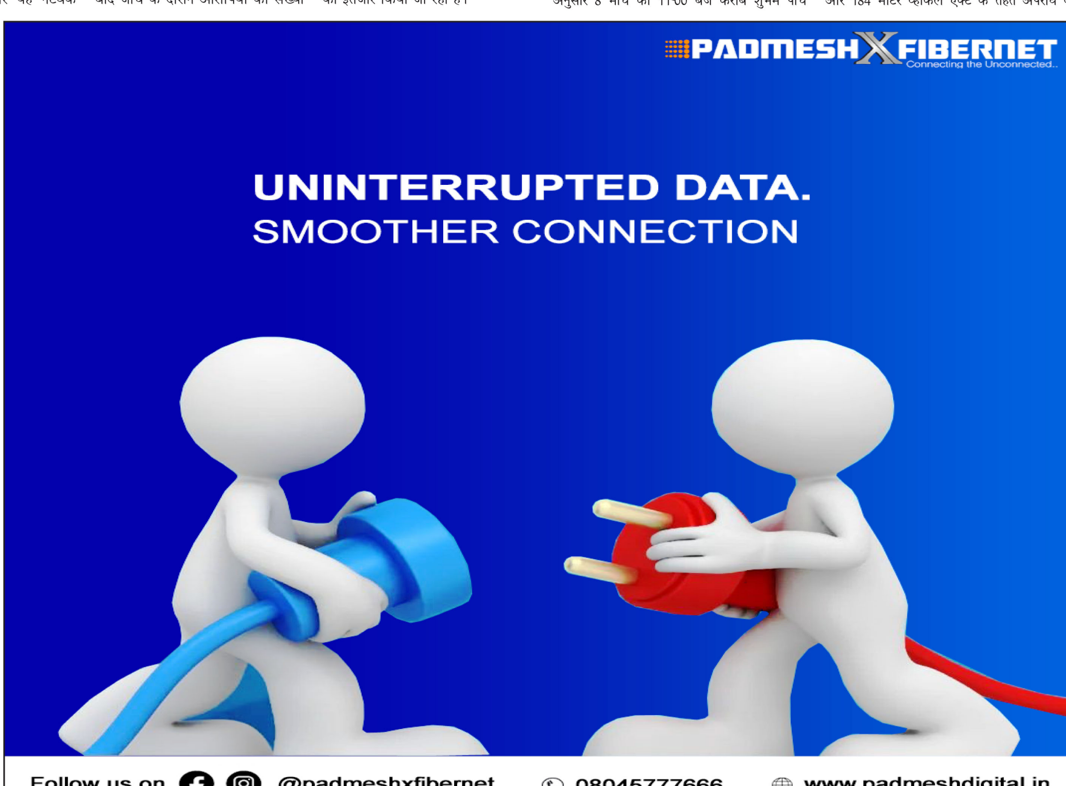

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट